- राजकीय सम्मान के साथ अजित पवार का अंतिम संस्कार
- 12

- वैश्वीकरण का अंत करीब स्वदेशी को टाल नहीं सकते
- 12

- भविष्य की ऊर्जा को लेकर दुनिया की नजरें भारत पर टिकीं : कैमरा
- 13

- रणजी में जुरेल शतक से चूके, उत्तर प्रदेश ने बनाए 237 रन
- 14

आज का मौसम

21.0° अधिकतम तापमान

10.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.54

सूर्यास्त 05.50

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

अयोध्या

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष द्वादशी 11:09 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 30 जनवरी 2026, वर्ष 4, अंक 166, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

भारत उच्च वृद्धि की राह पर, 2026-27 में जीडीपी ग्रोथ 7.2% रहने का अनुमान

वित्त मंत्री सीतारमण ने संसद में पेश किया आर्थिक रिपोर्ट कार्ड

- कहा- व्यापक आर्थिक आधार मजबूत, वैश्विक चुनौतियों का सफलतापूर्वक किया सामना

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में आर्थिक सर्वेक्षण पेश करतीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद के बजट सत्र में गुरुवार को देश का 'आर्थिक रिपोर्ट कार्ड' पेश किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत का व्यापक आर्थिक आधार पहले से कहीं अधिक मजबूत है। देश ने वैश्विक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है, जिससे हमारी संभावित जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 2026-2027 में 7.2% रहने का अनुमान है।

सीतारमण ने कहा, भू-राजनीतिक विखंडन व आर्थिक उथल-पुथल से भरी इस दुनिया में भारत एक वैश्विक चमकते सितारे के रूप में खड़ा है जो मजबूत, स्थिर और आगे बढ़ने वाला है। हमने वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों का सफलतापूर्वक मुकाबला करते हुए भारत को उच्च वृद्धि पथ पर पहुंचाया है। आर्थिक समीक्षा के अनुसार, वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूत गति बनाए रखी है। एनएसओ (एनएसओ) के अनुमानों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। भारत लगातार चौथे वर्ष सबसे तेजी से बढ़ने वाली दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। समीक्षा ने देश के वृद्धि पूर्वानुमान को तीन साल पहले के 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर अब सात प्रतिशत कर दिया है। समीक्षा के अनुसार, जीएसटी में बदलाव और अन्य सुधारों ने वैश्विक अनिश्चितता को एक अवसर में बदल दिया है और अगला वित्त वर्ष समायोजन का वर्ष होगा क्योंकि अर्थव्यवस्था इन बदलावों के अनुकूल होगी। भारत के विभिन्न देशों के साथ किए गए कई मुक्त व्यापार समझौतों को देखते हुए, समीक्षा में कहा गया है कि व्यापार समझौतों की पूरी क्षमता का लाभ उठाने के लिए भारत को प्रतिस्पर्धी रूप से उत्पादन करना होगा।

इसमें कहा गया है कि यूरोप के साथ एफटीए भारत की विनिर्माण प्रतिस्पर्धी क्षमता, निर्यात क्षमता और रणनीतिक क्षमता को मजबूत करेगा। समीक्षा के अनुसार, ज्यादातर वर्षों में, बाहर से भेजा जाने वाला मनी ऑर्डर (रेमिटेंस) एफडीआई से अधिक रहा है। यह बाह्य वित्त पोषण के एक प्रमुख स्रोत के रूप में इसके महत्व को बताता है। परिणामस्वरूप, 2025-26 की पहली छमाही में चालू खाते का घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 0.8 प्रतिशत पर बना हुआ है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत मार्च 2025 तक 55 करोड़ दो लाख बैंक खाते खोले गए हैं। वर्ष 2005 से 2024 के दौरान देश का वैश्विक व्यापार निर्यात एक प्रतिशत से लगभग दोगुना होकर 1.8 प्रतिशत हो गया है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू उड़ान बाजार बना, हवाई अड्डों की संख्या 2014 से 74 से बढ़कर 2025 में 164 हुई। देश में इस समय 23 आईआईटी, 21 आईआईएम और 20 एम्स, जंजीबार और अबूधाबी में दो अंतर्राष्ट्रीय आईआईटी कैम्पस स्थापित हैं।

लगातार नौ बार बजट पेश करने वाली पहली महिला वित्त मंत्री होंगी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लगातार नौवीं बार केंद्रीय बजट पेश करना भारत के संसदीय इतिहास में गौरव का विषय होगा। सीतारमण रविवार को संसद में 2026-27 का केंद्रीय बजट पेश करेंगी। ऐसा करने वाली वह देश की पहली महिला वित्त मंत्री होंगी। पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने 10 बार केंद्रीय बजट पेश किया था, जबकि पी. चिदंबरम ने नौ बार बजट पेश किया, लेकिन वह लगातार नहीं कर सके।

पिछले एक साल में 18,000 रोजगार मेलों के जरिए 2.22 करोड़ को मिला रोजगार : मांडविया

नई दिल्ली। सरकार ने कहा कि पिछले एक वर्ष के दौरान देशभर में आयोजित 18,000 से अधिक रोजगार मेलों के माध्यम से कुल 2.22 करोड़ लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया गया। श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने राज्यसभा को प्रश्नकाल के दौरान यह जानकारी दी। पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए उन्होंने बताया कि देश में रोजगार सृजन बढ़ रहा है और बेरोजगारी दर घटकर 3.2 प्रतिशत रह गई है। बीते एक दशक में एनसीएस पोर्टल को मजबूत किया गया है और वर्तमान में इससे 55 लाख कंपनियां जुड़ी हुई हैं। वहीं 2024 के आंकड़ों के अनुसार देश में 64.33 करोड़ रोजगार अवसर उपलब्ध कराए गए।

भारत 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' पर, दुनिया के लिए आशा की किरण बनकर उभर रहा : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत दुनिया के लिए आशा की किरण बनकर उभर रहा है। साथ ही उन्होंने ईयू के साथ हुए एफटीए का उल्लेख करते हुए कहा कि यह महत्वाकांक्षी भारत के लिए है और देश के विनिर्माताओं को इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी क्षमताएं बढ़ानी चाहिए। संसद के बजट सत्र के दूसरे दिन, मोदी ने कहा कि भारत 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। मोदी ने कहा कि उनके आलोचक भी सरकार की अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने की प्रतिबद्धता को स्वीकार करते हैं और सुधारों की यह परंपरा अगली पीढ़ी के सुधारों के साथ भी जारी रहेगी।

ब्रीफ न्यूज

नौसेना ने सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दल का पुरस्कार जीता

नई दिल्ली। इस वर्ष की गणतंत्र दिवस परेड में भारतीय नौसेना ने सशस्त्र बलों की तीनों सेवाओं में सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दल का पुरस्कार जीता है। नौसेना ने इस उपलब्धि को अथक प्रयास, समर्पण और अनुशासन का परिणाम बताया है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकी श्रेणी में महाराष्ट्र ने गणेशोत्सव की थीम पर आधारित अपनी झांकी के लिए पहला पुरस्कार जीता। वहीं, 'वंदे मातरम्' की 150 वर्ष की विरासत को दर्शाने वाली संस्कृति मंत्रालय की झांकी मंत्रालयों और विभागों की श्रेणी में विजेता रही। नौसेना अधिकारियों के अनुसार, नौसेना के मार्चिंग दल में 144 युवा कर्मी शामिल थे, जिन्होंने ऐतिहासिक कर्तव्य पथ पर कंधे से कंधा मिलाकर मार्च किया।

कांस्टेबल, हेड कांस्टेबल डेढ़ लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने डूंगरपुर जिले में दोवडा थाने के पुलिस कांस्टेबल प्रकाश चन्द्र पटेल और हेड कांस्टेबल अशोक कुमार पाटीदार को डेढ़ लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। ब्यूरो के पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने गुरुवार को बताया कि एसीबी डूंगरपुर को परिवादी ने शिकायत की कि कांस्टेबल प्रकाश चन्द्र ने उसका मोबाइल फोन लेकर कहा कि वह लोकेन्टो खेलकर लोगो के साथ ठगी करता हैं और अब उसके खिलाफ मुकदमा चलेगा। अगर वह इससे बचना हैं तो दोवडा थाने में सीआई साहब से बात करके मुकदमा नहीं होने देंगे और इसकी एवज में उससे दो लाख रुपए की रिश्वत की मांग की जा रही है।

यूजीसी के नए नियमों पर रोक

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- हस्तक्षेप नहीं किया तो समाज में विभाजन पैदा होने के साथ खतरनाक प्रभाव पड़ेगा

अगले आदेश तक 2012 वाले नियम लागू रहेंगे, केंद्र सरकार को नया ड्राफ्ट तैयार करने के दिए निर्देश

- पीठ का सुझाव, प्रख्यात न्यायविदों की एक समिति द्वारा विनियमों पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर में जाति आधारित भेदभाव को रोकने से संबंधित हालिया यूजीसी समानता विनियमन पर रोक लगा दी और कहा कि ये विनियम प्रथम दृष्टया अस्पष्ट प्रतीत होते हैं और इनका दुरुपयोग किए जाने की आशंका है। शीर्ष अदालत ने मौखिक रूप से टिप्पणी की कि अगर इस मामले में हस्तक्षेप नहीं किया गया तो इसका खतरनाक प्रभाव पड़ेगा और समाज में विभाजन पैदा होगा।

उच्चतम न्यायालय का यह आदेश उन विभिन्न याचिकाओं के बाद आया है जिनमें यह दलील दी गई थी कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने जाति-आधारित भेदभाव की गैर-समावेशी परिभाषा अपनाई है और कुछ श्रेणियों को संस्थागत संरक्षण से बाहर रखा है। इन नियमों के खिलाफ देश में विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए जिसमें छात्र समूहों और संगठनों ने इन्हें तत्काल वापस लेने की मांग की। केंद्र और यूजीसी को नोटिस जारी करते हुए प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जे बागची की पीठ ने सुझाव दिया कि प्रख्यात न्यायविदों की एक समिति द्वारा विनियमों पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, (केंद्र, यूजीसी को) नोटिस जारी करें और 19 मार्च तक जवाब दाखिल किए जाए।

सॉलिसिटर जनरल नोटिस स्वीकार करें, तब तक यूजीसी विनियम 2026 स्थगित रहेंगे और 2012 के विनियम लागू रहेंगे। सुनवाई के दौरान पीठ ने टिप्पणी की, प्रथम दृष्टया यही प्रतीत होता है कि विनियमन की भाषा अस्पष्ट है। विशेषज्ञों को भाषा में संशोधन करने की आवश्यकता है ताकि इसका दुरुपयोग न हो सके। उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव संबंधी शिकायतों की जांच करने और समानता को बढ़ावा देने के लिए सभी संस्थानों द्वारा समानता समितियां गठित करने को अनिवार्य बनाने संबंधी नए नियम 13 जनवरी को अधिसूचित किए गए थे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्द्धन हेतु) विनियम, 2026 में यह अनिवार्य किया गया है कि इन समितियों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदाय से तथा दिव्यांग एवं महिला सदस्य शामिल होने चाहिए। नया विनियम यूजीसी (उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देना) विनियम, 2012 का स्थान लेने के लिए अधिसूचित किया गया था। 2012 के नियम मुख्य रूप से परामर्श वाली प्रकृति के थे। इन याचिकाओं में इस विनियम को इस आधार पर चुनौती दी गई कि जाति-आधारित भेदभाव को सिर्फ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के सदस्यों के खिलाफ भेदभाव के रूप में ही परिभाषित किया गया है।

याचिकाओं में कहा गया है कि जाति-आधारित भेदभाव के दायरे को केवल अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग तक सीमित करके यूजीसी ने प्रभावी रूप से सामान्य या गैर-आरक्षित श्रेणियों से संबंधित व्यक्तियों को संस्थागत संरक्षण और शिकायत निवारण से वंचित कर दिया है जिन्हें उनकी जातिगत पहचान के आधार पर उत्पीड़न या पूर्वाग्रह का सामना करना पड़ सकता है। उच्चतम न्यायालय मृत्युंजय तिवारी, अधिवक्ता विनीत जिंदल और राहुल दीवान की ओर से दायर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्द्धन हेतु) विनियम, 2026 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था।

आवारा कुत्तों से संबंधी पूर्व के आदेश में संशोधन संबंधी याचिका पर फैसला रखा सुरक्षित

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने आवारा कुत्तों के मामले में पहले दिए गए आदेशों में संशोधन का अनुरोध करने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई के बाद गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने न्यायमित्र गौरव अग्रवाल की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। अग्रवाल ने पीठ के समक्ष पंजाब, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों द्वारा उठाए गए कदमों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। पीठ ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की ओर से पेश हुए अधिवक्ता की दलीलें भी सुनी, जिसमें 7 नवंबर, 2025 के उस निर्देश के अनुपालन का जिक्र था। अदालत ने प्राधिकरण को राष्ट्रीय राजमार्गों से आवारा पशुओं को हटाने और सड़कों के किनारे बाड़ लगाने के निर्देश दिये थे। न्यायालय ने भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (एडब्ल्यूबीआई) को पशु आश्रय स्थलों या पशु जन्म नियंत्रण सुविधाओं के लिए अनुमति मांगने वाले गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के आवेदनों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। पीठ ने एडब्ल्यूबीआई का पक्ष रख रहे अधिवक्ता से कहा, या तो आप आवेदन स्वीकार करें या अस्वीकार करें, लेकिन इसे शीघ्रता से करें। शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी अधिवक्ता की इस दलील पर की कि सात नवंबर के आदेश के बाद, विभिन्न संगठनों से ऐसे आवेदनों में अचानक वृद्धि हुई है।

अयोध्या जेल की दीवार फांद दो बंदी फरार, जेल अधीक्षक समेत सात निलंबित

संवाददाता, अयोध्या कार्यालय

- विशेष बैरक में निरुद्ध थे दोनों रोशनदान की ईंट निकालकर पहुंचे जेल की दीवार तक
- कंबल व मफलर की रस्सी बना इमली के पेड़ के सहारे कूदे, सुबह 6 बजे गिनती के समय हुई जानकारी

अमृत विचार : जिला कारागार की सुरक्षा में सेंध लगाकर विशेष बैरक में निरुद्ध दो बंदी दीवार फांदकर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही जनपद में हड़कंप मच गया। फरार बंदियों की तलाश में पुलिस की तीन टीमों का गठन किया गया है। मामले में डीजी जेल पीसी मीणा ने वरिष्ठ जेल अधीक्षक यूपी मिश्रा, जेलर जेके यादव और डिप्टी जेलर मयंक त्रिपाठी समेत एक हेड वार्डर और तीन वार्डर को निलंबित कर दिया है।

घटना की जानकारी गुरुवार सुबह छह बजे तब हुई, जब बंदियों व कैदियों की गिनती की जा रही थी। इस दौरान विशेष बैरक नंबर एक की कोठरी नंबर चार में एक साथ बंद शेर अली निवासी अमेरमऊ थाना करौंदी कला जिला सुल्तानपुर व गोलू अग्रहरि उर्फ सूरज निवासी मुसाफिरखाना थाना मुसाफिरखाना जिला अमेठी लापता मिले। जब उनके बैरक की जांच की गई तो उसका रोशनदान टूटा मिला। उसमें से 15-20 ईंटे निकली हुई थीं। पता चला कि दोनों बंदी इसमें से निकलकर जेल की दीवार तक गए व बाहर लगा इमली का एक सूखा पेड़, जिसकी डाल जेल के अंदर तक आई थी, उस पर कंबल व मफलर की रस्सी बनाकर उसके सहारे बाहर निकल गए। मौके पर पहुंचे वरिष्ठ जेल अधीक्षक यूपी मिश्र, जेलर, डिप्टी जेलर ने जेल की तलाशी ली व कैदियों व बंदियों से पूछताछ की। भागने वाले स्थान पर हरियाली व अंधेरा होने के कारण सीसीटीवी फुटेज से भी कुछ हासिल नहीं हुआ।

लापरवाही स्वीकारी संबल, सरिया बरामद

डीआईजी जेल ने जेल प्रशासन की भारी लापरवाही को स्वीकार किया। बताया कि दोनों बंदी रोशनदान की ईंट निकालकर कंबल व मफलर की रस्सी के सहारे जेल की दीवार कूदकर फरार हुए हैं। मौके से एक संबल, सरिया, बांस बरामद हुआ है। निलंबित किए गए सातों के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दिए गए हैं। बंदी शेर अली हत्या के एक मामले में दो साल व गोलू पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज एक मुकदमे में जिला कारागार में निरुद्ध थे। कोतवाली नगर में केस भी दर्ज कराया गया है।

चांदी चार लाख के पार, सोना 1.83 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम

नई दिल्ली, एजेंसी

- मेटल की कीमतों में गुरुवार को आई तूफानी तेजी

राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में गुरुवार को चांदी की कीमतें चार लाख रुपये प्रति किलोग्राम के पार पहुंच गईं, जबकि सोना 1.83 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया। यह बढ़ोतरी वैश्विक बाजारों में तेज उछाल और सुरक्षित निवेश मानी जाने वाली इन परिसंपत्तियों के लिए निवेशकों की मजबूत मांग के कारण हुई।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी में लगातार चौथे सत्र में तेजी जारी रही और यह 19,500 रुपये, या 5.06 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 4,04,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) पर पहुंच गई। चांदी बुधवार को 3,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। 99.9% शुद्धता वाला सोना भी 12,000 रुपये, या 7.02 प्रतिशत बढ़कर 1,83,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

सोने की वैश्विक मांग 5,000 टन से अधिक

मुंबई। वैश्विक स्तर पर सोने की मांग 2025 में 5,000 टन से अधिक होकर एक नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई है। विश्व स्वर्ण परिषद की गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, कुल सोने की मांग 2025 में 5,002 टन के नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई, जो पिछले वर्ष 4,961.9 टन थी।

दिल्ली दंगा मामले में ताहिर व दो अन्य की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने दिल्ली दंगों की बड़ी साजिश के मामले में तीन आरोपियों - सलीम मलिक, अतहर खान और आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन की जमानत याचिकाएं गुरुवार को खारिज कर दीं। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी आरोपियों की जमानत याचिकाओं की सुनवाई कर रहे थे और उन्होंने जमानत देने से इनकार कर दिया।

उच्चतम न्यायालय की ओर से इसी मामले में पांच अन्य आरोपियों को जमानत दिए जाने के बाद तीनों आरोपियों ने जमानत याचिकाएं दायर की थीं, जिसमें उन्होंने दलील दी है कि उन पर समान आरोप हैं। इन तीनों आरोपियों पर गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत 2020 के दंगों में कथित संलिप्तता के आरोप लगाए गए हैं।

बैठक | शिक्षा जगत से जुड़े 15 लाख लोगों को राहत, योगी कैबिनेट ने 32 में से 30 प्रस्तावों को दी मंजूरी

शिक्षकों और कार्मिकों को 5 लाख रुपये तक मुफ्त इलाज

- चीनी मिलों की क्षमता बढ़ाने समय से भुगतान और नई चीनी मिलें खोलने पर भी लगी मुहर
- शहरी विकास, आवास, सड़क औद्योगिक निवेश और पुनर्विकास से जुड़े फैसलों से बढ़ेगा रोजगार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लोकभवन में मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को लोकभवन में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में 32 प्रस्तावों पर चर्चा के बाद 30 को मंजूरी दे दी गई, जबकि चौथा और 17वां प्रस्ताव स्थगित कर दिए गए। सबसे अहम फैसला 15 लाख से अधिक शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मियों के लिए रहा। बेसिक, माध्यमिक और संस्कृत शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त सरकारी, गैर-सरकारी और अनुदानित विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों, शिक्षामित्रों, रसोइयों समेत अन्य कर्मियों को सपरिवार 5 लाख रुपये तक का कैशलेस मेडिकल बीमा कवर मिलेगा। इसके साथ ही चीनी मिलें खोलने, क्षमता बढ़ाने व समय से भुगतान समेत शहरी विकास, आवास, सड़क, औद्योगिक निवेश और पुनर्विकास से जुड़े फैसलों से रोजगार सृजन को नई दिशा दी गई।

मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह और माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने पत्रकारों को फैसलों की जानकारी दी। बताया गया कि बेसिक शिक्षा परिषद, माध्यमिक शिक्षा परिषद व संस्कृत शिक्षा परिषद के सभी मान्यता प्राप्त अनुदानित, स्ववित्तपोषित विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक (व्यावसायिक शिक्षा के विषय विशेषज्ञ व मानदेय शिक्षक सहित) इस सुविधा के दायरे में आएंगे। योजना के तहत आईपीडी (अंतःरोगी) इलाज की कैशलेस सुविधा सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ साचीज़ से जुड़े निजी अस्पतालों में भी उपलब्ध होगी।

इलाज की दरें प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के मानकों के अनुरूप होंगी। योजना का लाभ कर्मियों के आश्रितों को भी मिलेगा। इसमें शिक्षामित्रों, विशेष शिक्षकों, अनुदेशकों, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की वार्डेन, पूर्णकालिक/अंशकालिक शिक्षक-शिक्षिकाओं व प्रधानमंत्री पोषण योजना के रसोइयों और उनके आश्रितों को भी योजना में शामिल किया गया है। अनुमान है कि बेसिक शिक्षा परिषद के 11.95 लाख से अधिक शिक्षक-कर्मी इससे लाभान्वित होंगे।

सत्यापन के बाद योजना का लाभ

स्ववित्तपोषित मान्यता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों को सत्यापन के बाद योजना का लाभ मिलेगा। इसके लिए जिलों में जिला विद्यालय निरीक्षक और बेसिक शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में समितियां गठित होंगी। जो कर्मी पहले से किसी अन्य केंद्र/राज्य स्वास्थ्य योजना (आयुष्मान भारत/मुख्यमंत्री जन आरोग्य) से आच्छादित हैं, उन्हें इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा।

यूपी विधानमंडल का बजट सत्र नौ से

योगी मंत्रिपरिषद ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य विधानमंडल का बजट सत्र 9 फरवरी से आयोजित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। 11 फरवरी को बजट पेश किया जाएगा। अब इसपर अंतिम निर्णय राज्यपाल आनंदीबेन पटेल लेंगी।

अमृत विचार

अयोध्या, शुक्रवार, 30 जनवरी 2026

फैसले एक नजर में

गोरखपुर में 721.40 करोड़ की सीवरेज परियोजना को मंजूरी

अमृत विचार, लखनऊ: अटल नवीकरण और शहरी रूपांतरण मिशन-2.0 (अमृत-2.0) के अंतर्गत गोरखपुर में सीवरेज व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए बड़ी परियोजना को कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है। गुरुवार को मंत्रिपरिषद ने नगर निगम क्षेत्र के सीवरेज जोन-ए-3 से संबंधित 721.40 करोड़ की परियोजना को स्वीकृति दी। परियोजना के पूर्ण होने पर 17 वार्डों की 1.95 लाख से अधिक आबादी को सीवेज सुविधा का सीधा लाभ मिलेगा। स्वीकृत लागत में जीएसटी और सेंटेज की राशि शामिल है। इस परियोजना की कुल अनुमोदित लागत 721.40 करोड़ है, जिसमें 27.28 करोड़ सेंटेज शामिल हैं। लागत साझा व्यवस्था के तहत भारत सरकार का अंश 231.35 करोड़, राज्य सरकार का अंश 435.00 करोड़ तथा निकाय का अंश 27.76 करोड़ तय किया गया है। सेंटेज की पूरी राशि राज्य सरकार वहन करेगी। केंद्र, राज्य और निकाय की संयुक्त भागीदारी से परियोजना के समयबद्ध क्रियान्वयन को गति मिलेगी। योजना के तहत 43,604 गृह संयोजनों से जुड़े सीवेज का शोधित निस्तारण किया जाएगा।

गंगा किसान सहकारी चीनी मिल का होगा आधुनिकीकरण

अमृत विचार, लखनऊ: सरकार ने मुजफ्फरनगर के मोरना स्थित गंगा किसान सहकारी चीनी मिल के आधुनिकीकरण और पेराई क्षमता बढ़ाने का निर्णय लिया है। कैबिनेट की मंजूरी के अनुसार मिल की मौजूदा क्षमता 2500 टीसीडी से पहले 3500 टीसीडी और इसके बाद 5000 टीसीडी तक बढ़ाई जाएगी। पुराने प्लांट और तकनीक के कारण किसानों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा था। नई आधुनिक मशीनरी लगने से उत्पादन क्षमता बढ़ेगी और संचालन अधिक कुशल होगा। इससे गन्ना किसानों को सीधा लाभ मिलेगा और समय से गन्ना मूल्य भुगतान सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। सरकार का मानना है कि क्षमता विस्तार से किसानों की आय बढ़ेगी, सहकारी चीनी मिल मजबूत होगी और क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

परिवहन विभाग के तीन प्रस्तावों को मिली मंजूरी

यूपी कैबिनेट बैठक : 351 सहायक मोटरयान निरीक्षक पद सृजित, फेसलेस सेवाएं और ई-वाहनों को दी गई राहत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में परिवहन विभाग के तीन महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई। कैबिनेट ने 351 सहायक मोटरयान निरीक्षक पद सृजित करने और इसके लिए उप्र. परिवहन (अधीनस्थ) प्राविधिक सेवा (षष्ठम संशोधन) नियमावली, 2026 के प्रख्यापन को मंजूरी दी। इससे शीघ्र ही भर्ती/चयन प्रक्रिया शुरू होगी और सड़क सुरक्षा, प्रवर्तन व राजस्व वसूली को बल मिलेगा।

इसके साथ ही परिवहन सेवा ढांचे को विधिक मान्यता देने को उ.प्र. परिवहन सेवा (सप्तम संशोधन) नियमावली, 2026 को स्वीकृति मिली। परिक्षेत्रों का पुनर्गठन करते हुए गोरखपुर, बुंदेलखंड (झांसी) और अयोध्या में नए परिक्षेत्र गठित होंगे, जिससे निगरानी, क्रियान्वयन और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। तीसरे प्रस्ताव में कर संरचना में सुधार, शुद्ध इलेक्ट्रिक वाहनों को पंजीकरण शुल्क/रोड टैक्स में 100 फीसदी छूट (नीति अवधि के 4वें-5वें वर्ष के लिए कार्योत्तर अनुमोदन) तथा परिवहन विभाग की चार सेवाओं- डीएल में जन्मतिथि संशोधन, पहाड़ी क्षेत्र में वाहन अनुमति, पंजीकरण संख्या रिटेंशन और गैर-उपयोग सूचना परमिट को फेसलेस मोड में लागू करने हेतु उप्र. मोटरयान (32वां संशोधन) नियमावली, 2026 को मंजूरी दी गई।

कैबिनेट बैठक के बाद लोकभवन में पत्रकारों को निर्णयों की जानकारी देते वित्त मंत्री सुरेश खन्ना व बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह।

शहरी सुविधाओं के लिए विकास शुल्क प्रणाली में संशोधन

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में शहरी क्षेत्रों में अवस्थापना सुविधाओं के विकास के लिए विकास शुल्क की संशोधित प्रणाली लागू करने और इससे जुड़ी नियमावली में संशोधन को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास नियमावली-2014 (यथा संशोधित 2021) में बदलाव के प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान की है। इस निर्णय से शहरी विकास के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधन अधिक प्रभावी और व्यवस्थित ढंग से उपलब्ध हो सकेंगे। संशोधित विकास शुल्क प्रणाली के लागू होने से विकास प्राधिकरणों को अपनी विकास परियोजनाओं और नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए स्थायी एवं मजबूत वित्तीय आधार मिलेगा। सरकार का मानना है कि इस फैसले से शहरी इलाकों में बुनियादी ढांचे के निर्माण और विस्तार को गति मिलेगी।

योगी कैबिनेट ने अजित पवार को दी श्रद्धांजलि

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोक प्रस्ताव पारित किया गया। मंत्रिपरिषद ने विगत बुधवार को बारामती (महाराष्ट्र) में हुई विमान दुर्घटना में अजित पवार व अन्य लोगों के निधन को अत्यंत दुःखद बताया। कैबिनेट ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत पुण्यात्माओं की शांति की कामना की। कैबिनेट ने कहा कि अजित पवार का असामयिक निधन अपूर्णीय क्षति है। स्व. पवार को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मंत्रिपरिषद ने कहा कि अपने दीर्घ सार्वजनिक जीवन में उन्होंने महाराष्ट्र की जनता से गहरा जुड़ाव रखते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए कार्य किया। गरीबों एवं वंचितों को सशक्त बनाने तथा महाराष्ट्र के विकास के लिए उनकी प्रतिबद्धता सदैव स्मरणीय रहेगी।

पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित 99 हिंदू बंगाली परिवारों के स्थायी पुनर्वासन का निर्णय

- प्रत्येक परिवार को 0.50 एकड़ भूमि आवंटित की जाएगी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) से विस्थापित होकर उत्तर प्रदेश में रह रहे हिंदू बंगाली परिवारों के स्थायी पुनर्वासन को लेकर अहम और मानवीय निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में जनपद मेरठ से जुड़े इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

यह प्रकरण मेरठ जिले की तहसील मवाना के ग्राम नंगला गोसाई से संबंधित है, जहां झील की भूमि पर लंबे समय से अवैध रूप से निवास कर रहे 99 हिंदू बंगाली परिवारों के पुनर्वासन का निर्णय लिया गया है। कैबिनेट के फैसले के अनुसार, इन सभी परिवारों को जनपद कानपुर देहात की रसूलाबाद तहसील में बसाया जाएगा। पुनर्वासन के तहत ग्राम भैंसाया में पुनर्वास विभाग के नाम दर्ज 11.1375 हेक्टेयर (27.5097 एकड़) भूमि पर 50 परिवारों तथा ग्राम ताजपुर तरसौली में पुनर्वास विभाग के नाम अंकित 10.530 हेक्टेयर (26.009 एकड़) भूमि पर शेष 49 परिवारों को बसाया जाएगा। प्रत्येक परिवार को 0.50 एकड़ भूमि आवंटित की जाएगी। यह भूमि प्रीमियम अथवा लीज रेंट पर 30 वर्ष के पट्टे पर दी जाएगी, जिसे आगे 30-30 वर्ष के लिए नवीनीकृत किया जा सकेगा। इस प्रकार पट्टे की अधिकतम अवधि 90 वर्ष होगी। सरकार का कहना है कि इस निर्णय से पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित होगा और विस्थापित परिवारों को सम्मानजनक, सुरक्षित और स्थायी जीवन मिलेगा।

कैबिनेट से स्वीकृत प्रस्ताव

- अमृत नगरीय एवं शहरी पर्यावरण मिशन 2.0 के अंतर्गत नगर निकायों में जलापूर्ति, सीवर एवं संबंधित शहरी अवसंरचना कार्यों हेतु केंद्रीय व राज्यांश सहित वित्तीय स्वीकृति।
- अमृत-2.0 के अंतर्गत नगरीय क्षेत्रों में सीवरेज, ड्रेनेज एवं जल प्रबंधन परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त अनुदान को मंजूरी।
- उत्तर प्रदेश शहरी पुनर्विकास नीति-2026 को लागू किए जाने की स्वीकृति।
- शहरी क्षेत्रों में जर्जर, अविकसित एवं अव्यवस्थित बस्तियों के पुनर्विकास एवं नियोजित विकास के प्रस्ताव को मंजूरी।
- शहरी गरीबों एवं मलिन बस्तियों के सर्वांगीण विकास हेतु अवसंरचना आधारित योजनाओं को स्वीकृति।
- मुरादाबाद जनपद में विज्ञान पार्क एवं तारामंडल की स्थापना हेतु मुरादाबाद विकास प्राधिकरण को कार्यदायी संस्था नामित करने का निर्णय।
- राज्य में विज्ञान, नवाचार एवं तकनीकी जागरूकता को बढ़ावा देने से संबंधित प्रस्ताव को स्वीकृति।
- गन्ना किसान सहकारी चीनी मिलों की पेराई क्षमता बढ़ाने, तकनीकी उन्नयन एवं आधुनिकीकरण से जुड़े प्रस्तावों को मंजूरी।
- गन्ना किसानों को समय से भुगतान सुनिश्चित करने के लिए चीनी मिलों से संबंधित वित्तीय एवं प्रबंधन संबंधी निर्णय।
- राज्य में नई चीनी मिलों की स्थापना तथा मौजूदा मिलों के विस्तार से संबंधित प्रस्तावों को स्वीकृति।
- जनपद लखीमपुर-खीरी में पेयजल आपूर्ति योजना के अंतर्गत जलशोधन संयंत्र, पाइपलाइन एवं संबंधित कार्यों को मंजूरी।
- वाराणसी में राज्य मार्ग संख्या-120 के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य को स्वीकृति।
- देवरिया में राज्य मार्ग संख्या-79 के चौड़ीकरण एवं सड़क सुधार कार्य को मंजूरी।
- लोक निर्माण विभाग से संबंधित प्रमुख सड़कों के उन्नयन एवं यातायात सुधार प्रस्ताव को स्वीकृति।
- शहरी क्षेत्रों में अवैध निर्माणों के निस्तारण/नियमन से संबंधित प्रस्तावों को मंजूरी।
- मुख्यमंत्री द्वारा घोषित राजस्व ग्रामों में आपदा/परियोजना से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन से जुड़े प्रस्ताव।
- विस्थापित परिवारों को आवास, भूखंड एवं आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने से संबंधित निर्णय।
- पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) से विस्थापित हिंदू परिवारों के पुनर्वासन से संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी।
- राज्य के विभिन्न विकास प्राधिकरणों से जुड़े प्रशासनिक एवं वित्तीय प्रस्तावों को स्वीकृति।
- शहरी निकायों की वित्तीय स्थिति सुदृढ़ करने से संबंधित निर्णय।
- नगरीय एवं अधोसंरचना विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़े प्रस्ताव।
- विभिन्न विभागों के नीतिगत एवं प्रशासनिक संशोधनों को मंजूरी।
- विभागीय प्रक्रियाओं के सरलीकरण से जुड़े प्रस्ताव।
- राज्य सरकार की घोषणाओं के अनुपालन से संबंधित प्रस्ताव।
- विकास परियोजनाओं के लिए भूमि उपयोग/प्रबंधन से जुड़े निर्णय।
- पुनर्विकास एवं पुनर्स्थापन से जुड़े विशेष मामलों को स्वीकृति।
- केंद्र सरकार से समन्वय से संबंधित योजनाओं के प्रस्ताव।
- विभिन्न विभागों के वित्तीय दायित्वों से संबंधित प्रस्ताव।

बहराइच के आपदा प्रभावित 136 परिवारों का होगा पुनर्वास

- नदी-वन्य क्षेत्र से घिरे भरथापुर गांव का होगा विस्थापन
- मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत मिलेंगे पक्के मकान

अमृत विचार, लखनऊ : बहराइच के राजस्व ग्राम भरथापुर में आपदा के स्थायी खतरे को देखते हुए प्रदेश सरकार ने 136 प्रभावित परिवारों के पुनर्वास का बड़ा निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की घोषणा के क्रम में गुरुवार को कैबिनेट ने गांव को विस्थापित कर सुरक्षित स्थान पर बसाने की योजना को मंजूरी दे दी। पुनर्वास के बाद नई बसाई जाने वाली बस्ती का नामकरण मुख्यमंत्री की अनुमति से किया जाएगा।

भरथापुर गांव एक ओर गेरुआ नदी, दूसरी ओर कौड़ियाल नदी से घिरा है, जबकि उत्तर दिशा में वन्य जीव क्षेत्र और नेपाल सीमा स्थित है। सड़क संपर्क न होने के कारण ग्रामीणों को नाव से आवाजाही करनी पड़ती है, जिससे जान-माल का लगातार खतरा बना रहता है। 29 अक्टूबर 2025 को कौड़ियाल नदी में नाव पलटने से नौ लोगों की मौत के बाद मुख्यमंत्री ने 2 नवंबर 2025 को हवाई सर्वेक्षण कर प्रभावितों को सुरक्षित स्थान पर बसाने की घोषणा की थी, जिस पर अब कैबिनेट की औपचारिक मुहर लग गई है। आपदा प्रभावित परिवारों को ग्राम पंचायत सेमरहना, तहसील मिहींपुरवा (मोतीपुर) में पुनर्वासित किया जाएगा। इसके लिए लगभग 1.70 हेक्टेयर भूमि राजस्व विभाग को निःशुल्क हस्तांतरित की जाएगी। प्रत्येक परिवार को आवास योजना के अंतर्गत पक्का मकान मिलेगा।

हज के लिए स्वयं उड़ान बुक कर सकेंगे यात्री

- सुविधा 29 से केवल चार दिन के लिए उपलब्ध

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: आगामी हज-2026 के लिए हज यात्री अब अपनी व्यक्तिगत लॉगइन के माध्यम से हज कमेटी की वेबसाइट (hajcommittee.gov.in) या हज सुविधा ऐप के जरिए उड़ानें स्वयं बुक कर सकते हैं। यह सुविधा पूरी तरह वैकल्पिक है और इसका उद्देश्य केवल यात्रियों को अपनी पसंद के अनुसार उड़ान बुक करने का अवसर देना है।

यह जानकारी गुरुवार को उप्र. हज यात्रा कमेटी के सचिव-कार्यपालक अधिकारी एसपी तिवारी ने दी। उन्होंने बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया, मुंबई ने हज-2026 के लिए हज यात्रियों के लिए ऑनलाइन सेल्फ बुकिंग सुविधा शुरू की है। सीईओ एसपी तिवारी ने बताया कि यह सुविधा 29 जनवरी से केवल चार दिन के लिए उपलब्ध रहेगी और बुकिंग सीट की उपलब्धता व उड़ान क्षमता के अनुसार ही होगी। एक बार बुकिंग हो जाने के बाद यात्रा या उड़ान की तिथि में कोई बदलाव संभव नहीं होगा। इस दौरान किसी प्रकार के विशेष अनुरोध पर हज कमेटी विचार नहीं करेगी।

राष्ट्रपति के अभिभाषण में व्यवधान लोकतंत्र का अपमानः चौधरी

अमृत विचार, लखनऊ : केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने संसद के बजट सत्र के प्रथम दिन राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान हुए व्यवधान की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन द्वारा किया गया हंगामा न केवल संसदीय मर्यादाओं का उल्लंघन है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र का भी अपमान है। चौधरी ने कहा कि राष्ट्रपति का अभिभाषण सरकार की नीतियों, प्राथमिकताओं और उपलब्धियों का संवैधानिक प्रस्तुतीकरण होता है। ऐसे गरिमामय अवसर पर जानबूझकर व्यवधान उत्पन्न करना सर्वोच्च संवैधानिक पद के प्रति असम्मान को दर्शाता है।

एफएलसीआरपी को मिलेगा विशेष प्रशिक्षण

- ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय सशक्तिकरण को मिलेगी नई गति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत-2047 विजन को साकार करने के लिए उत्तर प्रदेश में ग्रामीण वित्तीय साक्षरता को सशक्त बनाया जा रहा है। उप्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत प्रदेशभर के ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत 1650 वित्तीय साक्षरता सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों (एफएलसीआरपी) को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

यह जानकारी देते हुए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गुरुवार को बताया कि यह दो दिवसीय रिफ्रेशर एवं ओरिएंटेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम संबंधित जिलों के ग्रामीण स्व-रोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) केंद्रों के माध्यम से आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर कार्यरत कर्मियों की कार्यक्षमता, तकनीकी ज्ञान और डिजिटल बैंकिंग की समझ को मजबूत करना है, ताकि वे सरकारी वित्तीय योजनाओं और बैंकिंग सेवाओं को प्रभावी ढंग से आम लोगों तक पहुंचा सकें। यह प्रशिक्षण उन एफएलसीआरपी को दिया जाएगा, जो कम से कम एक वर्ष से निरंतर सेवा दे रहे हैं।

फरवरी से फिर चलेगा 100 दिन का सघन टीबी रोगी खोज अभियान

राज्य स्तरीय कार्यशाला में मौजूद अपर मुख्य सचिव अमित घोष, एनएचएम मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवेल व अन्य अधिकारी।

- टीबी मुक्त उप्र. विषयक राज्य स्तरीय मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने सीएसआर अंतर्गत आईओसीएस के सहयोग से राज्य को चार मॉड्यूल के साथ 74 टूनैट मशीनें उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे त्वरित और सटीक टीबी जांच को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, 75 एआई-सक्षम हैंड-हेल्ड एक्स-रे मशीनों के लिए क्रय आदेश (परचेज ऑर्डर) जारी किए जा चुके हैं, जो भविष्य में टीबी स्क्रीनिंग और प्रारंभिक पहचान की क्षमता को और मजबूत करेंगे।

यह जानकारी अपर मुख्य सचिव ने गुरुवार को राजधानी स्थित निजी होटल में राज्य स्तरीय मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला में दी। इस अवसर पर टीबी मुक्त उत्तर प्रदेश पर आधारित ई-न्यूजलेटर का विमोचन भी किया गया। उन्होंने बताया कि टीबी मुक्त भारत अभियान को नई गति देने के लिए प्रदेश में फरवरी से एक बार फिर 100 दिवसीय सघन टीबी रोगी खोज अभियान शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 930 नैट मशीनें कार्यरत हैं, जिससे दूरदराज क्षेत्रों में भी गुणवत्तापूर्ण जांच सुनिश्चित की जा रही है। एनएचएम मिशन निदेशक डॉ.पिंकी जोवेल ने बताया कि वर्ष 2015 की तुलना में प्रदेश में टीबी की नई दर में 17 प्रतिशत कमी आई है। राज्य क्षय रोग अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र भटनागर ने बताया कि फरवरी से शुरू होने वाले अभियान में सांसदों, पंचायत प्रतिनिधियों, आशा-आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवी संगठनों और मीडिया की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, जिससे उत्तर प्रदेश को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य और निकट आएगा। कार्यशाला में स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ.रतन पाल सिंह सुमन, परिवार कल्याण महानिदेशक डॉ.पवन कुमार अरूण, समेत अन्य संबन्धित विभागों के अधिकारी शामिल रहे।

उप्र. हेल्थ डैशबोर्ड रैंकिंग में लखनऊ टॉप पर, टीकाकरण में शत प्रतिशत स्कोर

अमृत विचार, लखनऊ : स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी उत्तर प्रदेश हेल्थ डैशबोर्ड रैंकिंग में लखनऊ ने दिसंबर 2025 में प्रदेश भर में पहला स्थान हासिल किया है। राजधानी लखनऊ को इस रैंकिंग में 0.68 का कंपोजिट स्कोर प्राप्त हुआ है। प्रयागराज, श्रावस्ती, गोरखपुर, महाराजगंज और हाथरस क्रमशः दूसरे, तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर हैं।

लखनऊ के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनबी सिंह ने बताया कि मातृ स्वास्थ्य, बच्चों के टीकाकरण, परिवार कल्याण कार्यक्रम और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता जैसे महत्वपूर्ण सूचकांकों में बेहतर प्रदर्शन के चलते लखनऊ को यह उपलब्धि मिली है। उन्होंने कहा कि पूर्ण टीकाकरण और गर्भावस्था के दौरान एचआईवी जांच के मामले में जनपद को शत-प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं। ब्लॉकों के प्रदर्शन की बात करें तो बख्शी का तालाब, माल और मोहनलालगंज ब्लॉक सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले रहे हैं।

इसके साथ ही कई ब्लॉकों ने पिछले महीने की तुलना में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। चिनहट ब्लॉक ने रैंकिंग में सबसे अधिक सुधार किया है, वहीं माल ब्लॉक में परिवार नियोजन के स्थायी साधनों को अपनाने के संकेतक में अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि इस उपलब्धि के लिए जिला स्तर से लेकर फील्ड में कार्य कर रहे सभी स्वास्थ्य अधिकारी और कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। यह सफलता टीमवर्क, नियमित निगरानी और डाटा आधारित योजना का परिणाम है।

सपा ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा शिकायती ज्ञापन

अमृत विचार, लखनऊ : सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर विभिन्न जिलों में चल रही एसआईआर प्रक्रिया में अनियमितताओं की शिकायत की है। उन्होंने मांग की है कि संबन्धित मामलों का तत्काल संज्ञान लेकर निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। गुरुवार को दिए गए ज्ञापन में रायबरेली की ऊंचाहार और सरेनी विधान सभा क्षेत्रों में नो-मैपिंग मतदाताओं को गंभीर परेशानियों का सामना करने का आरोप लगाया गया है। दीनशाह गौरा विकास खंड में प्रतिदिन सैकड़ों मतदाताओं को बिना सुनवाई के लौटाया जा रहा है।

उपलब्धि | बागपत में 11 फीट ऊंची और 14 फीट चौड़ी प्रतिकृति बनी यूपी के नवाचार की नई पहचान

कचरे को रिसाइकिल कर बना अनोखा संविधान पार्क

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: संविधान को जन-जन तक सहज और जीवंत रूप में पहुंचाने की दिशा में बागपत ने नई मिसाल कायम की है। बड़ौत नगर पालिका परिसर में विकसित संविधान पार्क में बच्चे खेल-खेल में संविधान के मूल्यों को समझ रहे हैं, युवा अपने अधिकारों-कर्तव्यों से जुड़ रहे हैं और आमजन स्वस्थ जीवन के साथ जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा ले रहा है। कचरे को रिसाइकिल कर तैयार यह पार्क "वेस्ट टू वेल्थ" की अवधारणा को साकार करता है।

बागपत के बड़ौत नगर पालिका परिसर में बना संविधान पार्क।

पार्क की सबसे बड़ी विशेषता यहां स्थापित संविधान की विराट प्रतिकृति है। पूरी तरह रिसाइकल्ड सामग्री से बनी 600 किलोग्राम वजनी यह संरचना 11 फीट ऊंची और 14 फीट चौड़ी है, जिसमें संविधान की मूल प्रस्तावना को प्रभावशाली ढंग से उकेरा गया है। यह प्रतिकृति न्याय, समता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के संदेश को प्रतीकों के माध्यम से सरलता से समझाती है। संविधान पार्क को केवल हरियाली या टहलने की जगह तक सीमित नहीं रखा गया है। इसे ओपन क्लासरूम और स्ट्रीट लाइब्रेरी के रूप में विकसित किया गया है, जहां अधिकारों-कर्तव्यों के बोर्ड, बुक प्वाइंट, पुस्तकालय और स्वास्थ्य से जुड़ी गतिविधियां मौजूद हैं। बच्चों के लिए यह सीखने का आनंददायक माध्यम है, तो बुजुर्गों और युवाओं के लिए मानसिक-बौद्धिक समृद्धि का केंद्र। पार्क में स्थापित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का चरखा आत्मनिर्भर भारत की भावना को जीवंत करता है। वहीं बागपत के प्राचीन नाम 'व्याघप्रस्थ' की थीम पर बना वाटर कियोस्क इतिहास और संस्कृति से जुड़ाव का संदेश देता है।

देश के लिए प्रेरक मॉडल : डीएम

जिलाधिकारी अस्मिता लाल के अनुसार, यह पहल बेहतर सेहत के साथ नागरिकों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों की समझ देती है। यह सोच योगी आदित्यनाथ की उस विकास दृष्टि को प्रतिबिंबित करती है, जिसमें आधुनिकता के साथ संस्कार, सेहत के साथ सामाजिक जिम्मेदारी और विकास के साथ संविधान को जोड़ा गया है। बागपत का संविधान पार्क आज केवल जिले की पहचान नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरक मॉडल बनकर उभर रहा है।

संपत्ति पंजीकरण में आधार प्रमाणीकरण 1 फरवरी से

- सभी उप निबंधक कार्यालयों में आधार आधारित पहचान सत्यापन अनिवार्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश सरकार संपत्ति पंजीकरण प्रक्रिया को पारदर्शी, सुरक्षित और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठा रही है। इसके तहत आधार आधारित प्रमाणीकरण व्यवस्था 1 फरवरी से लागू की जा रही है, जिससे फर्जी रजिस्ट्रियों और छद्म व्यक्तियों के जरिए होने वाले भूमि घोटालों पर प्रभावी रोक लगेगी।

स्टाम्प एवं पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने बताया कि रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 की धारा-69 के अंतर्गत शक्तियों का प्रयोग करते हुए उत्तर प्रदेश ऑनलाइन दस्तावेज रजिस्ट्रीकरण नियमावली, 2024 को प्रवृत्त किया गया है। इसके तहत आधार संख्या धारकों की पहचान ई-केवाईसी, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण और ई-हस्ताक्षर के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप में स्थापित की जाएगी। उन्होंने बताया कि विलेख पंजीकरण के दौरान निष्पादकों, पक्षकारों और गवाहों की पहचान के लिए आधार प्रमाणीकरण व्यवस्था 1 फरवरी से प्रदेश के सभी उप निबंधक कार्यालयों में अनिवार्य रूप से लागू कर दी जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

26 वाहनों का किया चालान, तीन सीज

अयोध्या, अमृत विचार : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत 29 जनवरी को परिवहन विभाग की टीम ने यातायात नियमों का पालन न करने वाले 26 वाहनों का चालान किया व तीन को सीज किया। यह कार्रवाई एआरटीओ प्रवर्तन गुलाबचंद के नेतृत्व में की गई। वहीं, यात्री मालकर अधिकारी राजेश कुमार, रानी सेंगर व मोटर यान निरीक्षक राजीव कुमार के नेतृत्व में मसौधा, बीकापुर, तारुन, रुदौली, सोहावल व मवई विकासखंड परिसर में गोष्ठी कर ग्रामीणों को सड़क सुरक्षा का महत्व बताया गया, साथ ही यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गई।

दो ओवरलोड वाहनों का 89 हजार का चालान

मिल्कीपुर, अयोध्या। अमृत विचार : इनायतनगर थाने के हैरिंग्टनगंज पुलिस चौकी क्षेत्र में गुरुवार को आरटीओ की सघन वाहन चेकिंग से हड़कंप मच गया। इस दौरान दो पिकअप वाहनों पर विभिन्न नियमों के उल्लंघन में 89 हजार का चालान किया गया। हैरिंग्टनगंज पुलिस चौकी प्रभारी आशीष सिंह ने बताया कि विभाग के पीटीओ राजेश कुमार द्वारा पलिया लोहानी निवासी संतोष कुमार के पिकअप की जांच की गई। वाहन ओवरलोड पाया गया। आवश्यक कागजात और प्रदूषण प्रमाणपत्र प्रस्तुत न कर पाने के कारण 42 हजार का चालान किया गया। दूसरी कार्रवाई में पलिया प्रताप शाह निवासी संत कुमार पुत्र दीनदयाल की बंद पिकअप वाहन को रोका गया। दस्तावेज नहीं दिखा सका। वाहन ओवरलोडिंग, बीमा, सेफ्टी बेल्ट, फिटनेस और पॉल्यूशन से संबंधित खामियां पाए जाने पर 47 हजार का चालान काटा गया।

विवाद में पति ने फंदा लगा दी जान

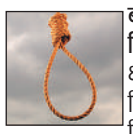

बड़ागांव, अमृत विचार : रौनाही थाना क्षेत्र की ग्राम सभा पिलखावां मजरे चिरैंधापुर के रहने वाले पंकज कुमार वर्मा पुत्र रामभवन ने गले में नायलान की रस्सी का फंदा डालकर जान दे दी। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। परिजनों के अनुसार बुधवार को देर शाम पत्नी की चांदी की चेन खो जाने के कारण सात वर्ष के बेटे को डांट रही थी। इसको लेकर पति के साथ विवाद हो गया। रात को भोजन के बाद वह गांव के बाहर भाई अनिल के मुर्गी फार्म पर सोने गया। सुबह आठ बजे तक घर न आने पर मोबाइल से संपर्क करने का प्रयास किया। कोई जवाब न मिलने पर किसी अनहोनी की आशंका हुई। तलाश करने पर मृतक का शव मुर्गी फार्म के अंदर टिन की चद्दर की पाइप से नायलान की रस्सी से लटकता मिला। थाना प्रभारी निरीक्षक लाल चंद सरोज ने बताया कि पीएम रिपोर्ट या तहरीर मिलने पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

नीलगायों से किसानों की फसलें हो रही बर्बाद

शाहगंज, अमृत विचार : ग्रामीण क्षेत्र में नीलगायों के कारण सड़क पर दुर्घटनाओं के साथ फसलें बर्बाद हो रही हैं। नील गायों से टकराकर कई बाइक सवार और राहगीर घायल हो चुके हैं। रात के समय सड़क पर निकलना भी जोखिम भरा हो गया है। खेतों में घुसकर नीलगायें तैयार फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रही हैं। किसान राम प्यारे तिवारी, सुरेश चन्द मिश्रा और प्रमोद कुमार शर्मा एडवोकेट ने बताया कि ये जानवर गेहूं, चना, अरहर और सब्जी वाली फसलों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्हें पूरी रात खेतों में पहरा देना पड़ रहा है। आरोप लगाया कि कई बार सूचना देने के बावजूद नीलगाय नियंत्रण को लेकर कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है।

रात में साथ सोते दिखे थे शेर-गोलू, सुबह गिनती हुई तो मचा हड़कंप

बुधवार शाम छह बजे गिनती के ही बाद दोनों को एक ही बैरक में किया था बंद, घटना भोर में होने की संभावना

जेल की दीवारों को जांचा तो दक्षिणी छोर के पास मिले कंबल के टुकड़े, डीआईजी जेल ने स्वीकारी लापरवाही

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : जिला कारागार की 22 फीट ऊंची दीवार फांदकर भागने वाले शेर अली और गोलू अग्रहरि रात में साथ-साथ सोए थे। सुबह कैदी और बंदियों की गिनती हुई तो हड़कंप मच गया। अभेद्य सुरक्षा को भेदकर दोनों का फरार होना प्रथम दृष्टया जेल प्रशासन की बड़ी लापरवाही मानी जा रही है। कई सवाल भी उठ रहे हैं, जिसका जवाब जेल व पुलिस प्रशासन के पास नहीं है। डीआईजी जेल एके मैत्रेय व निलंबित वरिष्ठ जेल अधीक्षक उदय प्रकाश मिश्रा भी इसे चूक मान रहे हैं।

प्रारंभिक जांच में घटना भोर में होने की संभावना जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि दोनों बंदी जेल की विशेष सेल (तन्हाई बैरक) नंबर-एक की कोठरी नंबर चार में बंद थे। बुधवार की शाम 6 बजे उन्हें बैरक में बंद किया गया। देर रात तक दोनों बैरक में सोते दिखाई भी पड़े थे। गुरुवार सुबह 6 बजे जब कैदियों की गिनती शुरू हुई व दोनों का नाम पुकारा गया तो वे नहीं मिले। इसके बाद वार्डर ने बैरक में जाकर देखा तो पता चला कि दोनों बैरक के रोशनदान की ईंट निकालकर, उसी रास्ते से बाहर निकले थे। दोनों की तलाश में जब जेल की टीम ने दीवारों को जांचा तो दक्षिणी छोर की एक दीवार के पास कुछ कंबल के टुकड़े पड़े मिले। वहां पर इमली का एक सूखा पेड़ जो दीवार के बाहर पोस्टमार्टम हाउस के बगल में था, उसकी डाल जेल के अंदर तक आई थी, उस पर छल्ला नुमा कंबल का टुकड़ा फंसा हुआ था। इसके बाद सारा माजरा समझ में आया तो जेल प्रशासन के होश उड़ गए। इसकी सूचना जिले के वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस, फारेंसिंक व डॉग स्कवॉयड टीम ने जब बाहर जाकर जांच की तो देखा इमली के पेड़ के पास 10 से 12 कंबल व मफलर से बनाई गई रस्सी पड़ी हुई थी। इसे गिट्टियों से बांधकर आपस में जोड़ा गया था। यही नहीं, यहां पड़े कूड़े के ढेर व मिट्टियों में ऊंचाई से कूदने के निशान भी थे। संभावना जताई जा रही है कि विशेष बैरक में मिले संबल व सरिया से ही रोशनदान की ईंट निकाली गई।

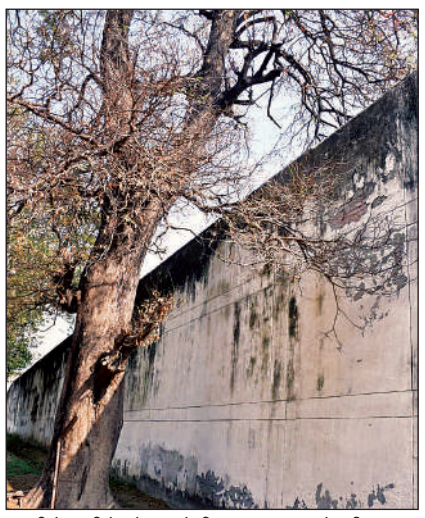

इमली के इसी पेड़ के सहारे दीवार फांदकर भागे बंदी।

जिला कारागार का निरीक्षण कर लौटते जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे व एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर। अमृत विचार

मिलाई हुई बंद, पाकशाला तक हुई सघन तलाशी

घटना की जानकारी होने के बाद जेल व पुलिस प्रशासन की टीम ने जेल परिसर में सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान बंदियों से उनके परिवारीजनों की होने वाली मिलाई को भी बंद कर दिया गया। टीम ने अस्पताल, पाकशाला समेत पूरे परिसर की डॉग स्क्वॉयड की मदद से सघन तलाशी ली। सभी बैरक खंगाले गए। बंदियों के पास रखे सामानों को भी जांचा गया। जेल परिसर में लगे सीसीटीवी के फुटेज को भी खंगाला गया तो जिस स्थान से बंदी फरार हुए थे वहां हरियाली व अंधेरा होने के कारण कुछ खास हासिल नहीं हुआ।

शहर में चप्पे चप्पे पर तलाशी, मिला खाक

पुलिस के प्रशिक्षित डॉग वहां से जीआईसी रेलवे क्रॉसिंग तक गए, लेकिन कुछ हासिल नहीं हुआ। इसके बाद पुलिस ने शहर की नाकेबंदी कर फरार दोनों बंदियों की तलाश शुरू की। कई टीमें बनाई गई, जिन्होंने भागने वाले संभावित स्थानों पर तलाश की। अयोध्या-सुलतानपुर व अमेठी की सीमाओं को सील कर बाहर जाने वाले सभी वाहनों की तलाशी ली गई, लेकिन तब तक दोनों बंदी पुलिस की पहुंच से दूर हो चुके थे। पुलिस की टीम देर रात तक जेल के पास स्थित अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन, नाका मकबरा से नवीन मंडी व हाईवे तक के मार्ग समेत अन्य चौक-चौराहों पर लगे सीसीटीवी की फुटेज खंगालती रही।

खूंखार कैदी वाली बैरक में थे दोनों

जानकारी के अनुसार विशेष बैरक (तन्हाई बैरक) जेल परिसर के मध्य में स्थित है। इसमें खूंखार कैदी या बंदियों को रखा जाता है। इसकी सुरक्षा के लिए अतिरिक्त वार्डर की भी चौबीस घंटे तैनाती होती है, जो इसमें बंद बंदियों पर निगरानी रखते हैं। वहीं, जिस दीवार को कूदकर दोनों भागे हैं, वह इस स्थान से करीब 100 मीटर की दूरी पर स्थित है। यहां तक पहुंचने के सभी रास्तों पर वार्डरों की तैनाती होती है। अंधेरे में रोशनी के हाईमास्ट से भी निगरानी रखी जाती है। इसके बाद भी दोनों फरार कैसे हो गए? यह अचंभे की बात है।

जिला कारागार के बाहर मौजूद वरिष्ठ जेल अधीक्षक उदय प्रताप मिश्र। अमृत विचार

11
मामले दर्ज हैं शातिर अपराधी फरार बंदी शेर अली पर

जेल के बाहर पड़ा रस्सी व मफलर से बनाई गई रस्सी।

इमली के सूखे पेड़ पर लटक रहा कंबल से बनाई गई रस्सी का फंदा।

शेर अली पर दर्ज है हत्या व आर्म्स एक्ट के तहत केस

फरार बंदी में शेर अली शातिर अपराधी है। उसके खिलाफ अयोध्या, सुल्तानपुर व जौनपुर जिले में हत्या समेत अन्य अपराध में 11 केस दर्ज है। वह सुल्तानपुर जिले के करौंदी कला थाना क्षेत्र का हिस्टीशीटर भी है। उसकी हिस्ट्रीशीट नंबर एचएस-24ए है। उसे बीकापुर पुलिस ने आर्म्स एक्ट के एक मामले में वर्ष 2024 में जेल भेजा था। तब से वह जेल में ही है। वहीं, गोलू अग्रहरि पर अमेठी और अयोध्या में पॉक्सो समेत कई मामले दर्ज हैं। अयोध्या के थाना इनायतनगर पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के एक मामले में जेल भेजा था।

कहीं कन्नौज कांड से प्रेरित होकर तो नहीं बनाया मास्टर प्लान

कन्नौज जिले के कारागार से पांच जनवरी को दो कैदी फरार हो गए थे। यहां भी दोनों कंबल की रस्सी बनाकर जेल की दीवार फांद गए थे। यहां भी जेलर समेत चार को निलंबित किया गया था। अयोध्या जेल में हुई घटना का तरीका कन्नौज में हुई घटना से शत प्रतिशत मेल खाता है। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि कहीं कन्नौज की घटना से प्रेरित होकर ही दोनों बंदियों ने भागने का प्लान तो नहीं बनाया। बैरक व दीवार के पास मिले साक्ष्य यह बताते हैं कि दोनों इसकी प्लानिंग काफी समय से बना रहे थे। विशेष बैरक में मिला तीन फीट का संबल, पांच फीट की सरिया व दीवार के पास 25 फीट का बांस भागने में प्रयोग किए गए होंगे। करीब 12 कंबल व मफलर कहां से व कैसे बंदियों को मिले? इसे जेल प्रशासन की सुरक्षा में चूक व बड़ी लापरवाही का नतीजा ही माना जा रहा है।

गिट्टियों से बांधकर आपस में जोड़े गए थे कंबल, मिट्टियों में ऊंचाई से कूदने के निशान भी मिले

06
बजे गुरुवार सुबह गिनती हुई तो जेल प्रशासन के फूले हाथ पांव

10
से 12 कंबल व मफलर की मदद से दीवार फांदने के लिए बनाई थी रस्सी

22 फीट ऊंची है जेल की दीवार, मिले कंबल के टुकड़े

पत्रकारों के सवालों का जवाब देते डीआईजी जेल एके मैत्रेय।

वरिष्ठ जेल अधीक्षक बोले- हो रही जांच, फिर हुए निलंबित

गुरुवार सुबह जेल के बाहर पत्रकारों के सवालों का जवाब देते समय वरिष्ठ जेल अधीक्षक यूपी मिश्र के चेहरे से हवाइयां उड़ रही थीं। पूछने पर सिर्फ इतना बताया कि जांच की जा रही है। इसी के कुछ देर बाद सूचना आई कि डीजी जेल पीसी मीणा ने वरिष्ठ जेल अधीक्षक, जेलर जेके यादव और डिप्टी जेलर मयंक त्रिपाठी समेत एक हेड वार्डर और तीन वार्डर को निलंबित कर दिया। निलबंन के बाद सभी के फोन स्विच ऑफ हो गए। वहीं, गुरुवार को अयोध्या पहुंचे उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने पत्रकारों के एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि अगर बंदी भागे हैं तो उन्हें पकड़ भी लिया जाएगा।

पुलिस की तीन टीमें कर रही फरार बंदियों की तलाश

घटना के बाद एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर ने पुलिस की तीन टीमें गठित कर उन्हें फरार बंदियों की तलाश में लगाया। टीम दोनों आरोपियों के पैतृक निवास समेत उनके रिश्तेदारों के आवास पर छापेमारी कर रही है। फिलहाल कोतवाली नगर पुलिस ने जेल प्रशासन की तहरीर पर केस दर्ज किया है।

पांच सवालों के नहीं मिल रहे जवाब

- विशेष बैरक में संबल, सरिया व बांस कहां से पहुंचा?
- बाहर इमली के पेड़ की डाल जेल के दीवार को छू रही? क्यों नहीं दिया गया ध्यान?
- कहीं सो तो नही रहे थे ड्यूटी पर तैनात वार्डर?
- जहां से भागे वहां क्यों नहीं थी सीसी कैमरों की पहुंच?
- कहीं जेल प्रशासन की मिली भगत तो नहीं?

मंदिर निर्माण समिति की बैठक में कार्यों के हस्तांतरण पर मंथन

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : राम जन्मभूमि परिसर की सुरक्षा में आधुनिक सुरक्षायुक्त बाउंड्री वॉल के निर्माण कार्य चल रहा है, लेकिन परिसर में संपूर्ण निर्माण का कार्य संपन्न हो चुका है। अब श्रद्धालुओं को राम मंदिर के साथ अन्य मंदिर व स्थानों तक जाने की अनुमति देने की पहल शुरू हो गई है। इसके साथ ही सभी कार्यों को निर्माण समिति ने ट्रस्ट को हस्तांतरित करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉक्टर अनिल मिश्रा ने बताया कि गुरुवार को दो दिवसीय बैठक के

पहले दिन राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने निर्माण संस्था एलएंडटी व टाटा कंपनी के साथ परिसर के विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया। अधिकतर कार्य पूरे भी चुके हैं। राम जन्मभूमि परिसर में विभिन्न मंदिरों में दर्शन और श्रद्धालुओं की सुविधा के कार्यों के पूरा होने पर उन्हें श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को आधिकारिक तौर पर हस्तांतरित करने के लिए पत्रावली को तैयार किया जा रहा है।

ब्लैक स्पॉट को कम से कम किए जाने के निर्देश

अयोध्या। अपर जिलाधिकारी नगर योगानंद पांडे ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए ब्लैक स्पाट चिह्नित किए जाएं। उनको कम किए जाने का प्रयास किया जाए। वह जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में बोल रहे थे। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जनमानस से ट्रैफिक नियमों का पालन किए जाने और घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर में ससमय उपचार दिए जाने आदि व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निर्देश दिया कि जिले के सभी मार्गों पर सड़क सुरक्षा के लिए निर्धारित मानकों का पालन कराया जाए। अधिक दुर्घटना वाले स्थान को चिन्हित कर स्थायी निराकरण किया जाए। बैठक में पुलिस अधीक्षक ट्रैफिक एपी सिंह, अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड सत्यप्रकाश भारतीय, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी गुलाब चंद्र, अधिशासी अभियंता निर्माण खंड चार शशिभूषण सिंह, सहायक अभियंता प्रांतीय खंड शशांक पांडे, डीसी सिविल बेसिक शिक्षा गिरिजा शंकर पांडेय, सहायक अभियंता आलेख सिंह सहित अन्य लोग थे।

डिप्टी कमिश्नर की वित्त मंत्री से रुदौली विधायक ने भी की थी शिकायत

अयोध्या कार्यालय

- लग चुका है भ्रष्टाचार का आरोप, तीन दिन पहले सरकार के समर्थन में भेजा था इस्तीफा

अमृत विचार: राज्य कर विभाग के डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार सिंह का खेल अब धीरे-धीरे परत-दर परत खुलने लगा है। राज्य कर के डिप्टी कमिश्नर सिंह ने तीन दिन पहले सरकार के समर्थन में अपना इस्तीफा भेजा था। वह यहां विशेष अनुसंधान शाखा में उपायुक्त के पद पर तैनात थे। यह शाखा ही सर्वे, आंकलन आदि करती है। पहले उन पर फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र से नौकरी पाने का आरोप लगा।

सीएमओ मऊ से बुलाए जाने के बाद भी वह जांच के लिए नहीं पहुंचे। अब यहां भी कारगुजारियां सतह पर आने लगी है। डिप्टी कमिश्नर की कार्यप्रणाली को लेकर रुदौली विधायक विधायक रामचंद्र यादव ने वित्त मंत्री को पत्र लिखा लिखा था। बताया गया कि छह जून 2024 को एसीएस राज्य कर ने जांच का आदेश दिया। आरोप था कि अधिकारियों से गलत सर्वे, मनमाना टैक्स और व्यापारियों के उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए गए थे। विधायक ने वित्त मंत्री से भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों की उच्चस्तरीय जांच की मांग की थी। डिप्टी कमिश्नर अतीत में राजनीति दल में भी रह चुके हैं। इसलिए भी लोगों की निगाह उनके इस्तीफे के साथ कार्रवाई पर है। हालांकि इस्तीफे के बाद अवकाश पर चले गए हैं। विभाग के अफसर मौन हैं। केवल इस्तीफे पर कार्रवाई की बात कहते हैं।

खंभे पर चढ़ा संविदा कर्मी करंट से झुलसा

सोहावल, अमृत विचार: रुदौली डिविजन के सोहावल विद्युत उपकेंद्र क्षेत्र का संविदाकर्मा करंट से झुलस गया। बताया गया कि एसएसओ की लापरवाही से घटना हुई। सुचितागंज ग्रामीण फीडर क्षेत्र खमरिया गांव में ग्यारह हजार वोल्ट की लाइन खराब हो गई। लाइनमैन राजकुमार ने फीडर पर ही बैठ कर तैनात एसएसओ सचिन से शटडाउन मांगा। शट डाउन देने की पुष्टि लाइनमैन के साथ एसएसओ सचिन ने संविदा कर्मी सुधीर से की, लेकिन लाइन बंद न करने के कारण गद्दोपुर निवासी सुधीर खंभे पर चढ़ा ही था कि करंट की चपेट मे आकर नीचे गिर गया। सूचना पर पहुंचे अवर अभियंता अरविंद कुमार ने एसडीओ ने घायल कर्मी को इलाज के लिए सीएचसी सोहावल भेजा। हालत गंभीर होने के कारण जिला अस्पताल भिजवाया। एसडीओ सोहावल अरशद अली ने एसएसओ से शटडाउन न देने की पुष्टि करते हुए बताया कि एसएसओ के विरुद्ध थाना प्रभारी निरीक्षक लाल चंद सरोज को रिपोर्ट दर्ज करने के लिए तहरीर दी गई है। विभागीय जांच जारी है।

स्वागत को तैयार अयोध्या- सुल्तानपुर मार्ग पर चल रहा निर्माण, 90 फ़ीसदी कार्य पूरा, अगले माह निर्माण कार्यों को पूरा करने का है लक्ष्य

अयोध्या में राम भक्तों का अभिनंदन करेगा भरत द्वार

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: अयोध्या आने वाले राम भक्तों का हार्दिक अभिनंदन करने के लिए भरत द्वार का निर्माण तेजी से चल रहा है। यह भव्य प्रवेश द्वार अयोध्या- सुल्तानपुर मार्ग पर (मैनुदीनपुर प्रयागराज मार्ग) गेट कॉम्प्लेक्स (टीएफसी) क्षेत्र में बनाया जा रहा है। पर्यटन विभाग की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत यूपी प्रोजेक्ट्स कॉरपोरेशन लिमिटेड की निर्माण इकाई द्वारा कार्य संपन्न किया जा रहा है।

भरत द्वार का निर्माण 4.410 हेक्टेयर क्षेत्र में हो रहा है, जिसकी कुल लागत लगभग 2024.90

अयोध्या प्रयागराज हाईवे पर मैनुदीनपुर मार्ग पर निर्माणाधीन भरत द्वार।

लाख रुपये है। वर्तमान में इस परियोजना का करीब 90 प्रतिशत से अधिक कार्य पूर्ण हो चुका है। यूपी प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लिमिटेड के परियोजना प्रबंधक मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि अगले माह यानी फरवरी 2026 तक सभी निर्माण कार्यों को अंतिम रूप देने का लक्ष्य है, और इसी माह के आस पास ही इसका लोकार्पण संभव है। यह द्वार अयोध्या नगरी में प्रवेश करने वाले राम भक्तों और श्रद्धालुओं के लिए प्रथम स्वागत स्थल के रूप में कार्य करेगा, जहां भगवान राम के छोटे भाई भरत की भक्ति और मर्यादा का प्रतीकात्मक स्वागत होगा।

छह मार्गों पर रामायण से प्रेरित बन रहे द्वार

योगी सरकार ने राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या को विश्व स्तर का पर्यटन केंद्र बनाने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। इनमें अयोध्या से जुड़ने वाले प्रमुख छह मार्गों पर रामायण से प्रेरित भव्य प्रवेश द्वारों का निर्माण शामिल है। इनमें राम द्वार, लक्ष्मण द्वार, शत्रुघ्न द्वार, भरत द्वार, सीता द्वार और हनुमान द्वार जैसे नाम शामिल हैं। अयोध्या-सुल्तानपुर मार्ग पर स्थित भरत द्वार इसी श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह द्वार न केवल सौंदर्य की दृष्टि से आकर्षक होगा, बल्कि इसमें रामायण काल की थीम पर आधारित मूर्तियां, नक्काशी, प्रकाश व्यवस्था और अन्य सुविधाएं भी होंगी, जो आने वाले तीर्थयात्रियों को त्रेता युग की याद दिलाएंगी।

क्या कार्य हुआ क्या बाकी

दो गेट, रोड, सीवर, ड्रेनेज व सिंचाई लाइन रेनवाटर हार्वेस्टिंग, बाउण्ड्रीवाल, फायर फाइटिंग, ईएसएस का कार्य पूरा हो गया है। वहीं एसटीपी का 85 प्रतिशत, यूजीटी का 90 प्रतिशत, पार्किंग का 80 प्रतिशत, आन्तरिक विद्युतीकरण का 70 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है।

बड़ी संख्या में पहुंच रहे भक्त

अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा के बाद से यहां पर्यटकों और श्रद्धालुओं की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। लाखों-करोड़ों राम भक्त प्रतिदिन दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। भरत द्वार का निर्माण इसी दिशा में एक मजबूत कदम है।

भदरसा रेप केस : राजू खान को 20 साल की सजा, 50 हजार जुर्माना

अयोध्या कार्यालय

- जुर्माने की संपूर्ण रकम पीड़िता को प्रतिकार के रूप में देनी होगी

अमृत विचार: पूराकलंदर थाना क्षेत्र के बहुचर्चित 12 वर्षीय नाबालिग से रेप करने और पॉक्सो के तहत दोषी पाते हुए कोर्ट ने राजू खान को 20 साल के कठोर कारावास की सजा से दंडित किया है। उस पर 50 हजार का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माने की संपूर्ण रकम पीड़िता को बतौर प्रतिकार देने का आदेश हुआ है।

राजू खान को सजा कितनी दी जाए। यह फैसला विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट निरुपमा विक्रम की अदालत में हुआ। अधिवक्ता सईद खान, अवधेश यादव तथा कृपाल चंद्र खरे ने बताया कि पूरा कलंदर थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली 12 वर्षीय किशोरी के साथ गैंगरेप हुआ था। इसकी रिपोर्ट पीड़िता की मां ने 29 जुलाई 2024 को मोईद खान और राजू खान के खिलाफ घटना के ढाई माह बाद लिखाई थी। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद विवेचक ने मामले में दोनों के खिलाफ दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में आरोप पत्र अदालत में प्रस्तुत किया था। गुरुवार को राजू खान को मंडल कारागार से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में लाकर अदालत के समक्ष पेश किया गया। अभियुक्त के अधिवक्ता ने मामले में सजा के बिंदु पर कोर्ट से गुजारिश की की राजू खान अभी 21 वर्ष का है। वह अत्यंत गरीब है। उसे कम से कम सजा दी जाए। इसके विपरीत अभियोजन पक्ष से विशेष लोक अभियोजक विनोद उपाध्याय और वीरेंद्र कुमार मौर्य ने राजू के कृत्य को गंभीर और समाज के खिलाफ अपराध बताते हुए अत्यधिक सजा देने की अपील की। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद कोर्ट ने राजू को सजा सुनाई। इसके बाद सजा भुगतने का वारंट बनाकर उसे वापस जेल भेज दिया।

अमृत विचार

अयोध्या, शुक्रवार, 30 जनवरी 2026

रामनगरी पहुंचे डिप्टी सीएम ने दर्शन पूजन के बाद की विभागीय समीक्षा

पूर्व विधायक की माता की तेरहवीं में हुए शामिल, भाजपा पदाधिकारियों के साथ भी की मीटिंग

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: गुरुवार को यहां पहुंचे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने जेल से दो कैदियों के भाग जाने के मामले में अफसरों को कार्रवाई के लिए सख्त निर्देश दिया। वह यहां पूर्व विधायक इंद्र प्रताप तिवारी खब्बू की मां की तेरहवीं संस्कार में श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे थे। इस दौरान प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, विधायक वेद गुप्ता सहित अन्य तमाम वीआईपी भी पहुंचे थे।

यहां पुलिस लाइन हेलीपैड पहुंचने पर भाजपा नेताओं ने उनका स्वागत किया। उन्होंने राम लला, हनुमान जी, अयोध्या और सरयू को प्रणाम किया। सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ बैठक की। समीक्षा की। भाजपा पदाधिकारियों से मुलाकात की। कारसेवकपुरम पहुंच लोगों से मुलाकात की। इसके बाद कार्यक्रम स्थल अवध इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित तेरहवीं संस्कार में पहुंचे। यहां उन्होंने भाजपा के पूर्व विधायक खब्बू तिवारी की माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

पत्रकारों से बातचीत में यूजीसी के नियमों को लेकर कहा कि सुप्रीम कोर्ट का हर फैसला देश के लिए सम्मान और खुशी की बात। बोले कि सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से ही राम मंदिर का निर्माण संभव हो सका। शंकराचार्य से मुलाकात को लेकर कहा कि उनके चरणों में प्रणाम करना हर राम भक्त और राष्ट्रभक्त का कर्तव्य है। भदरसा रेप कांड के आरोपी मोइद खान के बरी होने को न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा बताया। मोइद खान की संपत्ति पर बुलडोजर की कार्रवाई को सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा हटाने की कार्रवाई के रूप में बताया। अयोध्या जिला जेल से दो कैदियों के फरार होने पर के सवाल पर कहा कि अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया गया है। ऐसी घटना कतई नहीं होनी चाहिए। जरूरी कार्रवाई की जा रही है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कैबिनेट बैठक के फैसलों को ऐतिहासिक बताया। कहा कि 15 लाख से अधिक शिक्षकों को कैशलेस इलाज की सुविधा की घोषणा की गई। कृषि व जिले के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, पूर्व सांसद लल्लू सिंह, मेयर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, जिले के विधायक, संगठन के लोगों ने पूर्व विधायक के मां के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

पूर्व विधायक खब्बू तिवारी की माता को श्रद्धांजलि देते डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, साथ में नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता।

श्रीराम संस्कृत पाठशाला के विद्यार्थियों के साथ फोटो खिंचवाते डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य।

डिप्टी सीएम ने विहिप पदाधिकारियों से भी की मुलाकात

अयोध्या, अमृत विचार : डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य वीएचपी मुख्यालय कारसेवकपुरम में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय सलाहकार पुरुषोत्तम कुमार, वीएचपी मंत्री राजेंद्र सिंह पंकज, शरद शर्मा से मुलाकात की। श्रीराम संस्कृत पाठशाला के विद्यार्थियों के साथ सामूहिक फोटो भी खिंचवाई। उन्होंने कहा मेरा सौभाग्य है कि अयोध्या धाम आने का अवसर प्राप्त हुआ। प्रदेश में भाजपा का बेहतर माहौल बना हुआ है। एक बार फिर समाजवादी पार्टी का सुपड़ा साफ होगा। विश्व हिंदू परिषद के प्रांतीय मीडिया प्रभारी शरद शर्मा ने कहा कि बीते दिनों विश्व हिंदू परिषद के सलाहकार पुरुषोत्तम कुमार की तबियत खराब हुई थी। जिसकी जानकारी मिलने के बाद डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने मुलाकात कर कुशलक्षेम जाना है।

अनुज्ञा पत्र मिला नहीं, खोद डाली 10 फिट गहरी मिट्टी

अयोध्या, अमृत विचार: जिला प्रशासन से अनुज्ञा पत्र मिला नहीं। रात्रि में सार्वजनिक तालाबों को दस फिट तक गहरा खोदकर मिट्टी बेचे जाने का आरोप प्रधान ने लगाया है। ताजा मामला ग्राम पंचायत अमौना से है। ग्राम प्रधान राजकुमार ने गुरुवार को डीएम कार्यालय में एडीएम से शिकायत की। बगल में ही रिंग रोड सहित अन्य निर्माण हो रहे हैं। आरोप है कि परियोजना अधिकारी एनएचएआई ने जिला प्रशासन से मिट्टी निकासी के लिए अनुज्ञा प्राप्त करने का आवेदन किया है। अभी अनुमित नहीं मिली लेकिन रात के अंधेरे में डंपरों को सार्वजनिक तालाबों की मिट्टी मोटी रकम के बदले अवैध खनन किया जा रहा है। इसे 10 फीट तक खोद रहे हैं। कहा कि इससे जो व्यक्ति या पशु पक्षी तालाब में गिर गए, उनका निकल पाना मुश्किल हो जाएगा। पेड़ों को काटकर पर्यावरण को क्षति भी पहुंचा रहे हैं। राजस्व की क्षति कर रहे हैं। उन्होंने अवैध मिट्टी खनन के साथ कार्रवाई की मांग उठाई। साथ मानक से अधिक मिट्टी निकासी की रिकवरी एवं टूट रही सड़क की निर्माण कराए जाने की लिखित प्रमाण पत्र, अनुज्ञा प्रमाण पत्रकी प्रति दिलवाने की मांग की है। प्रधान ने बताया कि कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है।

गोसाईगंज रेलवे स्टेशन पर हैंडपंप के लिए बोर करते मजदूर।

रेलवे स्टेशन पर हैंडपंप लगाने का काम शुरू

गोसाईगंज, अमृत विचार : अयोध्या धाम-शाहगंज रेलखंड स्थित गोसाईगंज रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 2/3 से यात्रा करने वाले रेल यात्रियों को अब पीने के पानी सुविधा होगी। रेलवे इंजीनियरिंग विभाग से प्लेटफार्म संख्या 2/3 पर तीन इंडिया मार्का हैंडपंप लगाए जाने की स्वीकृति दे दी है। पानी न होने शौचालयों की स्थिति भी बदहाल थी। यात्रियों को मजबूरी में बोतलबंद पानी खरीदना पड़ता था। बुधवार को प्लेटफार्म संख्या दो के पश्चिमी छोर पर इंडिया मार्का हैंडपंप लगाने के लिए बोरिंग का कार्य शुरू हो गया। उम्मीद है कि प्लेटफार्म के अन्य दो स्थानों पर भी रिबोरिंग कार्य जल्द शुरू होगा। स्टेशन अधीक्षक महेंद्र नाथ मिश्रा ने प्लेटफार्म संख्या 2/3 पर तीन इंडिया मार्का हैंडपंप लगाए जाने की पुष्टि की है।

रमा को बांसुरी वादन में यूपी में दूसरा स्थान, पुरस्कृत

संगीत नाटक अकादमी लखनऊ में कुलपति से पुरस्कार प्राप्त करतीं रमा वर्मा।

अयोध्या, अमृत विचार : अयोध्या की रमा वर्मा ने प्रादेशिक संगीत प्रतियोगिता में बांसुरी वादन में दूसरा स्थान प्राप्त किया। संगीत के क्षेत्र में अयोध्या का नाम रोशन किया। रमा, कला के क्षेत्र में फरुवाही नृत्य के जरिए अलग पहचान बनाने वाले शीतला प्रसाद वर्मा की बेटी है। उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी एवं संस्कृति विभाग से 28 जनवरी को आयोजित संत गाडगे प्रेक्षागृह में आयोजित प्रादेशिक संगीत पुरस्कार वितरण समारोह में रमा को सम्मानित किया गया। सम्मान शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ के कुलपति प्रो. संजय सिंह ने प्रदान किया। यहां पर तबला सम्राट पं. किशन जी महराज के पुत्र प्रसिद्ध तबला वादक पूरण जी महराज ने भी आशीर्वाद प्रदान किया।

किसान फूल सिंह कृषि नवाचार के लिए सम्मानित

दाएं खड़े शेरवा घाट निवासी किसान फूल सिंह।

गोसाईगंज, अमृत विचार: मया ब्लॉक में शेरवा घाट निवासी फूल सिंह को कृषि विभाग से आधुनिक और बहु-फसली खेती के लिए सम्मानित किया गया है। फूल सिंह वर्तमान समय में मशरूम की खेती अच्छे पैमाने पर कर रहे हैं। इसके साथ ही शिमला मिर्च, लंबा एवं गोल बैंगन की बड़े स्तर पर सफल खेती भी कर रहे हैं। खीरा एवं करेला की खेती की तैयारी में हैं। इससे क्षेत्र के अन्य किसानों को प्रेरणा मिल रही है। उनके पुत्र राजपूत सौरभ सिंह वर्तमान में भारतीय सेना में कैप्टन के पद पर कार्यरत हैं।

बाइक में लगी आग, हादसा टला

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : अयोध्या में राम मंदिर व हनुमानगढ़ी से कुछ ही दूरी पर रामपथ पर स्थित पेट्रोल पंप पर पेट्रोल भराने के बाद बाइक स्टार्ट करते समय अचानक आग लग गई। देखते ही देखते बाइक आग की लपटों में बदल गई। सूचना पर पहुंची दमकल वाहन ने आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि आग ने पेट्रोल पंप को अपनी चपेट में नहीं लिया नहीं तो एक बड़ा हादसा हो जाता।

गुरुवार की शाम करीब छह बजे शुभम पांडेय निवासी जलवानपुरा कोतवाली अयोध्या अपनी बाइक लेकर श्रृंगार हाट स्थित पेट्रोल पंप पर पहुंचा। उसने बाइक की टंकी फुल कराई, इसके बाद जैसे ही बाइक स्टार्ट की तो अचानक आग लग गई। यह देख पेट्रोल पंप कर्मियों ने तत्काल बाइक को किसी तरह पेट्रोल पंप से हटाकर रामपथ पर किया। तब तक बाइक धू धू कर जलने लगी व कुछ ही देर में जलकर राख हो गई। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन कामयाब नहीं हुए। इस दौरान रामपथ की दोनों लेन पर श्रद्धालुओं को रोक दिया गया, जिससे वहां भीड़ हो गई। सूचना पर पहुंचे दमकल वाहन ने आग पर काबू पाया। रायगंज चौकी प्रभारी शेखरनाथ सिंह ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया। किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।

रामपथ पर धू धू जलती बाइक।

यूजीसी के नए नियम पर सुप्रीम कोर्ट से रोक का स्वागत

पूराबाजार, अयोध्या। अमृत विचार: सूर्यवंश क्षत्रिय उत्थान समिति के तत्वावधान में राजा दशरथ समाधि स्थल प्रांगण में बैठक का आयोजन किया गया। समिति के अध्यक्ष भगवान बक्श सिंह ने कहा कि यूजीसी के नए नियमों का सुप्रीम कोर्ट से रोक का समिति स्वागत करती है। कहा कि समाज में एकरूपता कायम रखने के लिए ऐसे नियमों पर रोक लगना आवश्यक था। लाल साहब सिंह ने कहा कि नियम बनाते समय समाज की एकजुटता आपसी भाईचारा का ध्यान देते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग की राय लेकर यह नियम बनाना चाहिए था। अनिल कुमार सिंह ने कहा, यूजीसी के नियम पर रोक ने समाज में विघटन को बचाया। राजेंद्र सिंह, जंग बहादुर सिंह, अजय कुमार सिंह, सुरेंद्र बहादुर सिंह, संतोष कुमार सिंह,विजय प्रताप सिंह, शंभू नाथ सिंह दीपू ,अमरजीत सिंह ,वीरेंद्र सिंह ,नरेंद्र सिंह,राज नारायण सिंह, रमेश सिंह ने भी इसका स्वागत किया।

अयोध्या को प्लास्टिक कचरा मुक्त बनाने की नई शुरुआत

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं महिला सशक्तिकरण की दिशा में नगर निगम ने अनूठी पहल की है। इसके तहत कृष्णानगर वार्ड में बर्तन भंडार का महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने चिंतन इन्वायरमेंटल रिसर्च एंड एक्शन ग्रुप, एसवीआई फाउंडेशन, एसबीआई कंजर्व के सहयोग से शुभारंभ किया।

उन्होंने स्वयं सहायता समूह को बर्तन भंडार सौंपा। इसका एकल उपयोग सामुदायिक आयोजनों में प्लास्टिक के विकल्प के रूप में किया जा सकेगा। इसके साथ ''वेस्ट नो मोर इन अयोध्या'' अभियान के तहत डस्टबिन वितरण भी किया गया। महापौर ने कहा कि यह पहल न केवल प्लास्टिक मुक्त अयोध्या के लक्ष्य को मजबूती देगी, बल्कि नागरिकों के व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम भी बनेगी। नगर के चार वार्डों में 10 हजार डस्टबिन एवं कपड़े के झोले वितरित किए जाएंगे।

नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने कहा कि कचरा पृथक्करण और सामुदायिक बर्तन भंडार जैसी पहल स्वच्छ, सतत और जिम्मेदार शहरी विकास की मजबूत आधारशिला हैं। कार्यक्रम का संयुक्त संचालन मुख्य संयोजक आलोक सिंह राना एवं एकता भटनागर ने किया। पार्षद रमाशंकर निषाद, सहायक नगर आयुक्त गुरुप्रसाद पाण्डेय, चिंतन इन्वायरमेंटल रिसर्च एंड एक्शन ग्रुप की ओर से विमल कुमार, सुलभ मिश्र, नेहा वर्मा, आदर्श यादव, सुंदरी कुमारी और बड़ी संख्या में महिलाएं एवं स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कृष्णा नगर वार्ड में बर्तन भंडार का शुभारंभ करते महापौर गिरीशपति त्रिपाठी, नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार व अन्य।

- महापौर ने किया बर्तन भंडार का लोकार्पण एवं डस्टबिन का वितरण

सजा दो घर को गुलशन सा मेरे घर राम आए हैं...

पूराबाजार, अयोध्या

अमृत विचार: ग्रामोदय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस रामपुर सरधा का वार्षिकोत्सव प्रांगण में धूमधाम से मनाया गया। बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम ने मौजूद लोगों को भाव विभोर कर दिया।

शुभारंभ मुख्य अतिथि ग्रामोदय ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस रामपुर सरधा के प्रबंधक पीएन सिंह, चेयरमैन डॉ संदीप सिंह, प्रबंध निदेशक इंजीनियर दीपक सिंह ने मां सरस्वती के प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। बच्चों से सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, देश भक्ति नाटक के माध्यम से ऑपरेशन सिंदूर, सोशल मीडिया, चंदा चमके चम चम, योग डांस, जय भारती बंदे भारती, राधा कृष्ण का भाव नृत्य सहित अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। राम जानकी की झांकी निकाली गई, जिसमें सजा दो घर को गुलशन सा मेरे घर राम आए हैं.. के धुन पर मौजूद लोग झूमने लगे। अंत में परेड के माध्यम से संस्थापक स्व. बाबू नर्वदेश्वर सिंह को सलामी दी गई। संचालन डॉ रामकरन वर्मा ने किया। कार्यक्रम में उग्रसेन सिंह, चंद्रमौलि सिंह, अशरफ अहमद, अनीश दूबे, शैलेन्द्र वर्मा, अनीता यादव, अमरनाथ तिवारी, लोकनाथ त्रिपाठी, डॉ राकेश वर्मा, शैलेन्द्र यादव, धर्मेंद्र, कृष्ण कुमार सिंह, अमरनाथ पाल, कौशलेंद्र पाल, अनीता पांडेय, प्रियंका दूबे, धर्मराज सहित अभिभावक, छात्र- छात्राएं मौजूद रहे।

ग्रामोदय इंटर कालेज रामपुर सरधा में वार्षिकोत्सव में झांकी की प्रस्तुति देते बच्चे।

- ग्रामोदय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस का वार्षिकोत्सव संपन्न

सीएचसी पर एंबुलेंस की छमाही फिटनेस चेकिंग

सोहावल, अमृत विचार: सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का प्रभार संभालने के साथ ही डॉ. आकांक्षा वर्मा एक्शन में आ गईं। पीएचसी बड़ागांव, अलीगंज का डॉक्टर वर्मा ने निरीक्षण किया। तैनात स्वास्थ्य कर्मियों से समय पर पहुंचकर साफ सफाई करने के सख्त निर्देश दिए। उसके बाद सहयोगी डॉ. उमेश तिवारी को क्षेत्र में चलने वाली सरकारी एंबुलेंस 102, 108 वाहन के अंदर साफ सफाई और रखरखाव की फिटनेस चेकिंग करने का निर्देश दिया। डॉ. उमेश तिवारी ने सभी वाहन एंबुलेंस की फिटनेस से संबंधित और मरीजों को लाने के लिए लगाए गए उपयुक्त उपकरणों की छानबीन की। प्रभारी डॉ. वर्मा ने बताया कि जांच में सभी वाहन दुरुस्त और विभागीय परिवहन निगम की फिटनेस के अनुरुप पाए गए। सीएमओ डॉ. देवेंद्र कुमार भिटौरिया ने कहा कि जिले के सभी केंद्रों का एक-एक कर औचक्क निरीक्षण किया जा रहा है। जांच के बाद व्यवस्था सुधारने का निर्देश दिया जा रहा है।

जिले को कृमि मुक्त बनाने के लिए अफसर-कर्मी प्रशिक्षित

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: जनपद को कृमि मुक्त बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग, आईसीडीएस विभाग और शिक्षा विभाग के ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों/कर्मचारियों/अध्यापकों को मुख्य चिकित्सा अधिकारी सभागार में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। यह प्रोग्राम अयोध्या जिले के दो ब्लॉक मया बाजार एवं तारुन को छोड़ कर शेष 9 ब्लॉकों एवं शहरी क्षेत्र में अल्बेंडोजोल की दवा खिलाई जाएगी। उक्त द्वारा अपने ब्लॉक में एएनएम आशा आंगनवाड़ी और अध्यापकों का इस अभियान को सफलता पूर्वक चलाने हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस अभियान और प्रशिक्षण का महत्वपूर्ण उद्देश्य बच्चों, किशोर किशोरियों की आंतों में कृमि के कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव से सुरक्षित रखना और स्वस्थ बनाना है। अभियान के अन्तर्गत दिनांक 10 फरवरी व 13 फरवरी 2026 को अल्बेंडोजोल की गोलियां खिलाई जायेंगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ देवेंद्र कुमार ने सभी जनपदवासियों से अपील की कि सभी जनपदवासी अपने बच्चों को निर्धारित दिवस पर एलबेंडोजोल की गोली जरूर खिलाएं।

प्रशिक्षण में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ पी के गुप्ता, डीएचईआईओ डी पी सिंह, आरकेएसके कोऑर्डिनेटर सतीश वर्मा एवं एनआई संस्था से आलोक द्विवेदी सभी ब्लॉकों से आए आर बीएसके मेडिकल ऑफिसर, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी, बीसीपीएम, बाल विकास एवं पुष्टाहार सीडीपीओ शिक्षा विभाग से संबंधित अध्यापक उपस्थित थे।

कांग्रेस नेता को पितृ शोक, शोक सभा

अयोध्या, अमृत विचार: कांग्रेस पार्टी के पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के शहर अध्यक्ष मंसाराम यादव के पिता रामगोपाल यादव के निधन पर कांग्रेस कार्यालय कमला नेहरू भवन में शोक सभा का आयोजन किया गया। दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा। कांग्रेसजनों ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति प्रकट की। शोक सभा में जिलाध्यक्ष चेतनारायण सिंह, महानगर अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम, राजेंद्र प्रताप सिंह, उग्रसेन मिश्रा, जिला प्रवक्ता शीतला पाठक, बसंत मिश्रा, राम सागर रावत, अशोक कनौजिया, अशोक कुमार राय, अमरजीत यादव, फ्लावर नकवी, दानिश जिया, अनंत राम सिंह आदि थे।

तैयारी एसडीएम और तहसीलदार को निगरानी की जिम्मेदारी, जांच के लिए लगेंगे 22 खंड शिक्षा अधिकारी

बोर्ड परीक्षा की उल्टी गिनती शुरू, 109 केंद्रों का होगा सर्विलांस

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : जिले में बोर्ड परीक्षाओं की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं के लिए कुल 109 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं। इन सभी केंद्रों पर नकल और अनियमितताओं को रोकने के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। जिला प्रशासन ने परीक्षाओं की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। सभी 109 परीक्षा केंद्रों पर सर्विलांस की व्यवस्था की गई है।

सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी की जाएगी, जिसकी फीड बोर्ड की तकनीकी टीम द्वारा संचालित कंट्रोल रूम में मॉनिटर की जाएगी। कंट्रोल रूम का बोर्ड की तकनीकी टीम द्वारा निरीक्षण भी तय किया गया है, ताकि कोई भी तकनीकी खामी न रह जाए। परीक्षा प्रक्रिया की जांच और निगरानी के लिए 22 खंड शिक्षा अधिकारियों को विशेष रूप से तैनात किया गया है। ये अधिकारी केंद्रों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। इसके अलावा, सभी एसडीएम (उप जिलाधिकारी) और तहसीलदारों को अपनी-अपनी क्षेत्रीय जिम्मेदारी सौंपी गई है। वे परीक्षा केंद्रों के आसपास कानून-व्यवस्था बनाए रखने, भीड़ नियंत्रण और नकल रोकथाम के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

- निगरानी के लिए 22 खंड शिक्षा अधिकारियों को विशेष रूप से किया गया तैनात

हर चरण में बरती जाएगी पारदर्शिता

फ्लाइंग स्क्वॉड और सेक्टर मजिस्ट्रेटों की तैनाती भी की जा रही है। खासकर संवेदनशील केंद्रों पर। प्रश्नपत्रों के वितरण से लेकर मूल्यांकन तक हर चरण में पारदर्शिता बरती जाएगी। यूपी बोर्ड ने राज्य स्तर पर एआई-सक्षम सीसीटीवी और मजबूत निगरानी प्रणाली लागू की है। नकल करने वालों या सहायता करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

> छात्रों से अपील है कि वे ईमानदारी से तैयारी करें और परीक्षा में पूर्ण निष्पक्षता का पालन करें। जिला प्रशासन की यह मुस्तैदी परीक्षाओं को शांतिपूर्ण और नकल-मुक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा।
> – डॉ. पवन कुमार तिवारी, डीआईओएस

आंगनबाड़ी सहायिकाओं ने लखनऊ में धरने की दी चेतावनी

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : प्रेस क्लब में आंगनबाड़ी संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर अयोध्या जनपद की जिला कमेटी व ब्लॉक कमेटी के पदाधिकारी और जिले की समस्त आंगनबाड़ी सहायिका अपनी मांगों एवं समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया। जिले से आई तमाम आंगनबाड़ियों का कहना है की हम बहुत कम मानदेय मे काम कर रहे हैं इतने कम मानदेय जीविका चलाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

सरकार द्वारा कई वर्षों पहले मोबाइल फोन दिया गया था जो कि जल गया। टूट गया। रिचार्ज का पैसा नहीं मिलता। कई बार संघ के माध्यम से सरकार को अवगत भी कराया गया, लेकिन हमारी समस्याओं को सरकार ने अनसुना कर दिया। अब सरकार एवं विभाग द्वारा बहुत काम दे दिया गया है। एसआईआर का कार्य जबरन विभाग द्वारा कराया जा रहा है। जब हम लोगों की भर्ती हुई थी उस समय शैक्षिक योग्यता कक्षा 8, कक्षा 10 मांगी गई थी। अब हम लोगों से पोस्ट ग्रेजुएट का कार्य लिया जाता है हम लोग उस समय अंग्रेजी नहीं पढे थे। स्मार्टफोन ठीक से नहीं चला पाते थे। यह बात अपने अधिकारी से बताते हैं जबरदस्ती पूर्वक उनका कहना है कार्य करो नहीं तो सेवा समाप्ति एवं मानदेय रोकने की धमकी दी जाती है। अगर हमारी मांगों पर गंभीरता से विचार न किया गया तो विवश होकर हम सभी आंगनबाड़ी संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर लखनऊ में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करेंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन एवं प्रशासन की होगी।

जिला संरक्षक रणवीर सिंह गुड्डू ने कहा आंगनबाड़ी सहायिका की बहुत समस्याएं कई बार संघ के माध्यम से विभाग एवं सरकार को अवगत कराया गया, लेकिन ना विभाग द्वारा ना सरकार द्वारा कोई कार्य किया गया। जिला अध्यक्ष सरोज सिंह ने कहा विभाग के कर्मचारियों द्वारा आंगनबाड़ियों से जबरदस्ती पूर्वक कार्य कराया जाता है जो की उचित नहीं है। पहले इनको मोबाइल फोन उपलब्ध कराये फिर पोषण और अन्य कार्य करवाए।

प्रेस क्लब के बाहर प्रदर्शन करतीं आंगनबाड़ी वर्कर्स।

ओवर-बिलिंग पर संबंधित एजेंसी के खिलाफ करें कार्रवाई : कमिश्नर

मंडलीय विकास कार्यों की समीक्षा, सूर्यघर योजना की प्रगति बढ़ाने के निर्देश

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: मंडलायुक्त राजेश कुमार ने ओवर-बिलिंग पाए जाने पर संबंधित एजेंसी के विरुद्ध कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की।

आयुक्त सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में कमिश्नर ने मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के आधार पर समीक्षा की। ओवरऑल रैंकिंग की समीक्षा में कमिश्नर अयोध्या जिले की रैंकिंग में हुए सुधार पर संतोष जताया। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना को ग्रामीण एवं नगर निकाय क्षेत्रों में प्रगति बढ़ाने का निर्देश दिया। छात्रवृत्ति योजना की प्रगति धीमी होने पर संबंधित अधिकारियों को शीघ्र सुधार का निर्देश दिया। मोर ड्रॉप मोर क्रॉप योजना, किसान सम्मान निधि, भवन एवं सड़क निर्माण कार्यों की समीक्षा की। विद्युत विभाग में ट्रांसफार्मर, विद्युत आपूर्ति एवं बिलिंग की स्थिति की समीक्षा की। फैमिली आईडी, टीकाकरण पर विशेष जोर दिया।

आशा कार्यकर्ताओं को एचबीवाईसी कार्यक्रम में और सक्रिय करने के लिए कहा। पर्यटन विभाग से कहा कि कार्यदायी संस्थाएं यदि समय से कार्य नहीं करती हैं तो उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। डीडी पर्यटन को सुलतानपुर एवं अम्बेडकरनगर के जिलाधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण करने का निर्देश दिया। ऑपरेशन कायाकल्प, गोवंश संरक्षण सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा की। विकास कार्यों की समीक्षा के बाद कानून व्यवस्था एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा की। बैठक में मंडल के जिलों के जिलाधिकारी, अपर आयुक्त अजयकांत सैनी, मुख्य विकास अधिकारी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक करते मंडलायुक्त राजेश कुमार व मौजूद अन्य अधिकारी।

समस्या का वास्तविक समाधान ही प्राथमिकता : जिलाधिकारी

अयोध्या, अमृत विचार: जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने कहा कि शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक समाधान प्रथामिकता है। मौका मुआयना करके शिकायतों के निस्तारण से यह लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। वह कलेक्ट्रेट सभागार में आईजीआरएस (इंटीग्रेटेड ग्रीवांस रिड्रेसल सिस्टम) पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण के समीक्षा मे बोल रहे थे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध एवं संतोषजनक ढंग से किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निर्देश दिया कि शिकायतों के निस्तारण में की गई कार्रवाई का स्पष्ट एवं तथ्यात्मक विवरण आईजीआरएस पोर्टल पर अंकित किया जाए, ताकि शिकायतकर्ता को पूरी जानकारी प्राप्त हो सके। इसके लिए शिकायतों का निस्तारण अपलोड करते समय मौक़ा मुआयना अवश्य किया जाए। विद्युत,स्वास्थ्य, माध्यमिक शिक्षा, श्रम विभाग,बेसिक शिक्षा, निबंधक व मनरेगा को शिकायतों के निस्तारण में विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। जिन भी विभागों में शिकायतों का निस्तारण समय से नहीं किया गया उन्हें स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिया गया। बैठक में एडीएम प्रशासन अनिरुद्ध सिंह सहित अन्य संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों से आए छह प्रार्थना पत्र

अयोध्या, अमृत विचार : जिला सैनिक बंधु की समिति की बैठक में कुल छह प्रार्थना आए। सभी का मौके पर निस्तारण कर दिया गया।कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी नगर योगानन्द पाण्डेय ने की। एडीएम ने गंभीरता पूर्वक सुना। सभी का मौके पर निस्तारण करवाया। पूर्व सैनिकों/आश्रितों को जिला प्रशासन की ओर से संपूर्ण सहयोग प्रदान करने और उनकी समस्याओं/शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण समाधान प्रदान करने के लिए आश्वस्त किया। बैठक में जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ले. कर्नल संजीव कुमार ने सैनिक कल्याण से संबंधित शासकीय योजनाओं से संबंधित जानकारी दी। यहां बड़ी संख्या में भूतपूर्व सैनिक तथा उनके परिजनों के अतिरिक्त विभिन्न प्रशासकीय कार्यालयों के प्रतिनिधि शामिल थे। बैठक में पुलिस अधीक्षक, यातायात, सहायक अभियन्ता नगर निगम भरत सिंह वर्मा, सहायक अभियन्ता अयोध्या विकास प्राधिकरण राकेश सिंह तोमर, सैनिक कल्याण विभाग के वरिष्ठ सहायक जगदीश प्रसाद सहित अन्य कर्मचारी मौजूद थे।

राष्ट्रीय पदक के लिए खिलाड़ी तैयार

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : माध्यमिक शिक्षा विभाग उप्र व विद्यालयीय क्रीड़ा समिति के संयुक्त तत्वावधान में मकबरा स्टेडियम में आयोजित 10 दिवसीय प्रदेशीय विद्यालयीय टीमों का प्रशिक्षण शिविर गुरुवार को सम्पन्न हुआ। उप्र की क्रिकेट, हैंडबॉल, बैडमिंटन व थांगता टीम के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से पूर्व शिविर में पदक जीतने के लिए पसीना बहाया और खेल के गुर सीखे।

शिविर समापन अवसर पर संयुक्त शिक्षा निदेशक योगेश कुमार सिंह ने प्रशिक्षु खिलाड़ियों से जानकारी लेते हुए उत्साहवर्धन किया। खिलाड़ियों ने कहा कि हम पदक जीतने के लिए तैयार हैं और टीम के प्रशिक्षक खिलाड़ियों के प्रशिक्षण से संतुष्ट हैं। शिविर संयोजक व मंडलीय क्रीड़ा समिति के सचिव धर्मेंद्र सिंह, जिला सचिव अभिषेक सिंह, प्रशिक्षक उत्तम कुमार, दुर्गा प्रसाद श्रीवास्तव, राजीव यादव, रोहित त्रिपाठी, राकेश कुमार, रमेश यादव, मो. इमरान, हरिकेश ने अपनी टीमों की तैयारी के बारे में जानकारी दी। शिविर संयोजक धर्मेंद्र ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा पहली बार राष्ट्रीय प्रतियोगिता से पूर्व खिलाड़ियों का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। उप्र की थांगता व बैडमिन्टन टीम शुक्रवार से दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय विद्यालयीय प्रतियोगिता के लिए, हैण्डबॉल टीम एक फरवरी से हिमाचल प्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए व क्रिकेट टीम तेलंगाना में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए रवाना हुई। इस मौके पर पार्षद राजू गुप्ता सहित राज्य विद्यालयीय क्रीड़ा संस्थान के अधिकारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए रवाना होती प्रदेशीय बालिका क्रिकेट टीम संयुक्त शिक्षा निदेशक योगेश कुमार सिंह के साथ।

प्रदेशीय बैडमिंटन, हैंडबॉल, क्रिकेट व थांगता टीम रवाना

- प्रदेशीय विद्यालयीय टीमों का प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

राष्ट्रीय विद्यालयीय प्रतियोगिता के लिए चयनित बैडमिंटन बालिका अंडर-19 टीम में रुद्राक्ष मेरठ, आंचल चौहान व श्रेया पाल अयोध्या, पिंकल चौहान व परी गोरखपुर, आध्या सेठ लखनऊ, गौरी शुक्ला लखीमपुर व चांदनी सीतापुर शामिल हैं। थांगता बालक टीम में बादल सागर, अनमोल मिर्जापुर, सुमित, छविकांत, शिवम कुमार, रॉकी सहाय, रोहित कुमार, डेविड कांत, अनुज कुमार सभी बुलंदशहर, अब्दुल सलाम, विजय यादव, नवाबगंज गोंडा, अभय पटेल, अंकित भारती वाराणसी, आदित्य शुक्ला अमेठी के शामिल हैं। थांगता बालिका टीम में गरिमा पाठक, यशिका, पूजा, पलक तिवारी, खुशी वर्मा, राधिका सभी बुलंदशहर, सोनी, प्राची, प्रियांशी, तमन्ना केजीबीवी, मनोरमा व श्वेता मिर्जापुर, अंशु यादव वाराणसी, मानसी चौधरी मथुरा, मांडवी पांडेय अमेठी, स्वाति अयोध्या की शामिल हैं। बालिका अंडर-17 क्रिकेट टीम में श्रेया यादव, सुनीत, सोनी राजपूत, पायल राजपूत, सिमरन सभी आगरा, डॉली, चंदा, उन्नति सैनी, प्रियांशिका सैनी मेरठ, गरिमा, रितिका माथुर, अर्चना कुमारी, आराध्या गुप्ता, कोहिरा सभी अलीगढ़, शिव यादव बरेली, निशू यादव बरेली, महविश लखनऊ, निकिता दास मुरादाबाद, शेख राफिया व लाली केजीबीवी शामिल हैं। राष्ट्रीय प्रतियोगिता से पूर्व 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

खानपान एवं प्राकृतिक चिकित्सा से रहें स्वस्थ : डॉ. राजपाल वर्मा

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र, महिला शिकायत एवं कल्याण प्रकोष्ठ द्वारा गोद लिए गए गांव माधवपुर, मरसौढा में पंचमहाभूत एवं एक्यूप्रेशर द्वारा रोगों का उपचार विषय पर कार्यक्रम हुआ। मुख्य वक्ता नेचुरोपैथ राजपाल वर्मा रहे। महिला शिकायत व कल्याण प्रकोष्ठ एवं महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रो. तुहिना वर्मा ने बताया कि पंचमहाभूत चिकित्सा द्वारा हम अपने शरीर के विषय में जान सकते हैं और अपने खानपान में सुधार कर दैनिक जीवन में स्वस्थ रहा जा सकता है। मुख्य अतिथि राजपाल वर्मा ने नैचुरोपैथी और एक्यूप्रेशर के माध्यम से गांवों के पुरुष, महिला और बालिकाओं के स्वास्थ्य को पंचमहाभूत चिकित्सा द्वारा उत्तम बनाए रखने के लिए उपाय बताए। उप समन्वयक डॉ. मनीषा यादव न स्वागत अभिनंदन किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रतिभा त्रिपाठी ने किया। ग्राम प्रधान ऋषिकेष वर्मा, वल्लभी तिवारी,डॉ. सरिता ,अंजली ,नेहा ,रिया, ब्यूटी ,रुचि उपस्थित रहें।

बाजार की सड़क जर्जर, जगह-जगह गड्ढे

रानी बाजार, अयोध्या। अमृत विचार : अयोध्या-रायबरेली हाईवे से रानी बाजार के अंदर होते हुए प्रभात नगर हैरिंग्टनगंज मार्ग को जोड़ने वाली सड़क जर्जर और टूट फूट गई। सड़क का निर्माण लगभग दो दशक पहले पूर्व सांसद स्व. मित्र सेन यादव ने सांसद निधि से कराया था। सड़क की हालत इतनी खराब हो गई है कि जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं। जरा सी भी बूंदाबांदी या बरसात होने पर रोड पर कीचड़ हो जाता है। इस कारण बाजार आने वाले लोगों को मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है। स्कूली बच्चे व बूढ़े फिसल कर गिरने से चोटहिल हो जाते हैं। मार्ग से चार-पांच ग्राम सभाओं के लोगों का आना-जाना है। इस मार्ग की सुधि लेने वाला कोई नहीं है। निकलने वाले रास्तों पर ढाल करके रास्ता तक नहीं बनाया गया। इसके कारण फुटपाथ पर की गई इंटरलॉकिंग एक-एक करके उखड़ गई, कंकड़ पत्थर दिखने लगे। क्षेत्रीय लोगों ने पीएनसी से स्लोप करके मार्ग निर्माण करवाने की मांग की है।

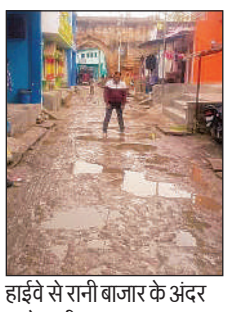

हाईवे से रानी बाजार के अंदर जाने वाली सड़क का नजारा।

प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में मिला प्रथम स्थान

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर।

अमृत विचार। जनपद ने एक बार फिर विकास के मानचित्र पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है। जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी के कुशल नेतृत्व में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत जनपद ने माह दिसंबर 2025 की प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त कर जनपद का गौरव बढ़ाया है।

उपायुक्त स्वतः रोजगार ने बताया कि जनपद केवल दिसंबर में ही नहीं, बल्कि पूरे वर्ष उत्तर प्रदेश के शीर्ष तीन जनपदों में अपनी जगह बनाए रखने में सफल रहा है। एनआरएलएम डैसबोर्ड पर सेकेंड क्वार्टर की संयुक्त रैंकिंग में भी जनपद ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया है, जो जमीनी स्तर पर हो रहे ठोस कार्यों का प्रमाण है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की अध्यक्षता आयोजित समीक्षा बैठक में उपमुख्यमंत्री ने मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र भेंट कर सम्मानित किया। इसके साथ ही ग्रामीण आजीविका को नई दिशा देने में दो ब्लॉक मिशन प्रबंधकों को भी उनकी उत्कृष्ट कार्यशैली के लिए प्रशस्ति पत्र दिया गया। इस उपलब्धि के पीछे उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के डैशबोर्ड पर डेटा का सही प्रबंधन, स्वयं सहायता समूहों का सशक्तिकरण और ग्रामीण महिलाओं को सीधे स्वरोजगार से जोडना रहा है। प्रशासन द्वारा सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पारदर्शी तरीके से पहुंचाना ही इस जीत की कुंजी बनी। उपसयुक्त स्वत रोजगार ने इस सफलता का श्रेय पूरी टीम और उन ग्रामीण महिलाओं को दिया है जो लखपति दीदी और सखी योजनाओं के माध्यम से आत्मनिर्भर बन रही हैं। उन्होंने भविष्य में भी इस स्थान को बनाए रखने और नई ऊंचाइयों को छूने का संकल्प दोहराया।

मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला को प्रमाण पत्र देते उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य।

पुलिस मुठभेड़ में एक बदमाश को लगी गोली, तीन गिरफ्तार

संवाददाता, आजमगढ़।

अमृत विचार : कप्तानगंज थाना क्षेत्र में पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में एक बदमाश को गोली लगी। इस कार्रवाई में पुलिस ने अंतर्जनपदीय जहरखुरानी-नकबजनी गिरोह के तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मौके से अवैध तमंचा, कारतूस और चोरी का सामान भी बरामद किया है।

बुधवार रात को थाना कप्तानगंज पुलिस संदिग्ध व्यक्ति व वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ बदमाश गौरा पुलिया के पास किसी बड़ी वारदात की फिराक में मौजूद हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की तो बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में अमन निषाद निवासी डाही शम्भूपुर थाना अहरौला के दाहिने पैर में गोली लग गई। पुलिस ने मौके से आनंद उर्फ बाबी तथा अमन निषाद को गिरफ्तार कर लिया, जबकि दो आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। घायल अभियुक्त को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। पूछताछ में अभियुक्तों ने स्वीकार किया कि 24 जनवरी को ग्राम भवानीपट्टी में लड्डू में नशीला पदार्थ मिलाकर महिला को खिलाया गया था, जिसके बाद नाक की सोने की कील झपट ली गई। इसके अलावा 25/26 जनवरी तथा 27 जनवरी की रात कप्तानगंज और अहरौला क्षेत्र में दुकानों में सेंध लगाकर नकदी व सामान चोरी किया गया। एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है, जबकि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

छह दशक बाद विद्यालय को मिला रास्ता

सम्मनपुर, अंबेडकरनगर। अमृत विचार। विकासखंड अकबरपुर अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय कहरा सुलेमपुर लगभग छह दशक से रास्ता विहीन था यह विद्यालय ग्राम पंचायत गयासपुर में स्थित था। चारों तरफ से निजी बाग भूमि से घिरा हुआ था, छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को निजी बाग भूमि से होकर जाना पड़ता था। बरसात के समय तो यह विद्यालय टापू जैसा बन जाता था और आने-जाने के लिए लोगों को घोर दुश्वारियों का सामना करना पड़ता था। इस जटिल समस्या को उठाया गया। जिलाधिकारी ने इस समस्या का संज्ञान लिया और उप जिलाधिकारी जलालपुर को इस समस्या का समाधान करने के लिए मौके पर भेजा। विगत शनिवार को उप जिला अधिकारी जलालपुर राहुल गुप्ता, क्षेत्रीय लेखपाल रविकांत तिवारी, खंड विकास अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर आसपास के खातेदारों से रास्ता देने के लिए विचार विमर्श किया। जिस पर सहमति जताते हुए हरिश्चंद्र मिश्र, रामचंद्र शुक्ल आदि ने अपनी बाग के पूर्वी छोर से विद्यालय के लिए रास्ता देने पर सहमति व्यक्ति किया। उप जिलाधिकारी ने इस दरियादिली के लिए लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया और प्रधान गयासपुर के सहयोग से रास्ता बनने का कार्य प्रारंभ हो गया, जिससे क्षेत्रीय लोगों को काफी प्रसन्नता हुई।

आंगनबाड़ी संयुक्त मोर्चा ने किया प्रदर्शन

आजमगढ़। जिले में अपनी समस्याओं को लेकर आंगनबाड़ी संयुक्त मोर्चा ने बृहस्पतिवार को जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री को संबोधित मांगपत्र जिलाधिकारी को सौंपा गया। यदि समय रहते मांगों पर विचार नहीं किया गया तो आंगनबाड़ी कार्यकर्ता विवश होकर 08 मार्च को लखनऊ की ओर कूच करेंगी। जिलाध्यक्ष हेमा गुप्ता ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाएं कई दशकों से महिला व बाल विकास विभाग की आधारशिला के रूप में कार्य करते हुए पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा, टीकाकरण, मातृ-शिशु देखभाल सहित केंद्र व राज्य सरकार की अनेकों योजनाओं का सफल क्रियान्वयन करती चली आ रही हैं। इसके बावजूद आंगनबाड़ी कर्मचारियों को न तो पूर्णकालिक सरकारी कर्मचारी का दर्जा प्राप्त है और न ही उन्हें वैधानिक सामाजिक सुरक्षा व सम्मानजनक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। ज्ञापन सौंपने वालों में गूंजा बरनवाल, प्रेमशीला यादव, सुशीला देवी, रेखा बिंद, शशिकला यादव, पूनम सिंह, सुनीला देवी, बंदना मौर्या, अमिता सिंह आदि उपस्थित रहीं।

शिक्षा सामाजिक विकास की है रीढ़ : मीनाक्षी

उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रधानों को सम्मानित करतीं बीईओ मीनाक्षी सिंह।

जलालपुर, अंबेडकरनगर। अमृत विचार। प्राथमिक विद्यालय वाजिदपुर में गुरुवार को जलालपुर ब्लाक की ग्राम प्रधान, स्थानीय प्राधिकारी, जनप्रतिनिधि और प्रधानाध्यापकों की एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि खंड विकास अधिकारी दिनेश राम ने कहा कि प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों के बच्चे ही भविष्य की नींव है। बच्चों को बेहतर शैक्षिक वातावरण, स्वच्छ परिसर और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने शिक्षा क्षेत्र में ग्राम पंचायत की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से विद्यालयों की समस्याओं को प्राथमिकता पर रखने की अपील किया। खंड शिक्षा अधिकारी मीनाक्षी सिंह ने शिक्षा को सामाजिक विकास की रीढ़ बताते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से ही गांव और नगर आगे बढ़ सकते हैं। बैठक में प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला महामंत्री राजेश यादव, एआरपी अजीत कुमार, सूर्यभान, मोहम्मद अलकमा आदि मौजूद रहे। कार्यशाला का संचालन एआरपी लालधारी यादव ने किया। ग्राम प्रधान को मिला सम्मान : विद्यालयों में कायाकल्प योजना के तहत बेहतर कार्य करने वाले प्रधानों को सम्मानित किया गया। डीहभियांव के ओमप्रकाश चौरसिया, पेटियां की कुसुमलता, कासिमपुर की विजय लक्ष्मी, शेखपुरा की राजकुमारी अंशू सिंह, जगतूपुर बिल्टई के राम यश, ताजूपुर के मुकेश कुमार, पटोहा गाने पुर के दिनेश राजभर, ग्यासपुर की निर्मला देवी और जीवत के अप्रतिम नारायण को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

चैंप्स फेलिसिटेशन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राएं सम्मानित

अंबेडकरनगर, अमृत विचार। सामाजिक संस्था टीएमटी की तरफ से चैंप्स फेलिसिटेशन 2025 का आयोजन सेंट पीटर कॉलेज अकबरपुर में संस्था के सचिव नजमुल हसन रिजवी की अध्यक्षता, अबूतुराब नकवी के संयोजन और रेहान जैदी के संचालन में संपन्न हुआ। जिसमें अनेक गणमान्य लोग सम्मिलित हुए। जिसमें शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। उक्त अवसर पर नजमुल हसन रिजवी ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही राष्ट्र को सुदृढ़ किया जा सकता है। सेंट पीटर कॉलेज के प्रिंसिपल फादर बापदिस्ट डिसूजा ने कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस दौर में आगे बढने के लिए बच्चों को पढ़ाई पर अधिकाधिक ध्यान देना होगा। चैंप्स फेलिसिटेशन में 300 बच्चों ने ओलिंपियाड में भाग लिया, जिसमें 13 बच्चों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। ग्रुप-सी में स्टेट टापर रहे एसके आलमीन को 10 हजार रुपए का नगद पुरस्कार संग मेडल और प्रमाण-पत्र दिया गया। राज्य स्तर पर ग्रुप-बी में तृतीय स्थान पर प्राप्त करने वाले हुसैन मुस्तफा को 2500 रुपए का नगद इनाम के अलावा मेडल व प्रमाण-पत्र दिया। जबकि मोहम्मद अफ्फान शेख, सैयद मेहदी अकबर, अल्मास जहरा, मोहम्मद अतहर, शिफा जहरा, तहरीन रिजवी, मोहम्मद अर्सलान, अली अब्बास रिजवी तथा अब्बास मेहदी को मौलाना जाफर अली रिजवी, मौलाना औन मोहम्मद रिजवी व मौलाना शारिब अब्बास के हाथों एक-एक हजार रुपए से पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में रिजवान अब्बास, कमर अब्बास, मौलाना जामिन अब्बास, मौलाना औन मोहम्मद रिजवी, शौकत अली, मोहम्मद यासीन आदि मौजूद थे। अंत में कार्यक्रम के मुख्य संयोजक अमीर अहमद जैदी ने उपस्थितजनों के प्रति आभार प्रकट किया।

लोगों को संबोधित करते नजमुल हसन रिजवी।

छात्र, नौजवान व किसान सभी परेशान : दिलीप

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर।

अमृत विचार। पूरे प्रदेश में जंगल राज कायम है। भाजपा सरकार अपराध को रोक पाने में विफल साबित हो रही है। यदि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कानून का राज नहीं स्थापित कर पा रहे हैं, तो इन्हें अपने पद से त्यागपत्र देकर हट जाना चाहिए। उक्त बातें कटेहरी विधानसभा के ब्लाक भीटी के अंतर्गत भीखीपुर में बसपा के तत्वाधान में आयोजित बूथ स्तरीय समीक्षा बैठक में बसपा के अयोध्या मंडल के प्रभारी दिलीप कुमार विमल ने बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में जंगल राज कायम है। छात्र, नौजवान, किसान सभी लोग परेशान हैं। महिलाएं भी असुरक्षित हैं, उत्तर प्रदेश में कानून का राज कानून के द्वारा बसपा की मुखिया पूर्व मुख्यमंत्री मायावती स्थापित कर सकती हैं। इसलिए हमें आगामी दिनों में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को जीत कर 2027 में बसपा की सरकार बनानी होगी। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अयोध्या मंडल के प्रभारी जिला पंचायत सदस्य अरविंद गौतम ने कहा कि उत्तर प्रदेश की पूर्ववर्ती बसपा सरकार में पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने 26-26 जन कल्याणकारी योजनाओं को चलकर समाज के हर गरीब वर्ग के लोगों का विकास करने का काम किया है। आज समाज का हर व्यक्ति बसपा की तरफ आशा भरी निगाहों से देख रहा है, इस बार प्रदेश में मायावती के नेतृत्व में बसपा की सरकार बनेगी। बैठक का संचालन पूर्व जिला महासचिव राधेश्याम राजभर ने किया। बैठक में विधानसभा उपाध्यक्ष कुलदीप तिवारीए विधानसभा संयोजक सियाराम भारतीए अनवर अलीए आकाश अग्रहरि जीए जयप्रकाश भारती जीए पंचमए अंकित सिंह गौतमए पूर्व प्रधानाध्यापक निर्मला देवी आदि सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

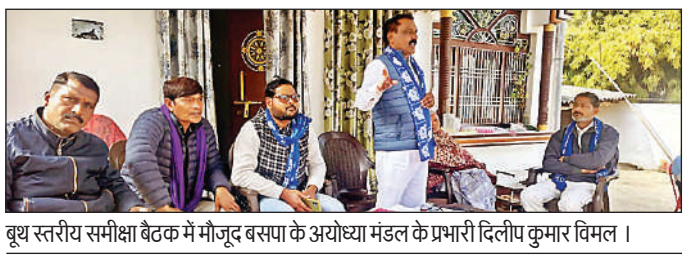

बूथ स्तरीय समीक्षा बैठक में मौजूद बसपा के अयोध्या मंडल के प्रभारी दिलीप कुमार विमल।

- अयोध्या मंडल के प्रभारी ने बूथ स्तरीय कमेटी की समीक्षा की

निर्देश

जिला निर्वाचन अधिकारी ने उच्च शिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्यों के साथ किया की बैठक

सभी पात्र मतदाताओं को सूची में कराएं शामिल : अनुपम शुक्ला

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर।

अमृत विचार। निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी जिला निर्वाचन अधिकारी अनुपम शुक्ला की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययनरत 18-19 वर्ष आयु वर्ग के सभी पात्र युवाओं का नाम मतदाता सूची में अनिवार्य रूप से सम्मिलित कराए जाने के उद्देश्य से जनपद के समस्त उच्च शिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्यों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया।

कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के समस्त उच्च शिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्यों के साथ बैठक करते जिला निर्वाचन अधिकारी अनुपम शुक्ला।

बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि प्रत्येक शिक्षण संस्था में अध्ययनरत सभी पात्र छात्र-छात्राओं को मतदाता सूची में सम्मिलित कराया जाए तथा इसके लिए ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से फॉर्म-6 भरवाकर आवेदन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र युवा मतदाता सूची में नाम दर्ज होने से वंचित न रहे। जिलाधिकारी ने इस कार्य को समयबद्ध और प्रभावी ढंग से पूर्ण कराने के लिए सभी प्रधानाचार्यों को अपने-अपने संस्थानों में एक-एक नोडल अधिकारी नामित करने, उसका नाम एवं मोबाइल नंबर उपलब्ध कराने तथा स्पष्ट जिम्मेदारी निर्धारित करने के निर्देश दिए। साथ ही यह भी निर्देशित किया कि पूर्व से मतदाता सूची में सम्मिलित छात्रों तथा अब तक नामांकन से वंचित छात्रों की सूची तैयार कर सभी पात्र युवाओं के आवेदन अपेक्षित समय में कराए जाएं।

एडीएम ने दी आवेदन की जानकारी

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ज्योत्स्ना बंधु द्वारा फॉर्म-6 के माध्यम से ऑनलाइन एवं ऑफलाइन आवेदन की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बैठक में उपस्थित समस्त उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि शिक्षण संस्थानों से ऑफलाइन प्राप्त फॉर्म-6 आवेदनों को ससमय संबंधित बीएलओ के माध्यम से प्राप्त कर नियमानुसार सभी प्रक्रियाएं पूर्ण कराई जाएं। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक प्रवीण कुमार तिवारी, समस्त उप जिलाधिकारी, समस्त तहसीलदार और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

आनंद बने समाजवादी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव

अंबेडकरनगर। अमृत विचार। सपा की लोहिया वाहिनी ने आनंद यादव को राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया है। इस नई जिम्मेदारी के लिए आनंद यादव ने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक यादव और पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव का धन्यवाद किया। नवनियुक्त राष्ट्रीय सचिव आनंद यादव ने कहा कि वह पार्टी द्वारा जताए गए विश्वास पर पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने दलितों, पिछड़े वर्गों और शोषित-वंचित समाज की आवाज को मजबूती से उठाने तथा उनके अधिकारों की लड़ाई में साथ खड़े रहने का संकल्प लिया। उन्होंने पार्टी को मजबूत बनाने के लिए उसकी नीतियों और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने की बात कही। उन्होंने कहा कि वह जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझेंगे और उनके समाधान के लिए संघर्ष करेंगे, ताकि अधिक से अधिक लोग पार्टी से जुड़ सकें। उन्होंने संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। आनंद यादव जनपद के मुबारकपुर पिकार गांव के निवासी हैं। वह पिछले नौ वर्षों से राजनीति में सक्रिय हैं।

वाहन ने बाइक सवार छात्रों को मारी टक्कर

जलालपुर, अंबेडकरनगर। अमृत विचार। जलालपुर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत परुइय्या आश्रम विद्यालय के पास गुरुवार दोपहर तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवार छात्रों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार तीन युवक गिर पड़े, जिनमें से दो को गंभीर चोटें आईं हैं, जबकि एक युवक सुरक्षित बच गया। टक्कर मारने के बाद चार पहिया वाहन मौके से फरार हो गया। बता दें कि पट्टी बिशुनपुर गांव निवासी सिद्धांत तथा सेठा कला जलालपुर निवासी अयंक पुत्र अजीत अपने एक अन्य साथी के साथ बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान परुइय्या आश्रम स्थित पेट्रोल पंप से तेल भराकर निकल रहे वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। घायलों को नगपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने दोनों गंभीर रूप से घायल युवकों को रेफर कर दिया। जलालपुर कोतवाल संतोष कुमार सिंह ने बताया कि अभी तक कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने पर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

नवागत कोतवाल धीरज ने संभाला चार्ज

लंभुआ, सुलतानपुर, अमृत विचार : नवागत कोतवाल धीरज कुमार ने लंभुआ कोतवाली का कार्यभार संभाल लिया। इससे पहले जनपद में नगर कोतवाली समेत कई थानों में अपनी सेवाएं दे चुके है। कार्यभार ग्रहण करने के बाद कोतवाल ने मीडिया से बातचीत में कहा कि क्षेत्र की जनता को निष्पक्ष,पारदर्शी व संवेदनशील पुलिसिंग का अनुभव कराना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने अपराध पर लगाम कसने के संकल्प के साथ जनता की शिकायतों का शीघ्र समाधान करना उनका लक्ष्य है। महिला सुरक्षा व नशा मुक्ति जैसे मामलों में कार्ययोजना बनाई जाएगी।

कल्पवृक्ष भगवान की हुई महाआरती

सुलतानपुर, अमृत विचार : गुरुवार को जया एकादशी के अवसर पर सायंकाल 5 :30 बजे श्री ठाकुर कल्पवृक्ष (पारिजात वृक्ष) भगवान की भव्य महाआरती संपन्न हुई। महाआरती का आयोजन विगत कई वर्षों से प्रत्येक एकादशी को कल्पवृक्ष सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में कल्पवृक्ष सेवा समिति द्वारा किया जाता रहा है। इस अवसर पर सुदामा प्रसाद यादव, गोकुल प्रसाद श्रीवास्तव, नीरज तिवारी, सत्येन्द्र पाण्डेय, सीताराम यादव, निखिल मिश्रा सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

भौगोलिक अध्ययन से लौटे विद्यार्थी

सुलतानपुर, अमृत विचार : राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के भूगोल विभाग के एम.ए. तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों का दल गुरुवार को देहरादून का शैक्षणिक भ्रमण कर वापस लौटा। भ्रमण प्रभारी असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. संतोष कुमार सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों ने देहरादून एवं मसूरी क्षेत्र की स्थलाकृति, जलवायु, प्राकृतिक संसाधन, पर्यटन विकास तथा मानव–पर्यावरण अंत :क्रिया का प्रत्यक्ष अध्ययन किया। सह प्रभारी अभिषेक शुक्ल ने कहा कि भ्रमण से विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ। छात्र–छात्राओं ने इसे ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी बताया।

मिड-डे मील सामग्री ले उड़े चोर

दोस्तपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के ग्राम बबुरीपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय में बुधवार रात चोरों ने कुंडी तोड़कर मिड–डे मील सामग्री चोरी कर ली। प्रधानाचार्य रवींद्र कुमार ने ऑनलाइन एफआईआर दर्ज कराई है। चोर गैस सिलिंडर, चूल्हा, बर्तन, 25 थाली–गिलास, कुकर व 35 किलो चावल ले गए। थाना प्रभारी के अनुसार मामले की जांच कर रही है।

जानलेवा हमले में तीन पर दोषसिद्ध

आज सुनाई जाएगी सजा, करौंदीकला थाना क्षेत्र के पूरे गजाइनपुर में 14 वर्ष पूर्व हुई थी घटना

विधि संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचार: करौंदीकला थाना क्षेत्र के पूरे गजाइनपुर गांव में 14 वर्ष पूर्व हुए जानलेवा हमले के मामले में जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुनील कुमार की अदालत ने तीन आरोपियों को दोषी करार देते हुए जेल भेज दिया है। अदालत शुक्रवार को दोषियों को जेल से तलब कर सजा सुनाएगी।

एडीजीसी मनोज कुमार दूबे के अनुसार, वादी मुकदमा शोभनाथ मिश्र के पुत्र बृजेश मिश्र पर जमीनी विवाद को लेकर हमला किया गया था। घटना उस समय हुई जब बृजेश मिश्र मकान निर्माण को रोकने मौके पर पहुंचे थे। आरोप है कि रामसूरत मिश्र और माता गुलाम के उकसावे पर पप्पू ने अवैध कट्टे से बृजेश पर फायर कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद शोभनाथ मिश्र की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर विवेचना के उपरांत तीनों आरोपियों के विरुद्ध चार्जशीट न्यायालय में दाखिल की। विचारण के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से छह गवाहों की गवाही एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने गुरुवार को तीनों आरोपियों को दोषसिद्ध करते हुए जेल भेज दिया। अब शुक्रवार को सजा पर निर्णय सुनाया जाएगा।

जानलेवा हमले के आरोपियों को राहत

सेशन जज सुनील की अदालत ने थाना जयसिंहपुर के बाहरपुर बंधवा में जानलेवा हमले के आरोपियों अखिलेश निषाद, सावंत निषाद काजल निषाद व झूरा देवी की जमानत अर्जी स्वीकार कर ली है। बचाव पक्ष के वकील अरविंद सिंह राजा के अनुसार वादिनी रागिनी निषाद की तहरीर पर बीती 23 अक्टूबर को दर्ज प्राथमिकी में आरोप लगाया गया था कि 22 अक्टूबर की शाम करीब 5 बजे पूर्व विवाद की रंजिश को लेकर गांव के कई लोगों ने उसे, उसकी मां शारदा, बहन छाया, भाई भीम और पिता अभयराज को गंदी-गंदी गालियां देते हुए लाठी-डंडा व लोहे की रॉड से पीटा, जिससे सभी को गंभीर चोटें आईं।

अधिशाषी अभियंता हत्याकांड में सीओ तलब

जल निगम के अधिशाषी अभियंता संतोष कुमार की हत्या के बहुचर्चित मामले में गुरुवार को एडीजे द्वितीय विशेष एससी-एसटी न्यायालय न्यायाधीश राकेश पांडेय की अदालत में अभियोजन गवाह सीओ प्रशांत सिंह को गवाही के लिए तलब किया है। अभियोजन की ओर से पीड़ित पक्ष के वकील अरविंद सिंह राजा के मुताबिक 17 अगस्त 2024 को अधिशाषी अभियंता संतोष कुमार की उनके घर में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। इस संबंध में मृतक के भाई संजय कुमार ने सहायक अभियंता समेत अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने सहायक अभियंता अमित कुमार शाह व आरोपी प्रदीप राम को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

दोहरे हत्याकांड में सुनवाई 2 फरवरी को

प्रधानी के चुनाव विवाद में संग्रह अमीन और उसके भतीजे के चर्चित हत्याकांड में गुरुवार को विवेचक अमर सिंह की वर्चुअल गवाही नही दर्ज हो सकी। बचाव पक्ष के वकील संतोष पांडेय ने बताया कोर्ट में दरोगा की जरिए वीडियो कान्फ्रेंसिंग गवाही दर्ज की जा चुकी है। जिनसे 2 फरवरी को नियत तारीख पर जिरह होगी। मुसाफिरखाना कोतवाली के भद्दौर निवासी संग्रह अमीन सुरेश यादव व उसके भतीजे बृजेश यादव की 27 फरवरी 2023 को चुनावी रंजिश में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

विजय नारायण सिंह हत्याकांड में सुनवाई 13 को

प्रॉपर्टी डीलर विजय नारायण सिंह हत्याकांड में अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम संन्ध्या चौधरी की अदालत में गुरुवार को अभियोजन गवाह के न आने से सुनवाई 13 फरवरी तक टल गई। एडीजीसी पवन कुमार दूबे के मुताबिक प्रॉपर्टी डीलर विजय नारायण सिंह की 7 अप्रैल 2024 को कोतवाली नगर क्षेत्र के दरियापुर तिराहे पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मामले में पुलिस ने आरोपी अजय सिंह सिलावट के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है।

दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में फास्ट ट्रैक कोर्ट में तय होंगे आरोप

संवाददाता, सुलतानपुर : जयसिंहपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में तीन माह पूर्व युवती से दुष्कर्म कर हत्या किए जाने के मामले में सेशन जज सुनील कुमार की अदालत ने वाद को फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रथम में स्थानांतरित कर दिया है। फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रथम के न्यायाधीश राकेश यादव की अदालत ने जेल में निरुद्ध आरोपी के विरुद्ध आरोप तय करने के लिए 12 फरवरी की तिथि नियत की है। एडीजीसी दान बहादुर वर्मा के अनुसार, जयसिंहपुर थाना क्षेत्र की युवती का विवाह आठ माह पूर्व अयोध्या जनपद के तारुन थाना अंतर्गत भुवनेश्वर तिवारी का पुरवा, मौजा पिछौरा निवासी अमन के साथ तय हुआ था। आरोप है कि 15 अक्टूबर 2025 को आरोपी अमन युवती के गांव आया था। घटना के समय पीड़िता खेत में चरी काटने गई थी, जहां आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म कर हत्या कर दी और शव को तालाब में फेंक दिया। मृतका के भाई की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी के विरुद्ध विवेचना पूर्ण करते हुए चार्जशीट न्यायालय में दाखिल की है।

साक्ष्य के अभाव में आरोपी बरी

सुलतानपुर : अमेठी जिले के ग्राम खैरौना अन्तू रोड बाईपास तिराहे पर लगी पुलिस टीम पर जानलेवा हमला करने के मौजा जयरामपुर ग्राम बलभद्र निवासी आरोपी लालजी वर्मा को अपर सत्र न्यायाधीश तृतीय निशा सिंह की अदालत ने गुरुवार को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। बचाव पक्ष के वकील पुरुषोत्तम यादव के मुताबिक 31 अगस्त 2007 की घटना में कांस्टेबल प्रमोद सिंह की तहरीर पर दर्ज केस में आरोप था कि चेकिंग के दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर हमला किया व उसके कब्जे से तमंचा व कारतूस बरामद किया गया। अभियोजन पक्ष आरोपी पर आरोप साबित नहीं कर सका जिस पर कोर्ट ने आरोपी को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया।

चंदन हत्याकांड के आरोपियों पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

- अमित यादव व उसके भाइयों पर लगाया गैंगस्टर एक्ट
- डीएम के गैंग चार्ट अनुमोदन के बाद की गई कार्रवाई

संवाददाता, सुलतानपुर, अमृत विचार: चंदन शर्मा हत्याकांड में शामिल आरोपियों के खिलाफ जयसिंहपुर पुलिस ने सख्त कदम उठाया है। संगठित अपराध के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत गैंग लीडर अमित यादव सहित उसके दो भाइयों पर गैंगस्टर एक्ट लगाया गया है। जिलाधिकारी सुलतानपुर द्वारा गैंग चार्ट अनुमोदन के बाद यह कार्रवाई की गई, जिससे अपराधियों में हड़कंप मच गया है।

पुलिस के अनुसार अमित यादव पुत्र स्व. रामचन्द्र यादव निवासी ग्राम बरौला थाना कूरेभार अपने भाइयों सचिन यादव और पिंटू यादव उर्फ प्रमोद कुमार यादव के साथ मिलकर लंबे समय से संगठित आपराधिक गिरोह का संचालन कर रहा था। गिरोह आर्थिक व भौतिक लाभ के लिए हत्या, हत्या का प्रयास, मारपीट, गाली-गलौज और धमकी जैसी गंभीर घटनाओं को अंजाम देता रहा है। इनके आतंक के कारण आम लोग रिपोर्ट दर्ज कराने या गवाही देने का साहस नहीं जुटा पाते थे।सबसे जघन्य मामला एक अगस्त 2025 का है, जब शाम में हुए विवाद के बाद देर शाम को आरोपियों ने कार से जानबूझकर टक्कर मारकर युवक चंदन शर्मा की हत्या कर दी थी। इस मामले में पुलिस आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल कर चुकी है। जयसिंहपुर कोतवाल प्रमोद मिश्रा का कहना है कि गैंगस्टर एक्ट के तहत अब आरोपियों की अवैध संपत्तियों को चिन्हित कर जब्ती की कार्रवाई भी की जाएगी।

किसानों को किया सोलर लाइट ट्रैप का वितरण

सुलतानपुर, अमृत विचार : विभिन्न पारिस्थितिकी संसाधनों द्वारा कीट एवं रोग नियंत्रण योजना के अंतर्गत विकासखंड दूबेपुर में किसानों को सोलर लाइट ट्रैप का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विधान परिषद सदस्य शैलेंद्र प्रताप सिंह ने किसानों को सोलर लाइट ट्रैप प्रदान किए। सहायक विकास अधिकारी (कृषि रक्षा) विकासखंड दूबेपुर अब्दुल उस्मान ने बताया कि सोलर लाइट ट्रैप कृषि रक्षा इकाई दूबेपुर पर किसानों को 75 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जिन किसान भाइयों को सोलर लाइट ट्रैप की आवश्यकता है, वे कृषि रक्षा इकाई, विकासखंड दूबेपुर से संपर्क कर सकते हैं। प्रभारी बीज भंडार आशुतोष मौर्य ने बताया कि सोलर लाइट ट्रैप के उपयोग से कृषि रसायनों के प्रयोग में कमी आएगी। यह ट्रैप प्रकाश के माध्यम से कीट–पतंगों को आकर्षित कर उन्हें नष्ट करता है, जिससे फसलों को नुकसान कम होता है और किसान कम लागत में बेहतर उत्पादन कर सकते हैं।

यूपी बार कौंसिल का चुनाव आज व कल

संवाददाता, सुलतानपुर : बार कौंसिल आफ उत्तर प्रदेश प्रयागराज के सदस्य पद के लिए जिले में 30 व 31 जनवरी को चुनाव होगा। चुनाव के लिए दीवानी कोर्ट में मतदान केंद्र बनाया गया है। एडीजे चतुर्थ जलाल मोहम्मद अकबर चुनाव के लिए नोडल अधिकारी बनाए गए हैं। बार के अध्यक्ष व महासचिव ने बताया कि 3,264 वकीलों का नाम मतदाता सूची में शामिल है। मतदान सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक होगा। 333 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। चुनाव के लिए तीन बूथ बनाये गये हे। बार अध्यक्ष ने बताया सभी अधिवक्ताओ को मतदाता पहचान पत्र सीओपी लाना अनिवार्य है।

4 को मिली विद्या वाचस्पति की मानद उपाधि

संवाददाता, सुलतानपुर

- वाराणसी के रामकटोरा स्थित महामना मालवीय सभागार में काशी विद्यापीठ ने आयाजित किया समारोह

अमृत विचार: सामाजिक सेवा, शिक्षा और हिंदी भाषा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए जनपद सुलतानपुर के सौरभ मिश्र विनम्र, ऋषभदेव शुक्ल, शिखा शुक्ल और शनि मिश्र को वाराणसी में 'विद्या वाचस्पति' की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार और समाज सेवा में निरंतर योगदान के लिए प्रदान किया गया। यह समारोह वाराणसी के रामकटोरा स्थित महामना मालवीय सभागार में काशी विद्यापीठ द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें देशभर से विद्वानों, शिक्षाविदों और समाजसेवियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रख्यात कवि डॉ. हरेंद्र हर्ष रहे।

इस मौके पर आयोजक इंद्रजीत तिवारी ने सम्मानित विभूतियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि आज के समय में हिंदी को उसकी गरिमा दिलाने के लिए ऐसे प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं।कटका क्लब के अध्यक्ष सौरभ मिश्र विनम्र के सामाजिक और पर्यावरणीय कार्यों को विशेष रूप से सराहा गया। उनके द्वारा एंबुलेंस को रास्ता देने, बेसहारा पशुओं के गले में रेडियम बेल्ट लगाने, पर्यावरण संरक्षण के लिए 1100 नीम के पौधरोपण जैसे अभियानों को प्रेरणादायक बताया गया। सौरभ मिश्र विनम्र को पूर्व में राज्य परिवहन मंत्री द्वारा सजग नागरिक सम्मान भी मिल चुका है।

विद्या वाचस्पति उपाधि के साथ युवा। ● अमृत विचार

डीएलएड प्रशिक्षुओं ने स्कूलों का किया निपुण आकलन

विंदेश्वरीगंज, सुलतानपुर

अमृत विचार: विकास खंड धनपतगंज के परिषदीय विद्यालयों में डायट सुलतानपुर के डीएलएड प्रशिक्षुओं द्वारा निपुण भारत अभियान के अंतर्गत निपुण आकलन किया गया। इस दौरान विकास क्षेत्र के कुल 126 प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालयों में कक्षा 1 एवं 2 के निपुण लक्ष्यों की प्राप्ति का परीक्षण किया गया।

ब्लॉक एआरपी अंजनी नंदन पांडेय ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत संचालित निपुण भारत अभियान के अंतर्गत राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा 28 जनवरी से 7 फरवरी तक जनपद सुलतानपुर में थर्ड पार्टी निपुण लक्ष्य आकलन कराया जा रहा है। इसी क्रम में 28 जनवरी को विकास खंड धनपतगंज के 8 तथा आज शेष 118 प्राथमिक एवं कंपोजिट स्कूलो का आकलन संपन्न कराया गया। आकलन प्रक्रिया को सुचारु रूप से संचालित करने एवं प्रशिक्षुओं को आवश्यक सहयोग प्रदान करने के लिए ब्लॉक स्तर पर कंट्रोल रूम की स्थापना की गई थी। एस.आर.जी. सत्यदेव पांडेय ने बताया कि डायट द्वारा प्रशिक्षुओं को निष्पक्ष, पारदर्शी आकलन सुनिश्चित करने को निर्देश पूर्व में जारी किए गए थे।

कथा में गूंजा नन्द के आनंद भयो...

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचार: जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के बिरईपुर गांव में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर भक्तिरस की सरिता बह उठी। श्रीधाम अयोध्या से पधारे कथा व्यास बृजेशाचार्य जी महाराज ने श्रीकृष्ण जन्म की कथा का विस्तार से वर्णन किया। जैसे ही "नन्द के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की" का जयघोष हुआ, पूरा पंडाल भक्ति भाव से सराबोर हो गया।

कथा के दौरान महाराज जी ने मातृ शक्ति का अत्यंत मार्मिक वर्णन करते हुए कहा कि बेटी की विदाई पर माता के साथ-साथ पिता को भी गहरा कष्ट होता है, किंतु पिता अपने दुःख को प्रकट नहीं करता। इसके पश्चात श्रीकृष्ण जन्म का भावपूर्ण प्रसंग सुनाया गया। वासुदेव जी द्वारा सिर पर टोकरी में भगवान कृष्ण को लेकर जाने की झांकी प्रस्तुत की गई, जिसे देख श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। "नन्द जी के आंगन में बज रही आज बधाई" जैसे सोहर भजनों पर भक्त जमकर झूमे।कथा से पूर्व मुख्य यजमान देवकली देवी पत्नी रामलाल पांडेय द्वारा आचार्य प्रवीण तिवारी, पं. राजू तिवारी व संदीप मिश्र के साथ विधि-विधान से व्यास पीठ का पूजन किया गया। कथा में श्यामलाल पांडेय, घनश्याम पांडेय, दिनेश पांडेय, अवधेश पांडेय, भगौती पांडेय, संदीप पांडेय, हर्ष पांडेय (क्रिकेटर), कृष्ण कुमार तिवारी (लल्ला), रामसुभग तिवारी, राम अवध तिवारी, रुद्र तिवारी, नारायण तिवारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कथा व्यास बृजेशाचार्य जी महाराज। ● अमृत विचार

व्यापार बंधु की बैठक में उठीं व्यापारिक समस्याएं, समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश

संवाददाता, सुलतानपुर

- कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई व्यापार बंधु की बैठक

अमृत विचार: कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में गुरुवार को व्यापार बंधु की बैठक अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में जिले के व्यापारियों ने अपनी विभिन्न समस्याएं रखीं, जिन पर अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

बैठक में व्यापारियों ने ट्रांसपोर्ट नगर में दुकानों के आवंटन में हो रही देरी, आवंटन प्रक्रिया तथा दुकानों की मरम्मत का मुद्दा उठाया। इस पर एडीएम प्रशासन गौरव शुक्ला ने तहसीलदार सदर और लोक निर्माण विभाग को एक सप्ताह के भीतर दुकानों के निर्माण का निरीक्षण कर अगली बैठक में आख्या सहित उपस्थित होने के निर्देश दिए।

सुंदलाल व्यापारी कल्याण एवं सेवा समिति द्वारा सुपर मार्केट में अतिक्रमण, दुकानों की मरम्मत व सुरक्षा व्यवस्था तथा जिला पंचायत के सामने स्थित अंबेडकर मार्केट की मरम्मत का विषय रखा गया। इस पर नगर पालिका को शीघ्र कार्रवाई कर रिपोर्ट देने को कहा गया।बैठक में नगरीय क्षेत्र में ई-रिक्शा के अवैध संचालन, अवैध स्टैंड और रूट निर्धारण की समस्या पर भी चर्चा हुई। अपर जिलाधिकारी प्रशासन गौरव शुक्ला ने ट्रैफिक मैनेजमेंट की कार्ययोजना तैयार कर जनवरी माह से चौक क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराने हेतु अभियान चलाने के निर्देश दिए।

बैठक में उपायुक्त उद्योग, जिला पूर्ति अधिकारी, विद्युत विभाग के अधिकारी, बैंकों के प्रबंधक, व्यापारी व उद्यमी मौजूद रहे।

फूटा गुस्सा — सीएम को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा, 7 मार्च तक मांगें न मानी गई तो होगा लखनऊ कूच

कार्यकत्रियों व सहायिकाओं का तिकोनिया पार्क में प्रदर्शन

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचार: आंगनबाड़ी संयुक्त मोर्चा उत्तर प्रदेश की सुलतानपुर इकाई ने गुरुवार को तिकोनिया पार्क में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के साथ जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। धरने का नेतृत्व जिलाध्यक्ष नीलम श्रीवास्तव ने किया। प्रदर्शन के उपरांत मुख्यमंत्री को संबोधित मांग पत्र सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा गया। धरनास्थल पर बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं मौजूद रहीं, जिससे तिकोनिया पार्क घंटों तक आंदोलन स्थल में तब्दील रहा।

जिलाध्यक्ष नीलम श्रीवास्तव ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं वर्षों से सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू कर रही हैं, लेकिन आज तक उन्हें सरकारी कर्मचारी का दर्जा नहीं दिया गया। संगठन की प्रमुख मांग है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं को नियमित सरकारी कर्मचारी घोषित किया जाए और उन्हें वेतन, पेंशन, ग्रेज्युटी, चिकित्सा सुविधा सहित सभी सरकारी सुविधाएं दी जाएं। मांग पत्र में सेवा निवृत्ति की आयु 65 वर्ष किए जाने, कोरोना काल से अब तक सेवानिवृत्त हुई कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को पेंशन व ग्रेज्युटी का लाभ देने, आंगनबाड़ी से मुख्य सेविका तथा सहायिका से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पद पर योग्यता व वरिष्ठता के आधार पर नियमित और समयबद्ध पदोन्नति की मांग की गई। साथ ही पदोन्नति में आयु सीमा की बाध्यता समाप्त करने पर भी जोर दिया गया।

सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपते आंगनबाड़ी कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

पोषण ट्रैकर के ऑनलाइन कार्य को लेकर भी कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जताई। संगठन ने उच्च गुणवत्ता का मोबाइल फोन खरीदने के लिए 20 हजार रुपये तथा प्रतिमाह 2500 रुपये डाटा भत्ता देने की मांग की। चेतावनी दी गई कि मांगें पूरी न होने पर अप्रैल 2026 से पोषण ट्रैकर समेत सभी ऑनलाइन कार्य बंद कर दिए जाएंगे, जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। धरने में प्रदेश उपाध्यक्ष श्यामलता सिंह, महामंत्री कनकलता त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष किरन मिश्रा, जिला मीडिया प्रभारी रीता मिश्रा, जिला संरक्षक तेरसराम पाल सहित गीता सिंह, क्षमा मिश्रा, सुलेखा तिवारी, रश्मि मिश्रा और जिले भर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाएं मौजूद रहीं। संगठन ने स्पष्ट किया कि यदि 7 मार्च 2026 तक मांगों पर ठोस निर्णय नहीं हुआ तो लखनऊ कूच किया जाएगा। जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन व प्रशासन की होगी।

अधिवक्ता विकास कुमार विधिक सलाहकार नियुक्त

लंभुआ, सुलतानपुर, अमृत विचार : नगर पंचायत क्षेत्र लंभुआ में तहसील एवं दीवानी से संबंधित भूमि विवाद, संपत्ति कर और विकास परियोजनाओं से जुड़े कानूनी दांव–पेचों से जुड़ें कार्यों के लिए नगर पंचायत लंभुआ ने विधिक सलाहकार के रूप में अधिवक्ता विकास कुमार श्रीवास्तव को नियुक्ति किया है। नगर पंचायत के निवासियों के लिए कानूनी मामलों,जैसे भूमि विवाद,नगर पंचायत के कानूनों की व्याख्या,अदालती मामलों में प्रतिनिधित्व,अनुबंधों का मसौदा तैयार करने और सरकारी नियमों का अनुपालन सुनिश्चित कराने के लिए एक विशेषज्ञ एवं कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए नियुक्ति किया गया।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

यह सूचित किया जाता है कि M/s Matani Enterprises LLP (पंजीकृत कार्यालय: 111A/72A, अशोक नगर, कानपुर 208012) के भागीदारों ने इसे M/s Matani Enterprises Private Limited में परिवर्तित करने का प्रस्ताव पास किया है।

सूचना

मैं **रानी देवी पत्नी श्री राम औतार, निवासिनी– ग्राम व पोस्ट गुगौली जनपद फतेहपुर उ0प्र0,** यहकि मेरे नाम की स्पेंलिग पूर्व में (RANEE DEVI) थी। जो कि मैने अपने नाम की स्पेंलिग को बदलकर (RANI DEVI) रख लिया है अब मुझे मेरे नाम की स्पेलिंग RANI DEVI से ही जाना जाये ।

सूचना

त्रुटिवश मेरे पासपोर्ट मे मेरा नाम एकता अंकित हो गया है, जबकि मेरा वास्तविक नाम आधार कार्ड एवं अन्य अभिलेखों में एकता दुबे (EKTA DUBEY) है। मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **एकता दुबे पुत्री ब्रह्मानंद द्विवेदी बेलहर कलां, सन्त कबीर नगर उत्तर प्रदेश 272199**

सूचना

मैं विनय कृष्ण पाल पुत्र श्री छोटे लाल पाल निवासी गली नं.–2बी, आशाराम बाबू आश्रम, सिटी मार्डन आकेडमी स्कूल, लखनऊ, मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण–पत्र में शिरशा पाल नाम अंकित है। जबकि अन्य कागज जैसे आधार में वान्या पाल नाम अंकित है। मेरी पुत्री को अब वान्या पाल के नाम से जाना व पहचाना जाता है।

सूचना

मेरे पासपोर्ट मे मेरा नाम वीरेश धर लिख गया है जबकि मेरे आधार कार्ड,पेन कार्ड एवं अन्य अभिलेखों में मेरा नाम वीरेश धर दुबे (VIRESH DHAR DUBEY) है, मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **वीरेश धर दुबे पुत्र ब्रह्मानंद द्विवेदी बेलहर कलां सन्त कबीर नगर उत्तर प्रदेश 272199**

सूचना

मैने अपना नाम SHABNAM SULTANA से बदलकर SHABNAM ARA रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-KHALID FAISAL ADD-46, TAIGORE MARG,NADWA CAMPUS,DALIGANJ, NEW HYDERABAD,DIST-LUCKNOW-226007 (U.P.)

सूचना

मैने अपने (माइनर) पुत्र का नाम AZHAAN MOHAMMADMUSTAK PENDARI से बदलकर AZHAAN PENDARI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MOHAMMAD MUSTAK PENDARI ADD-529A/239, MATEEN PURWA, NEAR FATIMI MASJID,KHURRAM NAGAR,VIKAS NAGAR, DIST-LUCKNOW-226022 (U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम TANIYA SINGH से बदलकर TANIYA PUNN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। C/0-ANADI PUNN ADD-802 SECTOR-24, KALYAN GARDEN VIEW APPARTMENT PO-INDIRA NAGAR DIST-LUCKNOW-226016 (U.P)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम बृजेश कुमार पुत्र अयोध्या प्रसाद ग्राम कुशल खेड़ा पोस्ट पहुरी तहसील लालगंज जिला रायबरेली का निवासी हूं। मेरी वास्तविक जन्म तिथि 18/04/1975 है। मेरा मूल पता उपरोक्त है।

NOTICE

It is informed that the Date of Birth of Alizah Azaz, D/O Azaz Ahmad Ansari, R/O Moh-Baddha, Sikanderpur, Ballia (U.P.), recorded in school as 10.03.2015, is incorrect. The correct Date of Birth is 10.03.2016 as per Government records. All concerned may note this for future reference.

सूचना

मेरे सुपुत्र अभिराम त्रिवेदी के शैक्षिक प्रमाण पत्र एवं अन्य अभिलेखों में अभिराम त्रिवेदी दर्ज है। जबकि किसी कारणों एवं त्रुटिवश उसके आधार कार्ड नंबर – 2000,5884, 8460 में अभिनाश त्रिवेदी हो गया है। उसे अभिराम त्रिवेदी के नाम से जाना व पहचाना जाए। **धीरज त्रिवेदी पुत्र सन्तोष कुमार त्रिवेदी निवासी-गंगाबक्श पुरवा, बिलग्राम रोड (हरदोई)**

लापता सूचना

मेरे पति विजय जायसवाल पुत्र स्व. भगौती प्रसाद जायसवाल दि.17/06/1991 को अपनी स्कूटी-UP32/DS-6234 से अमीनाबाद गये थे जो आज तक वापस घर नही आये। जिसकी प्रथम सूचना रिपोर्ट तत्काल थाना-गाजीपुर, लखनऊ में मेरे द्वारा दर्ज करायी गयी थी। यदि किसी व्यक्ति को इनके बारे में कोई जानकारी हो तो मेरे निम्न पते पर सूचित करने की कृपा करें। विजय जायसवाल का अन्य विवरण इस प्रकार है –कद–5 फिट 5 इंच, रंग–हल्का सांवला, इकहरा शरीर। शान्ती जायसवाल, म.नं.–ए–1325/4, इन्दिरा नगर, निकट मीना मार्केट, लखनऊ।

सूचना

मैं **राफिक पुत्र नूर मोहम्मद निवासी ग्राम तकिया बदलगढ़ मजरे अहमदपुर थाना व विकाससखण्ड बाजारशुकुल परगना जगदीशपुर तहसील मुसाफिरखाना जनपद अमेठी,** मेरे पुत्र इमरान जिनका चाल चलन ठीक न होने के कारण उन्हें अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूँ। अब मेरा व उसके परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सम्बन्ध आज से नहीं रहेगा। इमरान के कृत्यों से सामाजिक व पारिवारिक व्यवहारों को देखते हुए मैं यह कार्य कर रहा हूँ। यदि उक्त कोई भी गलत कार्य करते है तो उसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगे मेरा व उसके किसी परिजनों का कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे ड्राइविंग लाइसेंस संख्या UP7520110013292 (आनलाइन आवेदन संख्या 4815587822) में नाम व पते की प्रविष्टि त्रुटिवश गलत दर्ज हो गई है। उक्त ड्राइविंग लाइसेंस में मेरा नाम जयनेन्द्र कुमार पुत्र राम खखन अंकित हो गया है, जबकि मेरा सही नाम ज्ञानेन्द्र कुमार पुत्र रामलखन है। इसी प्रकार पता भी गलत अंकित हो गया है, जबकि मेरा सही पता ग्राम–पुर्वा वर, पोस्ट– रूरूगंज, तहसील– बिधूना, जनपद– औरैया है। उक्त त्रुटि के संशोधन हेतु संबंधित विभाग में आवेदन किया जा रहा है। **–ज्ञानेन्द्र कुमार पुत्र रामलखन ग्राम–पुर्वा वर, पोस्ट– रूरूगंज तहसील– बिधूना (औरैया)**

सूचना

मैं **अबनाश सिंह पुत्र अनगपाल सिंह, निवासी –ग्राम राजापुर पोस्ट जाफराबाद जनपद कन्नौज,** मेरी हाईस्कूल की अंक तालिका में अबनाश सिंह अंकित है तथा मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम अबिनाश सिंह अंकित हो गया है जो कि गलत है। जबकि मेरा सही नाम अबनाश सिंह (ABNASH SINGH) है। अत: मेरे आधार कार्ड में अशुद्ध नाम अबिनाश सिंह के स्थान पर पर शुद्ध नाम अवनाश सिंह (ABNASH SINGH) अंकित किया जाय।

सूचना

मै **राम धीरज पुत्र राम औतार निवासी रसूलपुर ब्लाक हरख तहसील नवाबगंज जनपद बाराबंकी उ0प्र0** , मेरी पुत्री के आधार कार्ड सं0–3277 5755 2279 में उसका नाम (depile) पुत्री Pushpa Devi अंकित है जोकि गलत है जबकि पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र पर उसका सही नाम दीपाली (DEEPALI) है जिसकी जन्मतिथि 13.11. 2012 जो सत्य व सही है। अत: मेरी पुत्री का सही नाम दीपाली (DEEPALI) पुत्री राम धीरज अंकित किया जाय।

सूचना

मैं शमरीन खां पुत्री अबरार खां निवासी ग्राम हाजीपुर पो0 बेलगवां तह0 व जिला सीतापुर की हूँ। मैने हाईस्कूल की परीक्षा सन् 2021 में सेवाश्रम इण्टर कालेज काजीकमालपुर सीतापुर से संस्थागत छात्रा के रूप में उत्तीर्ण किया था। जिसका अनुक्रमांक–210970914 है, मेरा हाईस्कूल का मूल अंकपत्र सह प्रमाणपत्र तीन वर्ष पहले कहीं खो गया है। काफी तलाश किया परन्तु अंकपत्र सह प्रमाणपत्र नहीं मिल सका है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम राम किरसन पुत्र राम लखन,पता पूरे अकबर, पोस्ट कोटवा मोहम्मदाबाद, जनपद रायबरेली है। मेरे आधार कार्ड व बैंक पासबुक में मेरा नाम राम किरसन है। मैने भारतीय जीवन बीमा निगम में एक बीमा कराया था। जिसकी पॉलिसी सं. 236533692 है, जिसमें मेरा नाम कृष्णा कुमार पुत्र राम लखन अंकित है। उक्त दोनों नाम मेरे ही है मुझे दोनों नामों से जाना और पहचाना जाता है।

न्यूज ब्रीफ

एडीओ के निरीक्षण में गायब मिले दो कर्मचारी

कटरा बाजार, अमृत विचार : गुरुवार को ब्लॉक ग्राम पंचायत परसौना में पंचायत भवन, सामुदायिक शौचालय व आरआरसी सेंटर का सहायक विकास अधिकारी पंचायत प्रीतम श्रीवास्तव ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पंचायत भवन पर पंचायत सहायक एवं ग्राम सचिव अनुपस्थित मिले जिससे एडीओ ने नाराजगी जताई। एडीओ पंचायत ने बताया कि दोनों कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर एक सप्ताह के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया है। उन्होंने कहा कि सरकारी कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और संतोषजनक जवाब न मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज

कटरा बाजार, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के एक गांव में दहेज उत्पीड़न का मामला सामने आया है जिसमें स्थानीय थाने पर मुकदमा दर्ज किया गया है। खजुहा अवस्थी पुरवा माधवपुर निवासी जगदंबा ने बताया कि अपनी बेटी वंदना की शादी तीन वर्ष पूर्व जनपद बाराबंकी के रामनगर थाना हथोइया गांव निवासी श्याम उर्फ आदर्श के साथ हिंदू रीति-रिवाज के साथ की थी। शादी के बाद से दहेज में मोटरसाइकिल बुलेट के लिए ससुरालजन प्रताड़ित करते थे, मामले में कई बार सुलह-समझौता भी हुआ। मार्च माह में पति, ससुर कमलेश कुमार, सास सीता देवी व शारदा कुमार ने उसकी बेटी को मारपीट कर घर से भगा दिया। बिना दहेज के वापस आने पर जान से मारने की धमकी भी दी। प्रभारी निरीक्षक विवेक त्रिवेदी ने बताया कि उक्त मामले में पति सहित चार लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

गुरसड़ी में बंद जल निकास खोलने की मांग

करनैलगंज, अमृत विचार : गुरसड़ी में करीब एक दर्जन घरों की जल निकासी बंद होने से ग्रामीण परेशान है। घरेलू पानी न निकलने के कारण बीमारी फैलने का खतरा है। ग्रामीणों ने एसडीएम को शिकायती पत्र देकर बताया कि कैलाश नाथ के घर से राम प्रताप के घर तक जाने वाली नाली बंद हो गई है। प्रधान, वीडीओ व बीडीओ को आवेदन देने के बावजूद समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों ने नाली खुलवाने के साथ चंदा लगाकर बंबी डलवाने की अनुमति मांगी है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि राम प्रताप से शैलेंद्र के घर तक मुख्य नाले से जुड़ी नाली पहले ही राजस्व टीम व पुलिस द्वारा बनवाई जा चुकी है, उसी से उनके घरों की नाली जोड़ने की मांग की गई है। एसडीएम नेहा मिश्रा ने राजस्व निरीक्षक व एसएचओ परसपुर को मौके की जांच कर कार्यवाही के निर्देश दिए हैं।

ककरही घाट पर 8.35 करोड़ से बनेगा पक्का पुल

मिली सौगात : मेहनौन विधायक ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच किया पुल निर्माण का शिलान्यास

संवाददाता गोंडा

पूजन कर पुल निर्माण का शिलान्यास करते मेहनौन विधायक विनय कुमार द्विवेदी व अन्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार : मेहनौन विधानसभा क्षेत्र के उजैनी कला नवडिहवा भोरहा मार्ग पर पड़ने वाली बिसुही नदी के ककरही घाट पर पक्के पुल का निर्माण कराया जायेगा। इस पुल के निर्माण पर 8.35 करोड़ रुपये खर्च किए जायेंगे। यह पुल 54 मीटर लंबा होगा और इसकी चौड़ाई टू लेन की होगी। पुल निर्माण के साथ एप्रोच और पहुंच मार्ग भी बनाया जायेगा। इस पुल के बन जाने से धानेपुर दतौली मार्ग सीधे याकूबगंज बाजार से जुड़ जायेगा इससे उज्जैनी कला गांव के लोगों को गोंडा मुख्यालय जाने में आसानी होगी। गुरुवार को मेहनौन विधायक विनय कुमार द्विवेदी ने इस पुल निर्माण कार्य का शिलान्यास किया।

मेहनौन विधानसभा क्षेत्र के नौडिहवा गांव के समीप बिसुही नदी पर पुल न होने से लोगों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। इस नदी पर कई वर्षों से बड़े पुल की मांग की जा रही थी। चुनाव के वक्त विनय द्विवेदी ने इस पर पुल निर्माण का वादा किया था। विधायक निर्वाचित होने के बाद वह लगातार पुल निर्माण की पैरवी में लगे थे। विधायक की पैरवी पर सरकार ने यहां पुल निर्माण की स्वीकृति दी है और इसके लिए 8.35 करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया है। अपने वादे को पूरा करते हुए विधायक विनय द्विवेदी ने बृहस्पतिवार को इस पुल के निर्माण की आधारशिला रखी। उन्होंने विधिवत पूजन कर निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों में पहले जो मेहनौन बीमार हुआ करता था अब उसका उपचार किया जा रहा है। पूरे क्षेत्र में सड़क बिजली और पुल निर्माण का कार्य चल रहा है। धानेपुर दतौली मुख्य मार्ग पर भोरहा गांव के समीप एक पुल बनकर तैयार हो चुका है। अब इस पुल के निर्माण से इस क्षेत्र के लोगों को राहत मिलेगी।

इस दौरान सांसद प्रतिनिधि के रूप में कमलेश पांडेय, चेयरमैन प्रतिनिधि मंशाराम वर्मा, पूर्व जिला मंत्री भाजपा चंद्रप्रकाश शुक्ल, फूलचंद तिवारी, अभिषेक मिश्र, ऊषा निषाद, सुनीता निषाद, अभय सिंह, मुनीन्द्र शर्मा, रमेश सिंह, अरुण कुमार शुक्ल, दद्दन शुक्ला, विनीत मिश्र, सूर्यभान दूबे, धर्मेंद्र सिंह, हरिश्चंद्र वर्मा, श्याम सिंह, कमल सिंह, केके तिवारी, विपुल मिश्र, दिनेश निषाद सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

घटेगी मुख्यालय की दूरी, किसानों को मिलेगा लाभ

गोंडा, अमृत विचार : नौडिहवा गांव के तक ककरही घाट पर पुल निर्माण के बाद यहां से मुख्यालय की दूरी करीब 20 किमी घट जायेगी। पहले नौडिहवा गांव के लोगों को गोंडा मुख्यालय जाने के लिए याकूबगंज से बाबागंज और धानेपुर बाजार होते हुए जाना पड़ता था। अब वह सीधे इस पुल से महज 10 किमी की दूरी तय कर धानेपुर पहुंच जायेंगे। इसी तरह मनकापुर जाने के लिए उन्हे अब रेहरा नहीं जाना होगा। गन्ना किसानों को भी इस पुल के निर्माण से फायदा मिलेगा। नौडिहवा और आसपास के गांव के किसान पहले चीनी मिल जाने के लिए रेहरा जाने वाले मार्ग का प्रयोग करते थे लेकिन उप वह सीधे इस पुल से मनकापुर चीनी मिल पहुंच सकेंगे।

10 साल पहले 54 लाख की लागत से बना था डिप ब्रिज

गोंडा, अमृत विचार : जिस स्थान पर यह पुल स्वीकृत हुआ है, उसी स्थान पर 10 साल पहले वर्ष 2016 में सांसद कीर्तिवर्धन सिंह ने डिप ब्रिज का निर्माण कराया था। उसके पहले यहां नाव के जरिए लोगों को नदी पार करनी पड़ती थी। स्थानीय लोगों की मांग पर बनाए गए इस डिप ब्रिज के निर्माण पर सांसद निधि से 54 लाख रुपये खर्च हुए थे लेकिन इसकी उंचाई न होने के कारण बरसात के मौसम में यह ब्रिज पानी में डूब जाता था जिससे बरसात के चार महीने इस मार्ग से आवागमन बंद हो जाता था। लोग इस पुल के स्थान पर बड़े पुल निर्माण की मांग कर रहे थे।

गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न होने पर आईजी सख्त

समीक्षा करते आईजी अमित पाठक। ● अमृत विचार

गोंडा, अमृत विचार : मिशन शक्ति अभियान 5 .0 की प्रभावी निगरानी एवं सुदृढ़ क्रियान्वयन सुनिश्चित किए जाने के उद्देश्य से पुलिस महानिरीक्षक, देवीपाटन परिक्षेत्र अमित पाठक ने परिक्षेत्र स्तर पर अभियान से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की लगातार गहन समीक्षा की जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार को थाना परसपुर की समीक्षा की गई। पाया गया कि मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत थाना परसपुर द्वारा की गई कार्यवाहियों, अभिलेखों के संधारण एवं सूचनाओं के अंकन में मानक संचालन प्रक्रिया के अनुरूप कार्य न किए जाने की स्थिति सामने आई। इसके साथ ही काउंसलिंग प्रक्रिया, निरोधात्मक कार्यवाही, निस्तारित प्रकरणों के फीडबैक संकलन, एंटी रोमियो अभियान तथा जनसुनवाई से संबंधित कार्यों में अपेक्षित गुणवत्ता एवं संवेदनशीलता का अभाव पाया गया। इन कमियों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस महानिरीक्षक ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि मिशन शक्ति अभियान से जुड़े प्रत्येक बिन्दु पर पूरी गंभीरता, संवेदनशीलता एवं गुणवत्ता के साथ कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

शिक्षा चौपाल में मेधावी बच्चे सम्मानित

शिक्षा चौपाल में सम्मानित बच्चे। ● अमृत विचार

इटियाथोक, गोंडा, अमृत विचार : निपुण भारत मिशन के अंतर्गत इटियाथोक ब्लॉक न्याय पंचायत करम डीह कला समेत कई न्याय पंचायत में शिक्षा चौपाल संपन्न हुई। करम डीह कला के प्राथमिक विद्यालय रमवापुर में शिक्षा चौपाल आयोजित हुई। अध्यक्षता नोडल संकुल प्रभारी राम अचल ने की। मुख्य अतिथि बीईओ गीतांजलि एवं बीईओ झंझरी उपेंद्र त्रिपाठी मौजूद रहे। भीकमपुर की छात्रा अनामिका जो कि ओलंपिक की तैयारी कर रही है उसको पुरस्कार देकर उत्साह वर्धन किया। प्रतिभाशाली बच्चों को मेडल एवं पुरस्कार दिए गए। एआरपी मनोज दीक्षित ने उत्कृष्ट शिक्षकों का उत्साह वर्धन किया। एआरपी सुनील कुमार शिक्षक मनोज मिश्रा, दिलीप गुप्ता, विवेक, मोहम्मद हामिद अंसारी, बिलाल अहमद, सौरभ मिश्रा आदि मौजूद रहे।

मतदाता जागरूकता अभियान में युवा निभाएं भागीदारी

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में शामिल युवा। ● अमृत विचार

गोंडा, अमृत विचार : मेरा युवा भारत गोण्डा के तत्वावधान में राष्ट्रीय मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन श्री लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय के बीएससी कैंपस में हुआ। वनस्पति विज्ञान की विभागाध्यक्ष डॉ. रेखा शर्मा तथा राज्य प्रशिक्षक डॉ. रजनी कान्त तिवारी मुख्य वक्ता रहे। संचालन कृष्ण मोहन त्रिपाठी ने किया। भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. रेखा शर्मा ने कहा कि मतदान राष्ट्र के प्रति नैतिक कर्तव्य है। डॉ. रजनी कान्त तिवारी ने मतदाता जागरूकता अभियानों में युवाओं की भूमिका पर जोर दिया। कार्यक्रम में डॉ. स्मृति शिशिर, करुणेश दूबे ने विचार रखे। योगेश तिवारी, शिवम पाठक, आयुष, अर्पित श्रीवास्तव, डॉ ड्रिंकल यादव, मानसी पाण्डेय, डॉ विनय पाण्डेय, अमित दूबे, अनुष्का पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

नुक्कड़ नाटक से दिया नशा मुक्ति का संदेश

कार्यक्रम में मौजूद बच्चे व अन्य लोग। ● अमृत विचार

गोंडा, अमृत विचार : पूर्वांचल ग्रामीण विकास संस्थान की तरफ से संचालित उत्थान फेलोशिप कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम पंचायत सोनबरसा पोखरा में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं नशा मुक्ति पर आधारित नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन पीजीवीएस के फेलो साथी मंजीत कुमार, प्रदीप कुमार, प्रेम प्रकाश, नूरजहां, अलका सहित बंधुत्व मंच के सदस्यों के सहयोग से किया गया। बच्चों एवं सदस्यों ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर समाज को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। मुख्य वक्ता संत छोटे बाबा थे। इस मौके पर बंधुत्व मंच के सदस्य रामप्यारे, शत्रोहन, मनीष, बाबूराम, राजाराम, भानु प्रताप सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

पुलिस फोर्स ने किया रूट मार्च

रूट मार्च करते हुए फोर्स के जवान। ● अमृत विचार

कटरा बाजार, अमृत विचार : आगामी त्योहार और पंचायत चुनाव के मद्देनजर जिले में शांति व सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए गुरुवार को कटरा बाजार कस्बे में पुलिस व आरएएफ के जवानों ने फ्लैग मार्च किया। प्रभारी निरीक्षक विवेक त्रिवेदी ने बताया कि आर.ए.एफ के असिस्टेंट कमांडेंट प्रेम प्रकाश के नेतृत्व ने जवानों ने अतिसंवेदनशील मार्गों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में गश्त किया गया।

धोखाधड़ी के मामले में केस दर्ज करने का आदेश

गोंडा, अमृत विचार : न्यायालय द्वितीय अपर सिविल जज (जू.डि) प्रतिभा शुक्ला ने बैंक में कूटरचित प्रपत्र (खेतौनी) दाखिल कर छलपूर्वक बैंक से धोखाधड़ी और सरकारी धन का अनुचित तरीके से आहरण करने के मामले में स्टेट बैंक कृषि विकास शाखा के प्रबंधक के आवेदन पर विपक्षी विजय शंकर निवासी ग्राम लाल नगर कलहंस पर थाना कोतवाली नगर को एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। स्टेट बैंक के अधिवक्ता सरदार राजेन्द्र सिंह खुराना ने बताया कि विपक्षी विजय शंकर ने अपने कृषकीय भूमि पर 20 अगस्त 2013 को दो लाख अठहत्तर हजार रुपये भारतीय स्टेट बैंक कृषि शाखा से केसीसी ऋण प्राप्त किया तथा बंधक भूमि को दूसरे को विक्रय कर दिया और बैंक में झूठा शपथ पत्र भी दिया कि ऋणी ने इससे पूर्व किसी संस्था से ऋण प्राप्त नहीं किया न ही बिना ऋण अदायगी के किसी भी संस्था या बैंक से ऋण लेगा या विक्रय करेगा। आरोपी ने बैंक के साथ कूटरचित प्रपत्र खेतौनी दाखिल कर छलपूर्वक के साथ धोखाधड़ी करते हुए अनुचित तरीके से धन आहरण कर लिया है जो आपराधिक कृत्य है।

गोंडा के युवक की चंडीगढ़ में चाकू से गोदकर हत्या

इटियाथोक, गोंडा

अरुण कुमार तिवारी (फाइल फोटो)

अमृत विचार : गोंडा के इटियाथोक थाना क्षेत्र के एक युवक की चंडीगढ़ में चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। वह वहां कई साल से रहकर आटो चलाने का का कार्य करता था। घटना की सूचना मिलने पर परिजन चंडीगढ़ रवाना हो गए हैं। परिवार में कोहराम मचा है।

इटियाथोक थाना क्षेत्र के करुआ पारा गांव निवासी अरुण कुमार तिवारी (35) रोजी-रोटी कमाने चंडीगढ़ गया था। कई साल से वह वहां टेंपो चालक के तौर पर कार्य करता था। बुधवार की रात आपसी विवाद के चलते उसके साथियों ने चाकू से हमला कर हत्या कर दी। बताया जाता है कि घटना रात एक बजे के करीब हुई। हत्या की सूचना से परिवार में कोहराम मच गया। करुवापारा के ओम प्रकाश तिवारी का पुत्र अरुण कुमार तिवारी अपने भाई करण कुमार तिवारी के साथ चंडीगढ़ में रहकर काफी समय से टेंपो चलाता था। इसी से उसके परिवार का जीवन यापन हो रहा था। चंडीगढ़ के रेलवे स्टेशन के पास रात करीब 1:00 बजे अरुण कुमार तिवारी की उसके साथियों ने आपसी विवाद के चलते उस पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पूर्व प्रधान धीरेंद्र तिवारी ने घटना के बारे में बताया कि परिजन चंडीगढ़ पहुंच गए हैं और शव लेकर घर के लिए रवाना हो गए हैं।

मुंबई में हादसे में धानेपुर के युवक की मौत

धानेपुर, गोंडा, अमृत विचार:

हरिबक्श (फाइल फोटो)

मुंबई में हुए एक हादसे में धानेपुर क्षेत्र के रहने वाले एक युवक की मौत हो गयी। युवक की मौत से उसके परिवार में कोहराम मचा है।

धानेपुर थाना क्षेत्र के दत्त नगर सीरपुरवा का रहने वाला हरिबक्श अपने छोटे भाई जसवंत के साथ करीब एक दशक से मुम्बई में रहकर पीओपी का काम करता था। दो दिन पहले काम के दौरान हरिबक्श एक बिल्डिंग की दसवीं मंजिल से नीचे गिर गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गयी। गुरुवार को जसवंत अपने भाई हरिबक्श का शव एम्बुलेंस से लेकर घर पहुंचा तो घर परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी बच्चों और परिवार वालों का रो कर हाल बेहाल हो गया।

स्कूल बस की टक्कर से युवक की गयी जान

वजीरगंज, गोंडा, अमृत विचार

अनूप गोस्वामी (फाइल फोटो)

: गुरुवार सुबह सड़क हादसे में एक युवक की जान चली गई। परसहवा गांव निवासी अनूप गोस्वामी (19) रोज की तरह दूध बेचने के लिए घर से पैदल शेरापुर चौराहे की ओर जा रहा था, लेकिन रास्ते में एक निजी स्कूल बस ने उसे कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

अनूप पुत्र शिव प्रकाश गोस्वामी सुबह घर से निकला था। जैसे ही वह नहर रोड पर पहुंचा, तभी ग्रीन वर्ड पब्लिक स्कूल की बस ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। ही वजीरगंज पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। थानाध्यक्ष विपुल कुमार पांडेय ने बताया कि मृतक के पिता शिव प्रकाश गोस्वामी की तहरीर पर बस मालिक/चालक झिनकन चौधरी निवासी बेलिया के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर आरोपी चालक की तलाश की जा रही है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक सवार को कुचला, केस

नवाबगंज, गोंडा, अमृत विचार : तरबगंज के मुजेड़ गांव निवासी श्याम नारायण सिंह ने थाने पर दी तहरीर में बताया कि उनके सगे भाई प्रदीप नारायण सिंह बीते 25 जनवरी की सुबह बाइक से ड्यूटी जा रहे थे। बलई पुरवा मोड़ के पास ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल के भतीजे विनय सिंह ने बताया कि प्रदीप को अयोध्या के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है थाना अध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

तुलसीपुर माझा में निर्विरोध कार्यवाहक प्रधान बनीं अंकिता

नवाबगंज, गोंडा, अमृत विचार:

अंकिता सिंह, कार्यवाहक प्रधान।

तुलसीपुर माझा में गुरुवार को कार्यवाहक प्रधान के चयन को लेकर खुली बैठक हुई। चयन प्रक्रिया कड़ी सुरक्षा में संपन्न कराई गई। तीन थानों की पुलिस फोर्स के साथ सीओ तरबगंज स्वयं मौजूद रहे।

निवर्तमान प्रधान पिंकी सिंह ने लगभग दो माह पूर्व निजी कारणों से अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। गुरुवार को कंपोजिट विद्यालय प्रांगण में खुली बैठक हुई। बैठक में एडीओ पंचायत नंद कुमार, सीओ तरबगंज यूपी सिंह, वीडीओ अमित पटेल एवं राजेंद्र कुमार मौजूद रहे। एडीओ पंचायत ने बताया कि ग्राम पंचायत में 15 सदस्य पद हैं, जिनमें से एक पद रिक्त है। शेष 14 सदस्यों में से तीन सदस्य बैठक में उपस्थित नहीं हुए, 10 सदस्यों ने अंकिता सिंह पत्नी लक्ष्मण सिंह के नाम पर सहमति जताई। सदस्यों की सहमति के बाद अंकिता सिंह को निर्विरोध कार्यवाहक ग्राम प्रधान मनोनीत कर दिया गया।

अति संवेदनशील गांव होने के कारण रही विशेष सुरक्षा व्यवस्था : थानाध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि तुलसीपुर माझा को अति संवेदनशील की श्रेणी में रखा गया है, इसी वजह से तीन थानों की पुलिस फोर्स तैनात की गई थी। उन्होंने बताया कि पूरी प्रक्रिया बिना किसी व्यवधान के शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

बिना अनुमति के उजाड़ दिया वन

खरगूपुर, गोंडा, अमृत विचार: बिना अनुमति चोरी से सागौन के 109 पेड़ काटे जाने के मामले में वन विभाग ने तीन ठेकेदारों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है। रुपईडीह बीट के वनरक्षक समीर रंजन ने थाने में दर्ज करायी रिपोर्ट में कहा है कि घनश्याम ने सागौन के 26 पेड़, श्रवण ने 10 पेड़ सागौन, गरीबदास ने सात पेड़ आम, मो. सईद ने 29 पेड़ सागौन तथा मुंशी ने सागौन के 21 पेड़ एवं रविंद्र ने 25 सागौन के पेड़ ठेकेदारों के हाथ लाखों रुपए में बेच दिया। आरोप है कि ठेकेदार बिना परमिट पेड़ों को काटकर मौके से उठा ले गए। वनरक्षक समीर रंजन ने घनश्याम मौर्य, अवधेश गिरी तथा संतोष वर्मा के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है। प्रभारी निरीक्षक शेषमणि पांडेय ने बताया कि जांच की जा रही है।

यूजीसी के खिलाफ सवर्ण समाज का प्रदर्शन

करनैलगंज, अमृत विचार : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों के विरोध में गुरुवार को सवर्ण समाज के लोग सड़क पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों ने नियमों को काला कानून बताते हुए सरकार और यूजीसी के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। प्रदर्शन के करीब दो घंटे बाद ही सर्वोच्च न्यायालय ने रोक लगा दी लेकिन युवाओं ने कहा कि जब तक पूर्ण समाधान नहीं होगा तब तक विरोध होगा।

पीडब्ल्यूडी डाक बंगले से शुरू हुए प्रदर्शन में सवर्ण एकता जिंदाबाद और यूजीसी वापस लो के नारे लगाते हुए सैकड़ों लोग तहसील परिसर पहुंचे। वहां प्रदर्शन के बाद राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार अतुल पाल को सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया कि यूजीसी के नए नियम शिक्षा के मूल सिद्धांतों और समानता के संवैधानिक अधिकारों के खिलाफ हैं। इससे शिक्षा व्यवस्था में भेदभाव को बढ़ावा मिलेगा, जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्रदर्शन में परसपुर विकास मंच के डॉ. एके सिंह, ज्वाला प्रसाद तिवारी, प्रतापबली सिंह, राहुल सिंह, पुनीत सिंह, भोलू सिंह, अमन सिंह, विवेक सिंह, राघवेंद्र सिंह, मनोज सिंह, विनोद सिंह, प्रमोद सिंह, अजय पुरवार, कुलदीप सिंह, लक्ष्मी शंकर तिवारी, सत्येंद्र सिंह, वीरेंद्र सिंह, शिवेंद्र सिंह, गंगेश सिंह, अरुण सिंह, प्रदीप सिंह, अंकुश दीक्षित सहित सैकड़ों लोग शामिल रहे।

यूजीसी बिल को लेकर प्रदर्शन करते युवा। ● अमृत विचार

समस्या वाहनों की बेतरतीब कतारों से लग रहा जाम, उठा सवाल-अवैध टैक्सी स्टैंड पर कब होगी कार्रवाई

घंटाघर की सुंदरता पर टैक्सी स्टैंड का दाग

नवाबगंज, गोंडा

नवाबगंज कस्बे के घंटाघर के पास खड़े ई-रिक्शा। ● अमृत विचार

अमृत विचार : पालिका प्रशासन जहां एक ओर शहर को अतिक्रमणमुक्त और सुंदर बनाने के लिए लगातार कार्रवाई कर रहा है, वहीं दूसरी ओर शहर के सबसे व्यस्त और प्रमुख स्थान घंटाघर और तिकोना पार्क प्रशासनिक लापरवाही की से अवैध टैक्सी स्टैंड में तब्दील होते जा रहे हैं। इन स्थानों पर दिनभर वाहनों की अव्यवस्थित कतारें जाम का कारण बन रही हैं, जिससे नागरिकों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

नगर पालिका द्वारा ऐतिहासिक घंटाघर का हाल ही में सौंदर्यीकरण कराकर उसे नया स्वरूप दिया गया था, लेकिन टैक्सी चालकों ने यहां अपने वाहन खड़े कर पूरे क्षेत्र की व्यवस्था बिगाड़ दी है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि घंटाघर जैसे ऐतिहासिक स्थल के चारों ओर वाहनों का जमावड़ा इसकी सुंदरता को ग्रहण लगा रहा है, जो किसी भी तरह से स्वीकार्य नहीं है। उधर तिकोना पार्क से तरबगंज जाने वाले मार्ग पर हालात और भी बदतर बने हुए हैं। सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े टैक्सी और अन्य वाहन यातायात को पूरी तरह बाधित कर रहे हैं। स्थिति यह है कि पैदल चलने वालों के लिए भी जगह नहीं बचती। रोजाना लगने वाले जाम से स्कूली बच्चों, नौकरीपेशा लोगों और बुजुर्गों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कई बार एंबुलेंस और अन्य आपातकालीन सेवाएं भी जाम में फंस जाती हैं, जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

इस संबंध में जब नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी सर्वेश शुक्ला से बात की गई, तो उन्होंने अवैध पार्किंग को गंभीर समस्या बताते हुए सख्त कार्रवाई का आश्वासन देते हुए कहा कि घंटाघर और तिकोना पार्क क्षेत्र में अवैध पार्किंग की शिकायतें मिली हैं। शीघ्र ही सघन अभियान चलाकर इन अवैध टैक्सी स्टैंडों को हटाया जाएगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

टीसीसी बालपुर ने 3 ओवर में 72 रन बनाकर मैच जीता

बालपुर, गोंडा, अमृत विचार: बालपुर पुलिस चौकी ग्राउंड पर शहीद कप के पांचवें दिन तीन मैच खेले गए। जिसमें दो क्वार्टर फाइनल और एक सेमीफाइनल हुआ। दूसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला टीसीसी बालपुर और केजीएन कैथोला के बीच खेला गया।

केजीएन कैथोला टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 71 रन पर आल आउट हो गई। राहुल ने दो ओवर में दो रन देकर 4 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए टीसीसी बालपुर ने मात्र 3 ओवर में 72 रन बनाकर मैच जीत लिया। तीसरा क्वार्टर फाइनल एफसीसी बालपुर और बाबू 11 के बीच खेला गया जिसमे बाबू 11 ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एफसीसी बालपुर को 213 रन का लक्ष्य दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एफसीसी बालपुर की टीम 88 रन पर ही आल आउट हो गई। बाबू 11 की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए चंदन सिंह ने नाबाद 110 रन बनाये। पहला सेमीफाइनल मुकाबला टीसीसी बालपुर और बाबू इलेवन के बीच खेला गया। बाबू इलेवन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए टीसीसी बालपुर को 133 रनों का टार्गेट दिया। बालपुर की टीम ने 8 ओवर में ही मुकाबले को 6 विकेट से जीत लिया। मैन ऑफ द मैच का अवार्ड सनी सिंह को दिया गय। इस दौरान आजाद राईनी, हरि ओम तिवारी, अन्नू सिंह मोनू पाण्डेय, सहित हजारों दर्शक मौजूद रहे।

अमृत विचार

अयोध्या, शुक्रवार, 30 जनवरी 2026

जीवन की समग्र पद्धति है हिन्दुत्व : अभय

बलरामपुर के विकास खंड श्रीदत्तगंज स्थित एक मैरिजलॉन में आयोजित किया गया हिंदू सम्मेलन

कार्यक्रम

- उमड़ा जनसैलाब, राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान का हुआ उद्घोष

श्रीदत्तगंज बलरामपुर

हिंदू सम्मेलन में मौजूद सदर विधायक और गणमान्य लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार : जनपद बलरामपुर के विकास खंड श्रीदत्तगंज स्थित आर.जे. मैरिज लॉन में आयोजित भव्य हिंदू सम्मेलन में सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक समरसता का सशक्त संदेश गूंजा। सम्मेलन का शुभारंभ विधिवत भारत माता पूजन के साथ हुआ, जिसमें श्रद्धा और राष्ट्रप्रेम का भाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंचे सैकड़ों कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों की सहभागिता से आयोजन भव्य और प्रभावशाली बन गया।

सम्मेलन की अध्यक्षता चौधरी ललिता प्रसाद महाविद्यालय के प्रबंधक नवल प्रकाश ने की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण की भावना को सुदृढ़ करते हैं। सम्मेलन के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र धर्म जागरण प्रमुख अभय रहे। उन्होंने हिंदुत्व को केवल धार्मिक अवधारणा न बताते हुए इसे जीवन की समग्र पद्धति बताया तथा सनातन संस्कृति के वैज्ञानिक और नैतिक मूल्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने गुरु गोविंद सिंह के महान बलिदान का स्मरण करते हुए युवाओं से उनके आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान किया। साथ ही स्वावलंबन, आत्मनिर्भरता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण और संघ के पंच परिवर्तन विषयों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में जिला संघचालक अभिमन्यु, जिला प्रचारक जितेंद्र कुमार, सदर विधायक पलटू राम, जिला कार्यवाह किरीट मणि, विभाग प्रचारक प्रमुख मनीष कुमार, जिला प्रचार प्रमुख मोहनीश, राधेश्याम वर्मा, खंड संघचालक हरिभान, अंजनी मिश्रा, चंदन मिश्रा, राहुल जायसवाल, सिद्धार्थ पटवा, जितिन कौशल, सूर्य प्रकाश पाठक, ग्राम प्रधान राम नरेश यादव, प्रमोद मिश्रा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत एवं सामूहिक संकल्प के साथ शांतिपूर्ण एवं अनुशासित वातावरण में हुआ।

दुष्कर्म के दोषी को 10 वर्ष की कैद

बलरामपुर अमृत विचार : नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म के मामले में न्यायालय ने दोषी अभियुक्त को 10 वर्ष के कठोर कारावास एवं 10,000 अर्थदंड की सजा सुनाई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 11 नवंबर 2018 को थाना तुलसीपुर में दर्ज मुकदमे में अभियुक्त ननकू उर्फ मुस्तफा पर नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने तथा उसके साथ दुष्कर्म करने का आरोप था। मामले की विवेचना उप निरीक्षक सुरेश कुमार द्वारा की गई तथा आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। विचारण के दौरान अभियोजन पक्ष द्वारा साक्ष्यों की प्रभावी प्रस्तुति की गई। सुनवाई के उपरांत विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट, बलरामपुर ने अभियुक्त को दोषी ठहराते हुए भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं एवं पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत 10 वर्ष का कारावास एवं अर्थदंड की सजा सुनाई। इस निर्णय से स्पष्ट है कि नाबालिगों के विरुद्ध अपराध करने वालों के प्रति कानून सख्त है और ऐसे मामलों में न्यायिक प्रक्रिया दृढ़ता के साथ अपनाई जा रही है।

महदेइया सिरसिया में नो-मैपिंग मतदाताओं की सुनवाई

एसआईआर पर सुनवाई करते अधिकारी। ● अमृत विचार

महदेइया बाजार, बलरामपुर, अमृत विचार : श्रीदत्तगंज ब्लॉक क्षेत्र में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) के अंतर्गत मतदाता सूची को शुद्ध करने की प्रक्रिया जारी है। इसी क्रम में बुधवार को ग्राम पंचायत महदेइया सिरसिया स्थित पंचायत भवन में नो-मैपिंग मतदाताओं के दावे व आपत्तियों की सुनवाई की गई। सुनवाई की अध्यक्षता सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सुशील तिवारी ने की। सुनवाई में बड़ी संख्या में मतदाता आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित हुए। जिन मामलों में साक्ष्य पूर्ण पाए गए, उनका मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। वहीं जिन मतदाताओं के पास आवश्यक अभिलेख उपलब्ध नहीं थे, उन्हें अगली तिथि प्रदान की गई। इस दौरान ग्राम पंचायत मुजहना व बनगवां के मतदाता भी उपस्थित रहे। ईआरओ ने बताया कि सभी मामलों का निस्तारण साक्ष्यों के आधार पर किया जा रहा है। सुनवाई के दौरान संबंधित बीएलओ भी मौजूद रहे।

एमएलके कॉलेज में सेना में चयनित जवान सम्मानित

सेना में चयनित जवानों का सम्मान करते प्राचार्य। ● अमृत विचार

बलरामपुर, अमृत विचार : एमएलके पीजी कॉलेज, बलरामपुर में एनसीसी इकाई के तत्वावधान में भारतीय सेना व अर्धसैनिक बलों में चयनित कैडेट्स के सम्मान में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. जे.पी. पाण्डेय, मुख्य नियंता प्रो. वीणा सिंह, प्रो. अरविंद द्विवेदी, प्रो. एस.पी. मिश्र, प्रो. रेखा विश्वकर्मा एवं एनसीसी एएनओ लेफ्टिनेंट (डॉ) देवेन्द्र कुमार चौहान द्वारा दीप प्रज्ज्वलन व मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। प्राचार्य प्रो. पाण्डेय ने चयनित जवानों को बधाई देते हुए कहा कि यह महाविद्यालय के लिए गर्व का क्षण है। इन युवाओं ने अनुशासन व दृढ़ संकल्प से यह सिद्ध किया है कि कठिन परिश्रम से लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। लेफ्टिनेंट डॉ चौहान ने कहा कि सेना केवल पेशा नहीं, बल्कि त्याग व समर्पण की संस्कृति है। समारोह में सीआरपीएफ सीआईएसएफ, सशस्त्र सीमा बल, भारतीय नौसेना में चयनित जवानों को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ सुनील कुमार शुक्ल ने किया।

टीम ने खाद्य पदार्थों के लिये नमूने

- खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने दुकानों पर की छापेमारी

कबाब की दुकान से केमिकल युक्त रंग नष्ट कराते विभागीय अधिकारी।

उतरौला, बलरामपुर, अमृत विचार : खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम द्वारा उतरौला में की गई छापेमारी से खाद्य कारोबारियों में हड़कंप मच गया। टीम के नगर में पहुंचने की सूचना मिलते ही अधिकांश खाद्य पदार्थों की दुकानों पर ताले लटक गए, जबकि कई दुकानदार दुकान बंद कर विभागीय टीम के लौटने की प्रतीक्षा करते नजर आए।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के सहायक आयुक्त जी.के. दुबे ने बताया कि उपभोक्ताओं एवं खाद्य कारोबारियों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से गुरुवार को उतरौला में फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थों के नमूने जांच हेतु संग्रहित किए गए। टीम द्वारा शुभम मिष्ठान भंडार से सात प्रकार की मिठाइयों के नमूने, क्वालिटी स्वीट एंड फास्ट फूड सेंटर से पांच, रामदीन किराना स्टोर से तीन, मनोज किराना स्टोर से तीन, प्रिंस किराना स्टोर से चार, दिनेश मिठाई भंडार से तीन तथा मम्मन कबाब एंड रेस्टोरेंट से चार खाद्य नमूनों की सैंपलिंग की गई। जांच के दौरान मम्मन कबाब एंड रेस्टोरेंट में खाद्य मानकों से संबंधित कई कमियां पाई गईं, जिस पर संबंधित संचालक को सुधारात्मक कार्रवाई के लिए नोटिस जारी किया गया। इस कार्रवाई में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी राकेश कुमार शुक्ला, खाद्य सुरक्षा अधिकारी चन्द्र भानु एवं राम मौर्य सहित विभागीय टीम मौजूद रही। विभाग ने स्पष्ट किया कि खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

एसीएमओ ने किया सीएचसी का निरीक्षण

तुलसीपुर, बलरामपुर, अमृत विचार : अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी के नेतृत्व में ईटीसी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तुलसीपुर का गुरुवार को निरीक्षण किया गया। इस दौरान डेंगू प्रोटोकॉल के अनुपालन, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता तथा साफ-सफाई की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया, जो संतोषजनक पाई गईं।

निरीक्षण टीम ने डेंगू की रोकथाम एवं उपचार से जुड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सभी मानक निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप बनाए रखें। इस दौरान कुछ छोटी कमियां भी चिन्हित की गईं, जिनके शीघ्र सुधार हेतु संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि डेंगू जैसी मौसमी बीमारियों से निपटने के लिए स्वास्थ्य केंद्रों की सतर्कता एवं तैयारियां बेहद आवश्यक हैं। उन्होंने स्टाफ को आपसी समन्वय से कार्य कर स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।

ज्वाइंटर खराब होने से घाघरा पुल पर लगा जाम

- मरम्मत के लिए दो माह तक बंद हो सकता है पुल पर आवागमन

पुल पर लगा जाम। ● अमृत विचार

करनैलगंज, गोंडा, अमृत विचार : घाघरा घाट पुल के ज्वाइंटर में आई खराबी के कारण गुरुवार सुबह से ही पुल के दोनों ओर कई किमी लंबा जाम लग गया। वाहन रेंगते नजर आए और यात्रियों को घंटों परेशानी उठानी पड़ी। सुबह से ही करीब 10 किलोमीटर तक जाम की स्थिति बनी रही। पुल पर मरम्मत में लगे कर्मचारियों के मुताबिक ज्वाइंटर ठीक करने में लंबा समय लग सकता है।

एनएचएआई ने पुल के ज्वाइंटरों की मरम्मत के लिए इसे पूरी तरह बंद कर कार्य कराने का प्रस्ताव तैयार किया है। इसके तहत घाघरा पुल पर करीब दो महीने तक आवागमन पर रोक लग सकती है। गुरुवार को भारी वाहनों को पुल से हटा दिया गया, जबकि छोटे वाहनों को कई घंटे बाद सीमित रूप से आने-जाने की अनुमति दी गई। हालांकि यातायात चलते रहने से मरम्मत कार्य प्रभावित हुआ। कर्मचारियों ने अधिकारियों को बताया कि बिना पुल बंद किए मरम्मत सुचारू रूप से संभव नहीं है। एनएचआई के इंजीनियर सद्दाम ने बताया कि घाघरा पुल पूरी तरह सुरक्षित है, केवल ज्वाइंटर में तकनीकी खराबी है। मरम्मत हो जाने से पुल की आयु बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा कि जब तक पुल पर आवागमन बंद नहीं किया जाएगा, तब तक ज्वाइंटर की मरम्मत संभव नहीं है। इसके लिए दो माह तक पुल बंद रखने की अनुमति मांगी गई है। अनुमति मिलते ही यातायात रोककर मरम्मत कार्य शुरू कराया जाएगा।

किशोरियों के सशक्तिकरण की दिशा में हुई पहल

कार्यक्रम में मौजूद किशोरियां व प्रशिक्षक। ● अमृत विचार

बलरामपुर, अमृत विचार : महिला एवं बाल विकास विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार एवं मिलान संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आईसीडीएस के अंतर्गत किशोरी जीवन कौशल एवं नेतृत्व विकास कार्यक्रम का जिला स्तरीय शुभारंभ विकास भवन सभागार में किया गया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के आकांक्षात्मक जिला कार्यक्रम के तहत 11 से 18 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों के सर्वांगीण विकास हेतु संचालित किया जा रहा है। मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता ने कहा कि किशोरियों में किया गया निवेश समाज के दीर्घकालिक विकास की मजबूत नींव है। उन्होंने डिजिटल लाइब्रेरी संचालन में किशोरी समूहों की भागीदारी का सुझाव देते हुए 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान को जमीनी स्तर पर प्रभावी बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में डीपीओ इफ्तखार अहमद, एसीएमओ अनिल कुमार तथा मिलान संस्था के प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम की रूपरेखा व उद्देश्य साझा किए। यह पहल आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से किशोरियों को शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण व सरकारी योजनाओं से जोड़ने पर केंद्रित है।

बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता : डीएम

बैठक

संवाददाता, बलरामपुर

अमृत विचार : जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जनपद में बच्चों के संरक्षण, कल्याण एवं अधिकारों से जुड़ी योजनाओं की गहन समीक्षा की गई।

डीएम ने चाइल्ड प्रोटेक्शन सिस्टम, बाल श्रम उन्मूलन, बाल विवाह रोकथाम, स्पॉन्सरशिप योजना, बाल देखभाल संस्थाओं की स्थिति, चाइल्ड हेल्पलाइन तथा संवेदनशील मामलों में त्वरित कार्रवाई की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों का सुरक्षित वातावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और मानसिक विकास प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बैठक में नियमित मॉनिटरिंग, जागरूकता कार्यक्रमों के संचालन एवं फील्ड स्तर पर सतत निगरानी पर विशेष बल दिया गया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता सहित बाल संरक्षण से जुड़े सभी विभागों के अधिकारी, समिति सदस्य एवं संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

यक्ष एप में समय से प्रविष्ट करें सूचनाएं

गोंडा, अमृत विचार: पुलिस कार्यालय स्थित सभागार कक्ष में एएसपी पूर्वी मनोज कुमार रावत के नेतृत्व में सीसीटीएनएस कर्मियों के साथ यक्ष एप के क्रियान्वयन एवं समीक्षा के लिये बैठक का आयोजन किया गया। एएसपी ने यक्ष एप के उद्देश्य, उपयोगिता एवं इसके माध्यम से पुलिस कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, त्वरित सूचना संप्रेषण एवं डिजिटल सुदृढ़ीकरण पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी सीसीटीएनएस कर्मियों को निर्देशित किया कि यक्ष एप में समस्त सूचनाएं समयबद्ध, शुद्ध एवं पूर्ण रूप से प्रविष्ट की जाएं। बैठक में यक्ष एप के संचालन के दौरान आ रही तकनीकी समस्याओं, डाटा अद्यतन, लॉगिन संबंधी कठिनाइयों तथा उनके त्वरित समाधान पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

समय से पूरा करें फार्मर रजिस्ट्री का कार्य

संवाददाता, गोंडा

फार्मर रजिस्ट्री की समीक्षा करती डीएम प्रियंका निरंजन व उपस्थित अधिकारी।

अमृत विचार : कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में फार्मर रजिस्ट्री से संबंधित कार्यों की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने विकासखण्ड तरबगंज, वजीरगंज, नवाबगंज तथा बेलसर के कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। संबंधित खण्ड विकास अधिकारियों एवं फील्ड कर्मचारियों, सहायक विकास अधिकारी पंचायत, ग्राम पंचायत सचिव, कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि फार्मर रजिस्ट्री का कार्य पूरी पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ समयबद्ध ढंग से पूर्ण किया जाए।

उन्होंने विशेष रूप से डोर-टू-डोर सर्वे कर वास्तविक किसानों की पहचान सुनिश्चित करने पर जोर दिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सर्वे के दौरान मृतक किसानों को चिन्हित कर उनकी प्रविष्टियों को अलग किया जाए, जिससे अभिलेखों की शुद्धता बनी रहे और किसी भी प्रकार की त्रुटि की संभावना न रहे। उन्होंने कहा कि फार्मर रजिस्ट्री किसानों को योजनाओं का लाभ दिलाने में महत्वपूर्ण आधार है, अतः इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान उपनिदेशक कृषि प्रेम कुमार ठाकुर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

इंडो-नेपाल बॉर्डर पर हाई अलर्ट, सघन गश्त जारी

भारत-नेपाल सीमा पर निगरानी करते सशस्त्र सीमा बल व पुलिस के जवान।

बलरामपुर अमृत विचार : अंतर्राष्ट्रीय भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बलरामपुर पुलिस व एसएसबी पूरी तरह अलर्ट मोड में दिखाई दे रही है। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देशन एवं एएसपी विशाल पाण्डेय के पर्यवेक्षण में बॉर्डर क्षेत्र में लगातार पैदल गश्त व भ्रमण कर सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। संयुक्त टीम द्वारा त्रिलोकपुर नाका (थाना पचपेडवा), गुरुंग नाका, पटोली नाका (थाना हरैया) सहित सभी प्रमुख चेक पोस्टों पर आने-जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति व वाहन की जांच की जा रही है। सीमावर्ती थाना पुलिस व एसएसबी के बीच समन्वय स्थापित किया गया है। सीमा से सटे गांवों की ग्राम सुरक्षा समितियों एवं संभ्रांत नागरिकों को मादक पदार्थों की तस्करी, मानव व गौ-तस्करी तथा अन्य अवैध गतिविधियों के प्रति जागरूक कर किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की गई है।

व्यवस्था

निष्क्रिय पड़े राजकीय मल्टीपरपज सीड्स स्टोर का भवन विद्यालय को किया गया हस्तांतरित

राजकीय इंटर कॉलेज की छात्राओं का भविष्य हुआ सुरक्षित

उतरौला, बलरामपुर

पढ़ाई के लिए सुरक्षित भवन मिलने पर खुशी जतातीं इंटर कॉलेज की छात्राएं। ● अमृत विचार

अमृत विचार : जनपद बलरामपुर में बालिकाओं की शिक्षा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल के अंतर्गत राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, उतरौला की छात्राओं को सुरक्षित एवं स्थायी शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया गया है। लंबे समय से विद्यालय का एक बड़ा हिस्सा जर्जर अवस्था में होने के कारण कक्षाओं का संचालन अस्थायी एवं सीमित सुरक्षित स्थानों पर किया जा रहा था, जिससे शैक्षणिक गतिविधियां प्रभावित हो रही थीं।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन द्वारा विद्यालय का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय से सटे लंबे समय से निष्क्रिय पड़े राजकीय मल्टीपरपज सीड्स स्टोर भवन को विद्यालय के उपयोग में लाने का व्यावहारिक समाधान सामने आया। जिलाधिकारी के निर्देश पर शासन स्तर पर समन्वय स्थापित करते हुए उक्त भवन को विद्यालय को हस्तांतरित करने की प्रक्रिया पूरी की गई, जिस पर शासन से स्वीकृति प्राप्त हुई। स्वीकृति के उपरांत भवन की आवश्यक मरम्मत, सुदृढ़ीकरण एवं मूलभूत सुविधाओं का विकास कराया गया। मरम्मत कार्य पूर्ण होने के बाद यह भवन विधिवत राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, उतरौला को सौंप दिया गया, जहां वर्तमान में कक्षाएं सुरक्षित, व्यवस्थित एवं सुचारु रूप से संचालित की जा रही हैं। इस पहल से छात्राओं को न केवल बेहतर एवं सुरक्षित शिक्षण वातावरण मिला, बल्कि वर्षों से अनुपयोगी पड़े सरकारी भवन का भी सार्थक उपयोग सुनिश्चित हुआ। साथ ही छात्राओं को स्थानांतरित किए जाने की आवश्यकता समाप्त होने से समय, संसाधन और सुरक्षा तीनों की बचत हुई।

कागज़ों में चल रहा शौचालय, हकीकत में लगा है ताला

बलरामपुर, अमृत विचार : तुलसीपुर विकास खंड की ग्राम पंचायत पुरेछीटन में स्वच्छ भारत मिशन के तहत निर्मित सामुदायिक शौचालय लंबे समय से बंद पड़ा है, जबकि इसके संचालन व रखरखाव के नाम पर प्रतिमाह करीब 9,000 की धनराशि नियमित रूप से निकाली जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि शौचालय अधिकांश समय ताले में बंद रहता है, । हैरानी की बात यह है कि उपयोग न होने के बावजूद सफाईकर्मी मानदेय व देखरेख के नाम पर भुगतान दर्शाया जा रहा है। ग्रामीणों ने कई बार शिकायत की, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। मामले ने पंचायत, सचिव और विकास खंड अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से निष्पक्ष जांच व दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

मां वैष्णों देवी स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय
सियाराम नगर (देवराकोट) पो. गोंड़वा अयोध्या

मैं आवश्यकता है

प्राचार्य 01 पद। परास्नातक स्तर पर कला संकाय (एम.ए.) पाठ्यक्रम में हिन्दी, अंग्रेजी, गृहविज्ञान, समाजशास्त्र, शिक्षाशास्त्र विषयों में 02-02 पद प्रवक्ताओं की।
स्नातक स्तर पर कला संकाय (बीए) पाठ्यक्रम में हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू गृहविज्ञान, समाजशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, राजनीति शास्त्र विषयों में 01-01 पद प्रवक्ताओं की।
शिक्षा संकाय बी.एड. पाठ्यक्रम में विभागाध्यक्ष 01 पद, प्रवक्ता 15 पद ।
योग्यता एवं वेतनमान यू.जी.सी., एन.सी.टीई एवं राज्य विश्वविद्यालय के मानकानुसार। इच्छुक अभ्यर्थी विज्ञापन तिथि के 10 कार्य दिवस के अंदर अपने शैक्षिक अभिलेखों की छाया प्रति के साथ विद्यालय के पते पर संपर्क करें।

भवदीय- 9838728932, 9414056336

न्यूज ब्रीफ

शहीदों की स्मृति में मौन धारण आज

बहराइच, अमृत विचार। शासन द्वारा भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहूति देने वाले शहीदों की स्मृति में 30 जनवरी को पूर्वान्ह 11:00 बजे दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दिये जाने के निर्देश दिये गये है। प्रशासनिक अधिकारी कलेक्ट्रेट द्वारा समस्त उप जिलाधिकारियों को शासन के आदेश का अनुपालन कराये जाने की अपेक्षा की गई है।

डीएम ने जनता दर्शन में सुनीं समस्याएं

श्रावस्ती, अमृत विचार। कलेक्ट्रेट स्थित अपने कक्ष में गुरुवार को डीएम अश्विनी कुमार पांडेय ने जनता दर्शन के दौरान आमजन समस्याओं को सुना। इस दौरान भूमि कब्जा, परिवारिक विवाद जैसी कुल सात शिकायतें प्राप्त हुई। डीएम ने सभी फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही फोन से त्वरित प्रभावी समाधान के आदेश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्ध, पारदर्शी और संतुष्टिपरक ढंग से किया जाए।

नानपारा में फिर हुई गोवंश की हत्या

नानपारा, बहराइच। थाना कोतवाली नानपारा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सरैया के अनवर नगर में एक बार फिर गोवंश के शव की बरामदगी ने निगरानी की पोल खोल दी है। बंजारिया निवासी मोइनुद्दीन के खेत में बोरी के भीतर छिपाया गया गोवंश का सिर देखा गया। लिस को सूचना दी। चौंकाने वाली बात यह है कि नानपारा कोतवाली क्षेत्र में कुछ दिन पूर्व केशवापुर गांव में भी बोरी में बंद गौवंश का शव मिला था।

सड़क मरम्मत में अनियमितता पर फर्म को किया ब्लैक लिस्टेड

ठेकेदार के विरुद्ध थाना मूर्तिहा में दर्ज कराई गयी एफआईआर

संवाददाता, बहराइच

अमृत विचार। सड़क मरम्मत कार्य में अनियमितता बरतने पर फर्म को काली सूची में डाल दिया गया है। मण्डी समिति मिहींपुरवा के क्षेत्रान्तर्गत गंगापुर मण्डी से अमृतलाल कॉटा गूढ़ चौराहे से सुजौली तक 67.59 लाख की लागत (जीएसटी सम्मिलित नहीं है) लम्बाई 2.50 किमी का मरम्मत कार्य मण्डी परिषद निर्माण खण्ड गोण्डा (देवीपाटन) के द्वारा 02 जनवरी के अन्तर्गत फर्म/ठेकेदार विनीत दीक्षित के माध्यम से मरम्मत कार्य कराया जा रहा है।

विभिन्न समाचार-पत्रों में मरम्मत कार्य की गुणवत्ता के सम्बन्ध समाचार प्रकाशित होने पर जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने कार्यदायी विभाग के मुख्य अभियन्ता ग्रेड-2 गिरधारी लाल से स्थलीय जांच करायी।

मुख्य अभियन्ता ने बताया कि स्वीकृत आगणन के अनुसार कुल लम्बाई 2500 मीटर व चौड़ाई 3.00 मी. में 7.50 से.मी. कम्पैक्टेड मोटाई में 22.4 से 53 एम.एम. साइज का स्टोन बैलास्ट व स्टोन डस्ट प्रयुक्त करते हुए जी-3 का एक कोट प्रयुक्त कराते हुए उसके ऊपर 2.00 (दो) सेंटीमीटर कम्पैक्टेड मोटाई में सीलकोट सहित प्रीमिक्स कार्पेट (लेपन) सतह का कार्य कराया जाना था। साथ ही मार्ग के दोनों ओर 2500 मी. लम्बाई में नई ईंटों से ब्रिक एजिंग लगाये जाने एवं मिट्टी से पटरी मेन्टेन भी करना था। मुख्य अभियन्ता द्वारा की गई स्थलीय जांच में पाया गया कि पूरी लम्बाई व चौड़ाई में पत्थर की लेयर नहीं डाली गयी है, मात्र गड्ढों में पत्थर व डस्ट डाली गयी है, कहीं-कहीं पर खड़ंजा दिख रहा था जिस पर पत्थर डाला गया है। 2400 मी. लम्बाई में जेसीबी से पुराने पत्थर को उखड़वाकर लेवलिंग कराते हुए डस्ट डालकर रोड रोलर से कुटाई करा दी गयी है। ग्रामवासियों द्वारा अवगत करायी गयी उक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए मार्ग में प्रयुक्त पत्थर की कस्ट मोटाई रैण्डम रूप से छह स्थानों पर जांच करने पर यह पाया गया कि 6.00 से.मी. से 7.00 से.मी. तक करट मोटाई पायी गयी जिसके नीचे खड़ंजे की सतह पायी गयी। श्री लाल ने बताया कि प्रावधानुसार पूर्वनिर्मित क्षतिग्रस्त लेपन सतह के ऊपर 7.50 से.मी. कम्पैक्टेड मोटाई में एक कोट जी-3 स्टोन बैलास्ट स्टोन डस्ट की ब्लाइन्डिंग सहित रोड रोलर से कन्सालिडेशन कराकर कार्य कराया जाना था। जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि वर्ष 2010-11 में पूर्वनिर्मित खड़ंजा स्तर के ऊपर सड़क नवनिर्माण के समय जो पत्थर की लेयर प्रयुक्त की गयी थी उसी को जेसीबी से उखड़वा कर समतलीकरण करवा दिया गया है और पूरी लम्बाई एवं चौडाई में प्रावधानुसार नये जी-3 पत्थर का कोट/लेयर नहीं डाला गया है। इसके अलावा मार्ग के दोनों ओर नई ईटें प्रयुक्त कराकर ब्रिक एजिंग लगवाया जाना था परन्तु यदा कदा स्थानों पर ही नई ब्रिक एजिंग लगायी गयी है व अधिकांशतः पुराने ईंटों की ही ब्रिक एजिंग लगी हुई है। मुख्य अभियन्ता की जांच रिपोर्ट से स्पष्ट है कि फर्म/ठेकेदार द्वारा मानक विहीन कार्य कराकर अनुबन्ध की शर्तों का उल्लंघन किया गया है। अनुबन्ध की शर्तों का पालन न करने के कारण पंजीकरण नियमावली के नियम-15 एवं 19 में दी गयी व्यवस्था के आधार पर मण्डी परिषद में (अ) श्रेणी में पंजीकृत सम्बन्धित फर्म/ठेकेदार विनीत दीक्षित निवासी टीचर्स कालोनी मिहीपुरवा, बहराइच के पंजीकरण संख्या-1027 को तात्कालिक प्रभाव से निरस्त करते हुए काली सूची में दर्ज किया गया है। अवर अभियंता दिनेश कुमार वर्मा ने ठेकेदार विनीत दीक्षित पर रिपोर्ट भी दर्ज कराई है।

जंगल में आग लगने की सूचना के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित

संवाददाता, बहराइच, अमृत विचार। कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग बहराइच में अग्निकाल 2026 (15 फरवरी से 30 जून 2026 तक) में आग की घटनाओं पर नियंत्रण करने एवं सूचना प्राप्त करने के लिए प्रभाग कार्यालय, बहराइच में नियंत्रण कक्ष की स्थापना कर दी गयी है जो चौबिसों घण्टे (राउण्ड-द-क्लाक) कार्य करेगा। नियंत्रण कक्ष में स्थापित दूरभाष का नम्बर 05252-232498 है। यह जानकारी देते हुए प्रभागीय वनाधिकारी कतर्नियाघाट सूरज ने वन्य जीव प्रभाग के आस-पास रहने वाले नागरिकों, पर्यटकों एवं वन्य जीव प्रेमियों से अपील की है कि प्रभाग के किसी भी क्षेत्र में अग्नि की घटना की जानकारी होने पर कन्ट्रोल रूम के दूरभाष नम्बर 05252-232498 अथवा डीएफओ कतर्नियाघाट के सीयूजी नम्बर 7839435102 पर सूचित कर वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण में सहयोग प्रदान करें।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों व सहायिकाओं ने दिया धरना

श्रावस्ती, अमृत विचार। आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों व सहायिकाओं ने अपनी लंबित मांग को लेकर गुरुवार के कलेक्ट्रेट के निकट स्थित धरना स्थल पर प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकत्रियों ने जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को संबोधित पांच सूत्रीय ज्ञापन एडीएम न्यायिक को सौंपा। एडीएम न्यायिक प्रवीण यादव को सौंपे ज्ञापन में आंगनबाड़ी कर्मचारी व सहायिका एसोसिएशन की जिलाध्यक्ष माया जायसवाल ने कहा है कि आंगनबाड़ी कार्यकत्री व सहायिका वर्षों से महिला एवं बाल विकास विभाग की रीढ़ रही है। वह पोषण, स्वास्थ्य, टीकाकरण सहित सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही हैं। इसके बावजूद हमें न तो पूर्णकालिक कर्मचारी का दर्जा मिला और न सामाजिक सुरक्षा ही। जबकि इसके लिए कई बार ज्ञापन दिया जा चुका है। ऐसे में हमें पूर्णकालिक सरकारी कर्मचारी का दर्जा देते हुए वेतनमान, पेंशन, पीएफ, ग्रेच्युटी व अन्य सभी लाभ व 65 वर्ष पर सेवानिवृत दी जाए।

बच्चों का निपुण आकलन करते लोग। अमृत विचार

बच्चों का किया गया निपुण आकलन

पयागपुर, बहराइच। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी व प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पयागपुर आशीष कुमार सिंह तथा बीईओ डाली मिश्रा के निर्देश पर जनपद के समस्त प्राथमिक विद्यालयों के कक्षा एक तथा दो के 12-12 छात्रों का निपुण आकलन करने का निर्देश जारी किया गया था। विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजेश कुमार मिश्र ने बताया कि निपुण आकलन के आदेश के अनुपालन में आज उच्च प्राथमिक विद्यालय पिपरा कमाल शिवदहा में कक्षा 12 के 12 -12 बच्चों का आकलन टेस्ट ऑनलाइन किया गया । निपुण आकलन जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पयागपुर में डीएलएड प्रशिक्षण कर रही छात्राओं प्रतीक्षा मिश्रा तथा आकांक्षा पाण्डेय ने किया इसमें बच्चों से हिंदी भाषा तथा गणित के प्रश्न पूछ कर आकलन किया गया निपुण आकलन एक उत्सव के रूप में विद्यालय में मनाया गया। इस मौके पर राजेश कुमार मिश्र, अजय कुमार श्रीवास्तव, दिनेश कुमार, महिमा दुबे, रतना सिंह ने सहायता की।

सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं युवा

संवाददाता, बहराइच

अमृत विचार। पीएम अजय योजना का पाठ्य सामग्री वितरण समारोह बुधवार को किसान पीजी कॉलेज के डॉ. जेबी सिंह सभागार में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि चीनी मिल नानपारा के निदेशक अखंड प्रताप सिंह गोलू रहे जबकि विशिष्ट अतिथि कॉलेज प्रबंध समिति के सचिव मेजर डॉ. एसपी सिंह रहे। अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर विनय सक्सेना रहे।

मुख्य अतिथि ने कहा सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर युवा अपना भविष्य संवारे। विशिष्ट अतिथि मेजर सिंह ने कहा कि युवाओं को राष्ट्र के विकास के लिए उद्यम को अपनाना होगा। प्राचार्य प्रोफेसर सक्सेना ने युवाओं को लक्ष्य पर ध्यान देने की आवश्यकता बताई।

पाठ्य सामग्री के साथ युवा व मौजूद अखंड प्रताप सिंह गोलू। अमृत विचार

संचालन भाजपा के जिला महामंत्री राघवेंद्र प्रताप सिंह ने किया। इस मौके पर श्रद्धा पांडेय, देवव्रत शर्मा, रमाकर पांडेय, देवेंद्र प्रताप सिंह छोटू, डॉ. बाल गोविंद, डॉ. अजय प्रताप सिंह, डॉ. धर्मेंद्र कुमार त्रिपाठी, उमेश सिंह, डॉ. तस्नीम फातिमा जैदी, सविता वर्मा राहुल तिवारी, विकास चौहान तथा संतोष कुमार यादव रहे।

क्या है पीएम अजय

पीएम अजय का पूरा नाम प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना है। इसके अंतर्गत अनुसूचित जाति के बेरोजगार युवाओं को रोजगार परक प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें हुनरमंद बनाया जाएगा। इसके लिए बुधवार को 75 युवाओं ने पंजीकरण कराया है। इन्हें पाठ्यक्रम व प्रशिक्षण किट प्रदान की गई है।

पौधरोपण की कार्ययोजना तैयार करें अधिकारी: डीएम

बैठक

संवाददाता, बहराइच

अमृत विचार। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला वृक्षारोपण समिति, जिला पर्यावरण समिति तथा जिला गंगा संरक्षण समिति की संयुक्त बैठक जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। सर्वप्रथम वर्षाकाल में आयोजित होने वाले वृक्षारोपण अभियान पर चर्चा के दौरान डीएम ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि भूमि की उपलब्धता के अनुसार पौध रोपण के लिए विभागीय कार्ययोजना तैयार कर बहराइच वन प्रभाग को उपलब्ध करा दें। बैठक का संचालन करते

कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक करते डीएम अक्षय त्रिपाठी व मौजूद अधिकारी।

हुए प्रभागीय वनाधिकारी सुंदरेशा ने समिति के सदस्यों को कार्बन प्रोजेक्ट के अन्तर्गत किसानों द्वारा किये गये वृक्षारोपण के सापेक्ष मिलने वाले अनुदान के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान की गई ताकि किसानों की अतिरिक्त आय हो सके। डीएम ने डीएफओ को निर्देश दिया कि विभागीय नर्सरी में नर्सरीवार व प्रजातिवार तैयार पौधों की सूचना स्थानीय ग्रुप पर शेयर कर दें ताकि सम्बन्धित विभाग नज़दीकी नर्सरी से पौधों के उठान की कार्ययोजना तैयार कर लें। जिला पर्यावरण समिति की बैठक में समस्त विभागों को निर्देश दिया कि विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य व अर्जित की गई उपलब्धि से सम्बन्धित सूचना निर्धारित प्रपत्र पर प्रत्येक माह प्रभागीय वनाधिकारी को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराते रहें। डीएफओ द्वारा सभी सम्बन्धित अधिकारियों को सुझाव दिया गया कि टारगेट व अचीवमेन्ट की सूचना निर्धारित 05 प्रपत्रों में प्रेषित करें यदि किसी माह लक्ष्य पूरा न हो सके तो रिपोर्ट में कारण सहित उसका उल्लेख भी किया जाय। बैठक के दौरान कूड़ा सेग्रीगेट, ई-वेस्ट, समस्त निकायों से उत्पन्न ठोस अपशिष्ट, के निस्तारण साथ ही निर्माण एवं अस्पतालों से उत्पन्न जैव-चिकित्सा अपशिष्ट, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, ई-वेस्ट निस्तारण तथा औद्योगिक प्रदूषण की निगरानी आदि महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी चर्चा करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। जिला गंगा संरक्षण समिति की बैठक में डीएम श्री त्रिपाठी द्वारा सर्वप्रथम जिला परियोजना अधिकारी को संविदा आधारित नियुक्ति किए जाने के संबंध निर्देश दिए गए। डीएम ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि आमजनमानस में नदियों के संरक्षण के प्रति जागरूकता किया जाय तथा औद्योगिक प्रतिष्ठानों से निकलने वाले अपशिष्ट का निस्तारण मानक के अनुसार कराये जाने हेतु प्रभावी निगरानी की जाय। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक दुर्गा प्रसाद, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. राजेश कुमार, जिला उद्यान अधिकारी दिनेश चौधरी, एसडीओ रेशम बीरेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

विराट हिंदू सम्मेलन

बहराइच, अमृत विचार। मिहींपुरवा नगर के रामलीला मैदान में विराट हिन्दू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु व सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। सम्मेलन के मुख्य अतिथि पूज्य वीरेंद्र गिरी महाराज रहे । मुख्य वक्ता के रूप में धर्म जागरण प्रमुख प्रचारक सर्वेश कुमार ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया । कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार व दीप प्रज्वलन के साथ हुई । अपने उद्बोधन में वीरेंद्र गिरी जी महाराज ने हिन्दू समाज को एकजुट रहने, सनातन संस्कृति की रक्षा करने और युवाओं को संस्कारवान बनाने पर बल दिया । वहीं मुख्य वक्ता सर्वेश कुमार ने कहा कि समाज में समरसता, सेवा और सद्भाव से ही राष्ट्र सशक्त बनता है । उन्होंने लोगों से सामाजिक कुरीतियों को दूर करने और धार्मिक मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया । सम्मेलन का आयोजन वाशु मद्धेशिया, जुगल पोरवाल एवं अन्य हिन्दू संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में संघ के पदाधिकारी बाबूलाल शर्मा व अभिषेक वर्मा ब्लॉक प्रमुख रूप से उपस्थित रहे । इनके अलावा क्षेत्र के कई सामाजिक व धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी सहभागिता की। अंत में सभी आगंतुकों के लिए समरसता भोज का आयोजन हुआ।

सम्मेलन में मौजूद लोग। अमृत विचार

जगदेव यादव हत्याकांड: 16 दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली

पयागपुर, बहराइच। जिले में 13 जनवरी को हुई जगदेव यादव की नृशंस हत्या के मामले में 16 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस प्रशासन के हाथ खाली हैं। केले के खेत में हुई इस रूहानी वारदात ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया था, लेकिन अब तक हत्यारों का सुराग न लग पाना पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवालिया निशान खड़े कर रहा है। मृतक जगदेव यादव के पुत्र और सभासद विष्णु यादव ने प्रशासन की ढुलमुल कार्रवाई पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा की "मेरे पिता की हत्या को 16 दिन बीत चुके हैं, लेकिन पुलिस आज भी अंधेरे में हाथ-पांव मार रही है। मैं अपने बुजुर्गों और अपने पिता को चाहने वाले तमाम लोगों से हाथ जोड़कर प्रार्थना करता हूं कि इस दुख की घड़ी में मेरा साथ दें और मुझे न्याय दिलाने में मदद करें।"इस हत्याकांड ने न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि प्रदेश की राजनीति में भी हलचल मचा दी है। जगदेव यादव की हत्या के बाद से ही विपक्षी दल लगातार सरकार और प्रशासन को घेर रहे हैं जिनमे सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने घटना के तुरंत बाद ट्वीट कर संवेदना व्यक्त की थी और कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए थे अखिलेश यादव के निर्देश पर 11 सदस्यीय दल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर सांत्वना दी थी इसके अलावा पूर्व कैबिनेट मंत्री यासिर शाह और क्षेत्रीय विधायक ने भी शोक संतप्त परिवार से मिलकर उन्हें हर संभव मदद और न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया था हाई-प्रोफाइल दौरों और राजनीतिक दबाव के बावजूद, धरातल पर जांच की सुस्त रफ्तार से परिजनों में भारी आक्रोश है।

डिजिटल शिक्षा से निखरेगा बच्चों का भविष्य

श्रावस्ती, अमृत विचार। हरिहरपुररानी के कम्पोजिट विद्यालय सिसवा का गुरुवार डीएम ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान डीएम ने स्मार्ट क्लास में जाकर शिक्षा की गुणवत्ता जांची। निरीक्षण के समय विद्यालय में कक्षा में कक्षा एक से पांच तक की परीक्षाएं चल रही है।

विद्यालय पहुंचे डीएम अश्वनी कुमार पांडेय ने बच्चों को दी जा रही शिक्षा की गुणवत्ता परखने के लिए छात्र-छात्राओं से वार्ता की। उन्होने शिक्षिका से छात्र-छात्राओं के लिए खेल सामग्री तथा सभी 18 पैरामीटर्स सहित मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने विद्यालय परिसर में सफाई, किचन, पेयजल, शौचालय आदि व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर सभी व्यवस्थाओं को व्यवस्थित ढंग से रखने का निर्देश दिया। बाद में स्मार्ट

कंपोजिट विद्यालय सिसवा का निरीक्षण करते डीएम अश्वनी कुमार पांडेय। अमृत विचार

क्लास योजना की जमीनी हकीकत व औपचारिकता न हो, बल्कि प्रत्येक दिन पठन-पाठन की गुणवत्ता जांचने के लिए शिक्षिका से अपने सामने ही स्मार्ट क्लास संचालित भी कराया। डीएम ने कहा कि डिजिटल शिक्षा से ही बच्चों का भविष्य निखरेगा, इसलिए शिक्षा की गुणवत्ता में कोई समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होने निर्देशित किया कि यह सुनिश्चित हो कि स्मार्ट क्लास का उपयोग केवल टाइम-टेबल के अनुसार कक्षाएं संचालित हों। बिजली और इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ-साथ उपकरणों की सुरक्षा और रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जाए। इस दौरान विद्यालय में बने आंगनवाड़ी केन्द्र का निरीक्षण कर सभी व्यवस्थाओं को बेहतर ढंग से संचालित रखने का निर्देश दिया।

रीना की मौत मामले में पति समेत पांच पर केस

संवाददाता जमुनहा, श्रावस्ती

अमृत विचार। मोगला गांव अपनी ससुराल से एक सप्ताह पूर्व लापता विवाहिता का शव 26 जनवरी को भकला नाले में उतरता मिला था। मृतिका की मां की तहरीर पर मल्हीपुर पुलिस ने पति, सास, ससुर व दो ननद के खिलाफ दहेज हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विदित हो कि मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम लक्ष्मणपुर कोठी निवासी आशाराम ने अपनी पुत्री रीना (22) का विवाह दो वर्ष पूर्व मोगला निवासी गोविंद के साथ किया था। 13 जनवरी को रीना संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई थी। 14 जनवरी को गोविंद ने अपनी पत्नी की गुमशुदगी दर्ज कराया था। 26 जनवरी की शाम रीना शव भकला नाला में मिला। जानकारी के बाद मृतिका की मां गौरी देवी ने ससुरलीजनों पर दहेज में बाइक, सोने की चैन व दो लाख रुपए के लिए अपनी बेटी की हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दिया था। इस बारे में थानाध्यक्ष मल्हीपुर अंकुर वर्मा ने बताया मां की तहरीर पर पति गोविंद, सास तुलसी, ससुर रामफेरन, ननद नेहा व शांति पर दहेज हत्या का मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

सुरक्षा हर नागरिक का मौलिक अधिकार

संवाददाता जमुनहा, श्रावस्ती

अमृत विचार। आत्मरक्षा व सुरक्षा सभी का मौलिक अधिकार है। यदि कोई आपकी लज्जा या मर्यादा भंग करने का प्रयास करे तो पुलिस या हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत करें, कार्रवाई होगी। यह बातें गुरुवार को मिशन शक्ति-5.0 के तहत महिला एवं बा लिका सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन एवं साइबर सुरक्षा को लेकर जन-जागरूकता अभियान के दौरान महिलाओं व किशोरियों से महिला पुलिस ने कही। मिशन शक्ति टीम व शक्ति मोबाइल टीम ने मल्हीपुर व हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के विद्यालयों, कस्बों व ग्रामीण क्षेत्रों सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर महिलाओं एवं

महिलाओं को जागरूक करती पुलिस। अमृत विचार

बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों एवं उपलब्ध सहायता सेवाओं के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही महिला उनसे संवाद स्थापित कर उन्हें निडर होकर अपनी समस्याएं साझा करने एवं सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान टीम ने महिलाओं, बालिकाओं एवं छात्राओं को सोशल मीडिया फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक एवं डिजिटल अरेस्ट जैसी साइबर धोखाधड़ी से बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्हें ओटीपी साझा न करने, मजबूत एवं सुरक्षित पासवर्ड के प्रयोग तथा साइबर अपराध की स्थिति में साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर तत्काल शिकायत दर्ज कराने के बारे में जागरूक किया। इस दौरान उन्हें वूमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, एम्बुलेंस सेवा 108, चाइल्ड लाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 सहित अन्य हेल्पलाइन नंबरों तथा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला सम्मान कोष, मातृशक्ति को सम्बल योजना तथा नारी शक्ति वंदन अधिनियम की जानकारी दी।

संजय सेतु की जर्जर हालत बनी बड़ी चुनौती

जरवलरोड, बहराइच। लखनऊ-गोंडा-बहराइच राष्ट्रीय मार्ग पर स्थित संजय सेतु पुल अपनी उम्र और लगातार बढ़ते यातायात के दबाव के चलते गंभीर अवस्था में पहुंच चुका है। पुल पर प्रतिदिन छोटे-बड़े मिलाकर 20 हजार से अधिक वाहनों का आवागमन होता है जिससे यहां जाम की स्थिति रहती है। स्थानीय लोगों और यात्रियों का कहना है यदि मरम्मत कार्य के दौरान संजय सेतु को बंद किया गया तो गोंडा, बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती सहित नेपाल सीमा से जुड़े क्षेत्रों के लोगों की राजधानी तक पहुंचना कठिन हो जाएगा। वर्तमान में जहां यह सफर दो से तीन घंटे में पूरा हो जाता है, वहीं पुल बंद होने की स्थिति में

पुल पर लगी वाहनों की कतार।

चहलारी घाट या अयोध्या मार्ग से घूमकर जाना पड़ेगा जिससे यात्रा का समय बढ़कर पांच से छह घंटे तक हो सकता है। सबसे अधिक असर उन मरीजों पर पड़ेगा जिन्हें गोंडा, बहराइच या आसपास के जिलों से रेफर होकर लखनऊ इलाज के लिए आना पड़ता है। समय के साथ किराया भी दोगुना से अधिक हो जाने की आशंका जताई जा रही है। गौरतलब है कि अंग्रेजों के समय में बना रेलवे एल्गिन ब्रिज करीब 125 वर्ष से अधिक पुराना होने के बावजूद सुचारू रूप से उपयोग में है जबकि संजय सेतु पुल को बने लगभग 41 वर्ष हो चुके हैं और उसकी हालत बिगड़ती जा रही है। यात्रियों का कहना है इस मार्ग से गुजरते समय जाम लगना अब सामान्य बात हो गई है। लोगों ने मांग की है कि घाघरा घाट चौकी पर एक अपडेटेड हेल्पलाइन नंबर जारी किया जाए, जिससे जाम की स्थिति की जानकारी समय रहते मिल सके और वैकल्पिक मार्ग अपनाने में मदद मिले। साथ ही, नए पुल के निर्माण को लेकर क्षेत्रीय विधायक और सांसदों की चुप्पी पर भी सवाल उठ रहे हैं। जनता का कहना है कि यदि जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह पुल कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से मांग की जा रही है कि संजय सेतु की मरम्मत के साथ-साथ नए पुल के निर्माण की प्रक्रिया को शीघ्र शुरू किया जाए ताकि इस महत्वपूर्ण मार्ग पर आवागमन सुरक्षित और सुगम बना रहे। इस संबंध में एनएचआई के सहायक अभियंता अनंत मौर्य ने बताया कि घाघरा घाट संजय सेतु पर रिपेयर कार्य के लिए सर्वे पूरा हो रहा है। फरवरी के दूसरे सप्ताह में काम शुरू होगा और जिलाधिकारियों से अनुमति मिलने के बाद पुल पर आवागमन अस्थायी रूप से रोका जाएगा।

अमृत विचार

शुक्रवार, 30 जनवरी 2026

अगर तुम सूरज के चले जाने पर रोओगे, तो तुम्हारे आंसू तुम्हें तारे देखने से रोक देंगे।
–रवींद्रनाथ टैगोर, साहित्यकार

दुर्घटना और सवाल

महाराष्ट्र को उपमुख्यमंत्री के बतौर सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले अजित पवार का हवाई दुर्घटना में निधन अत्यंत दुखद है। उनके साथ स्टॉफ पायलट, को-पॉयलट समेत पांच लोगों की मृत्यु ने कई असहज प्रश्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे में सीबीआई और अन्य तकनीकी एजेंसियों द्वारा गहन जांच की मांग को 'राजनीति प्रेरित' करार देना उचित नहीं। किसी भी वीआईपी विमान हादसे में पारदर्शी, बहु-एजेंसी तथ्य-आधारित और समयबद्ध जांच विश्वास बहाली का आवश्यक साधन होती है। लीयरजेट अपेक्षाकृत सुरक्षित जेट विमान माने जाते हैं। संबंधित भारतीय निजी कंपनी को भी डीजीसीए के फरवरी 2025 के ऑडिट में बेदाग पाया गया था। मुख्य पायलट के 15 हजार घंटे और सह-पायलट के 1500 घंटे का अनुभव कम नहीं है। अंतिम क्षणों में विमान गिर पड़ा।

यह परिदृश्य तीन आशंकाओं की ओर इशारा करता है। पहला- अचानक तकनीकी खराबी जैसे कंट्रोल सरफेस या हाइड्रोलिक्स या इंजन का असंतुलन, दूसरा-माइक्रोबर्स्ट या विंड-शियर जैसी चुनौती, तीसरा- अंतिम क्षण में निर्णय या कॉन्फ़िगरेशन की त्रुटि। निष्कर्ष के लिए एफडीआर-सीवीआर विश्लेषण ही निर्णायक होगा, लेकिन एयर इंडिया की त्रासदी के महज सात महीने बाद यह हादसा उड्डयन सुरक्षा पर सवाल तो खड़े ही करता है। देश में रोज़ाना पांच लाख से अधिक यात्री उड़ान भरते हैं। हवाई यात्रा अब भी सबसे सुरक्षित परिवहन है, पर जुलाई 2012 से नवंबर 2025 के बीच 112 एक्सीडेंट और 128 गंभीर घटनाएं दर्ज हुईं; छोटे विमानों में जानलेवा हादसों की दर वाणिज्यिक विमानों से 10 से 50 गुना अधिक बताई जाती हैं। इसका अर्थ है कि जनरल एविएशन के मानक शायद छोटे विमानों के लिए कमर्शियल एविएशन के समकक्ष कठोर नहीं हैं। लीयरजेट-45 के 1998 से अब तक आठ बड़े हादसों और 29 मौतों का रिकॉर्ड, तथा सितंबर 2023 में मुंबई में रनवे से फिसलने की घटना, जिसकी जांच रिपोर्ट अब तक सार्वजनिक नहीं हुई है, पारदर्शिता की कमी की ओर संकेत करती है। समय पर रिपोर्ट सार्वजनिक होती, तो सुधारात्मक कदम और सीख सामने आते। बारामती एयरपोर्ट की लोकेशन, सीमित संसाधन और बार-बार प्रशिक्षण विमानों की दुर्घटनाएं यह संकेत है कि बुनियादी ढांचे और जोखिम-आकलन में तत्काल सुधार जरूरी है। मैंगलोर, कोझिकोड, इंफाल, लेह जैसे चुनौतीपूर्ण हवाई अड्डों पर रनवे सेफ्टी एरिया, ईएमएएस, उन्नत आईएलएस और जीपीएस-आधारित एप्रोच, रियल-टाइम वेदर रडार और विंड-शियर अलर्ट अनिवार्य किए बिना नित नए एयरपोर्ट खोलना विवेकपूर्ण नहीं है।

डीजीसीए को जनरल एविएशन के लिए अनिवार्य सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम, डेटा-शेयरिंग, थर्ड-पार्टी ऑडिट, पुराने विमानों की चरणबद्ध समीक्षा, सिम्युलेटर-आधारित प्रशिक्षण की न्यूनतम घंटों की बाध्यता और 'नो-फॉल्ट' सेफ्टी रिपोर्टिंग संस्कृति को सख्ती से लागू करना चाहिए। सरकार को एएआई और राज्यों के साथ मिलकर इस दिशा में प्राथमिकता तय करके काम करना होगा, पहले सुधार, फिर विस्तार। यदि इससे सबक लेकर सुरक्षा ढांचा सुदृढ़ किया जाए, तो यही दुर्घटना के दिवंगतों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

प्रसंगवश

जन भवनः लोकतांत्रिक चेतना का नया अध्याय

उत्तर प्रदेश में 'राजभवन' का 'जन भवन' के रूप में पुनर्संस्कार, स्वतंत्र भारत की लोकतांत्रिक यात्रा का एक ऐतिहासिक पड़ाव है। यह प्रतीकात्मक परिवर्तन नागरिक गरिमा और सहभागिता को शासन के केंद्र में स्थापित करने का एक सार्थक प्रयास है। राजनीति के व्याकरण को 'अधिकार' से 'कर्तव्य' की ओर मोड़ने वाला यह निर्णय, दरअसल सत्ता के चरित्र को 'शासक' से 'सेवक' के रूप में ढालने का वह वैचारिक साहस है, जो लोकतंत्र को उसकी मूल आत्मा से जोड़ता है।

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 'राजभवन' को 'जन भवन' के रूप में नामित किया जाना मात्र एक प्रतीकात्मक प्रशासनिक परिवर्तन नहीं है, बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र की मूल आत्मा को पुनः स्मरण कराने वाला एक सशक्त वैचारिक संकेत है। यह निर्णय शासन और जनता के बीच संबंधों को नई, अधिक मानवीय परिभाषा देने की दिशा में उठाया गया साहसिक कदम है, जो सत्ता के चरित्र और उद्देश्य पर गहन पुनर्विचार की मांग करता है।

डॉ. कैलाश चंद सैनी
लेखक

भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती; वह समाज की चेतना और दृष्टि को भी आकार देती है। 'राजभवन' शब्द अपने भीतर सत्ता की भव्यता, कठोर प्रोटोकॉल और शासक-शासित के बीच खिंची एक अदृश्य किंतु सुदृढ़ दीवार का बोध कराता है। इसके विपरीत 'जन भवन' उस दीवार को भेदते हुए शासन के केंद्र में 'लोक' की प्रतिष्ठा का संकेत देता है। यह परिवर्तन सत्ता को उत्तरदायित्व, सहभागिता और सेवा से जोड़ता है तथा यह प्रश्न करता है कि स्वतंत्रता के अमृत काल में हमारी सत्ता अब भी 'राज' का विस्तार बनी हुई है या वह वास्तव में 'जन' की आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति बन पाई है।

आचार्य चाणक्य ने 'अर्थशास्त्र' में यह स्पष्ट किया है कि शासक का सुख जनता के सुख में और उसका हित जनता के हित में निहित है। यह सूत्र सत्ता को नैतिक अनुशासन और उत्तरदायित्व के कठोर मानकों से बांधता है। सम्राट अशोक इस दर्शन के सर्वाधिक प्रेरक उदाहरण हैं। कलिंग युद्ध के पश्चात उन्होंने विजय और दमन की नीति त्यागकर प्रशासन को जनकल्याण की दिशा में मोड़ा और यह घोषणा की कि जनता अपनी समस्याओं के समाधान के लिए उनसे किसी भी समय संपर्क कर सकती है। 'जन भवन' की अवधारणा इसी संवेदनशील परंपरा का आधुनिक रूपांतरण प्रतीत होती है।

आधुनिक भारत में महात्मा ज्योतिबा फुले ने इसी विचार को सामाजिक न्याय के धरातल पर उतारा। उनके लिए राजनीति का उद्देश्य महलों की चमक बढ़ाना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति के दुख को कम करना था। उनका यह विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है कि किसी व्यवस्था की सफलता का मूल्यांकन महलों की रोशनी से नहीं, बल्कि गरीब की झोपड़ी में घटते अंधकार से होना चाहिए। इसी वैचारिक यात्रा की निरंतरता में सत्ता के सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्ति द्वारा स्वयं को 'प्रधान सेवक' के रूप में परिभाषित करना इस बात का संकेत है कि जब सत्ता स्वयं को स्वामी के स्थान पर सेवक मानने लगती है, तब नीतियां कागजों से निकलकर सीधे जनजीवन की पीड़ा और आवश्यकताओं से जुड़ने लगती हैं।

'जन भवन' की सार्थकता केवल नाम परिवर्तन से सिद्ध नहीं होगी। इसे वास्तविक अर्थों में जीवंत बनाने के लिए प्रशासनिक कार्यशैली में बुनियादी और जमीनी सुधार अनिवार्य हैं। वास्तविक परिवर्तन तब दिखाई देगा, जब अधिकारियों के आचरण में जनता के प्रति गहरी संवेदनशीलता झलके और नीति-निर्माण में केवल आंकड़ों के बजाय सक्रिय जन-भागीदारी को स्थान मिले।

आम बजट 2026 खुशहाली की आस में मध्यवर्ग

विवेक सक्सेना
अयोध्या

आम बजट 2026 में महज कुछ ही दिन शेष हैं। अगले वित्त वर्ष के लिए तैयार हो रहे बजट में आम आदमी की जेब पर क्या असर पड़ेगा, यह सबसे बड़ा सवाल है। हर साल बजट का दिन आम आदमी के लिए उम्मीदों की नई किरण लेकर आता है। कोई टैक्स में राहत चाहता है, कोई नौकरी के नए मौके, तो कोई महंगाई से छुटकारा। इस बार भी 2026 का बजट लोगों की उम्मीदों का बड़ा इम्तिहान बनने वाला है। पिछले बजट में कई मांगें अधूरी रह गई थीं, अब नजरें इस बात पर टिकी हैं कि सरकार आम जनता को क्या बड़ी राहत देती है।

आम आदमी को आयकर में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद कम है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले बजट में व्यक्तिगत आयकर में कटौती के बावजूद टैक्स ग्रोथ केवल 6.8% रही, जबकि उम्मीद 21.6% थी। इससे सरकार को खर्च के लिए नए स्रोत तलाशने पड़े। हमारा टैक्स-जीडीपी अनुपात लगभग 12 प्रतिशत है, जबकि अधिकांश विकसित देशों में यह 35 से 45 प्रतिशत के दायरे में होता है। भारत में आयकर चुकाने वाली आबादी दो से तीन प्रतिशत के बीच है, जो विकसित देशों में 45 से 55 प्रतिशत तक होती है। इसका एक महत्वपूर्ण कारण कृषि आय को कर से छूट दिया जाना है। कृषि से जुड़े हमारे लगभग 40 प्रतिशत अंशभागी कर देनदारी के दायरे से बाहर हैं। इसके लिए एक आधार बनाकर समृद्ध कृषकों को आयकर के दायरे में लाना होगा। इसके लिए या तो एक निश्चित स्तर से ऊपर की आय अथवा कृषि भूमि आकार को आधार बना सकते हैं।

वेतनभोगियों के लिए मानक कटौती बढ़ाना और आवासीय ऋण के ब्याज पर कटौती की सीमा में वृद्धि करना उपयुक्त होगा। ईमानदार करदाताओं को प्रोत्साहन हमारी नीतियों के केंद्र में होना चाहिए। सरकार की मंशा एक सीमित वर्ग से कर वसूली के बजाय करों के दायरे का विस्तार करने की होनी चाहिए। पिछले वर्ष प्रत्यक्ष करों के स्तर पर रियायत, वित्तीय वर्ष के मध्य में ही जीएसटी दरों में कटौती और विभिन्न व्यापार समझौतों के अस्तित्व में आने से सीमा शुल्क में संकुचन के बाद अब राजस्व बढ़ाने के लिए नई राह की ओर देखना होगा।

टैक्स कलेक्शन उम्मीद से कम रहने पर सरकार के राजस्व पर दबाव पड़ा। ऐसे में इस बार टैक्स रिबेट या बड़े स्लैब बदलाव की संभावना कम है। सरकार छोटे-छोटे सुधार, लिमिटेड कटौती और रिबेट ट्यूनिंग के जरिए आम आदमी को थोड़ी राहत दे सकती है, लेकिन महंगाई पर नियंत्रण और राजस्व जुटाने की प्राथमिकता पहले रहेगी। दूसरी ओर, राजस्व बढ़ाने के लिए कुछ वैट या सेवा शुल्क में बदलाव की संभावना है, जिससे रोजमर्रा की चीजों की कीमत पर असर पड़ सकता है।

सरकारी सब्सिडी और टैरिफ में संभावित बदलाव के चलते पेट्रोल-डीजल, गैस और बिजली पर राहत कम दिख रही है। ऐसे संकेत हैं कि सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर पर निवेश बढ़ेगा, जिससे सड़क, रेल, पानी और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा। यह आम आदमी की रोजमर्रा की जिंदगी को बेहतर बनाने में मदद करेगा। सरकार स्किल डेवलपमेंट और डिजिटल स्किल्स पर जोर दे सकती है। छोटे-मध्यम व्यवसायों के लिए आसान क्रेडिट पॉलिसी और निवेश पैकेज ला सकती है। इसका सीधा असर नौकरी और व्यवसाय के नए अवसरों में दिखेगा।

लग्जरी और इम्पोर्टेड आइटम महंगे हो सकते हैं, ताकि कैपेक्स और सामाजिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च के लिए अतिरिक्त राजस्व जुटाया जा सके। एक संभावना यह है कि सरकार विनियमन यानी नियमों को और सरल-सुगम बनाने की राह पर ही आगे बढ़े। अच्छे परिदृश्य पर चर्चा करें तो भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती से आगे बढ़ रही है। सरकार के पहले अग्रिम अनुमान के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। यह पिछले वर्ष की 6.5 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक होगी।

कुछ ही दिन पहले आए दूसरी तिमाही के आंकड़ों में 8.2 प्रतिशत की तेजी दिखी थी। यह वृद्धि सामान्य जनजीवन में भी नजर आती है। वाहनों की बिक्री बढ़ रही है। हवाई यात्रा में तेजी आई है। वित्त, परिवहन, आतिथ्य सत्कार और रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों का निरंतर विस्तार हो रहा है। कुछ अपवाद को छोड़ दिया जाए तो महंगाई का रुख भी नरम है। इससे घरेलू बजट पर दबाव घटा है, लेकिन असल समस्या वृद्धि में नहीं, बल्कि आमदनी के स्तर पर है। सीधे शब्दों में कहा जाए तो अर्थव्यवस्था अधिक वस्तुएं और सेवाएं तो उत्पन्न कर रही है, लेकिन उनका कुल मूल्य उतनी तेजी से नहीं बढ़ रहा है।

कुछ क्षेत्रों में तो कीमतें गिर रही हैं। यह सुनने में अच्छा लग सकता है, लेकिन कुछ दूसरे मोर्चों पर कीमत चुकानी पड़ती है। चाहे जीएसटी हो, आयकर हो या कॉरपोरेट कर, उन पर राजस्व की प्राप्ति लेनदेन के आधार पर ही निर्भर करती है। जब लेनदेन में वृद्धि धीमी होती है तो कर संग्रह भी धीमा हो जाता है। ऐसे में सरकारी आमदनी भले ही घट जाए, लेकिन वेतन, पेंशन, ब्याज भुगतान और कल्याणकारी योजनाओं की देनदारी तो जस की तस बनी रहती है।

जाहिर है कि सरकार को या तो अधिक उधारी लेनी पड़ेगी या किसी अन्य मोर्चे पर कटौती का विकल्प अपनाना होगा। नई महत्वाकांक्षी घोषणाओं को लेकर भी संयम बरतना पड़ेगा। बाहरी मोर्चे पर स्थितियां नियंत्रण में अवश्य, लेकिन जोखिम से मुक्त नहीं हैं। वैश्विक अनिश्चितताएं कभी भी संकट खड़ा कर सकती हैं। तमाम उभरती हुई अर्थव्यवस्थाएं पूंजी प्रवाह को लेकर अस्थिरता का सामना कर रही हैं।

डालर के मुकाबले गिरता रुपया भी प्रभावित कर रहा है। अमेरिकी टैरिफ ने भी चिंताओं को और बढ़ाने का काम किया है। बजट में वित्त मंत्री को इन चिंताओं का संज्ञान लेना होगा। इसमें कर वृद्धि अनुमान को लेकर बहुत सावधानी बरतनी होगी। उधारी की योजनाओं को लेकर भी सतर्कता आवश्यक होगी, ताकि ब्याज अदायगी को लेकर अतिरिक्त बोझ न बढ़े।

आम बजट आम आदमी के लिए उम्मीदों की नई किरण लेकर आता है। कोई टैक्स में राहत चाहता है, कोई नौकरी के नए मौके, तो कोई महंगाई से छुटकारा। बजट लोगों की उम्मीदों का बड़ा इम्तिहान बनने वाला है।

आमने

मुझे अजित पवार की विमान हादसे में मौत की खबर सुनकर गहरा सदमा लगा है। जब राजनीतिक नेता भी सुरक्षित नहीं हैं, तो आम लोगों की सुरक्षा की क्या बात की जाए। दो दिन पहले मुझे पता चला था कि अजित पवार बीजेपी छोड़ने वाले हैं और आज यह घटना हो गई।
–ममता बनर्जी
मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

सामने

ममता बनर्जी निराश और हताश लग रही हैं। उन्हें लगता है कि आने वाले पश्चिम बंगाल चुनावों में उनकी हार होने वाली है, इसीलिए वह इतने गुस्से में प्रतिक्रिया दे रही हैं। अपनी निराशा और हताशा में वह ऐसे कदम उठा रही हैं, जो लोकतंत्र के लिए हानिकारक हो सकते हैं।
–नरेश बंसल
भाजपा सांसद

विकास की वेदी पर 'निकोबार' के आदिवासी

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

हिंद महासागर के नीले पानी के बीच स्थित ग्रेट निकोबार द्वीप समूह आज एक ऐसी जंग का मैदान बना हुआ है, जहां एक तरफ आधुनिक भारत की विशाल रणनीतिक आकांक्षाएं हैं और दूसरी तरफ एक प्राचीन सभ्यता के अस्तित्व की पुकार। केंद्र सरकार की 72,000 करोड़ की 'ग्रेट निकोबार होलिस्टिक डेवलपमेंट प्रोजेक्ट' को लेकर स्थानीय 'निकोबारी जनजातीय परिषद' ने जो मोर्चा खोला है, वह केवल पर्यावरण बचाने की मुहिम नहीं, बल्कि अपनी पहचान, संस्कृति और कानूनी अधिकारों को बचाने की अंतिम लड़ाई है।

यह स्थान समृद्ध जैव विविधता और वन्यजीवों की एक असाधारण विविधता का घर है। सरकार के अनुसार, यह दुनिया में सबसे अच्छी तरह से संरक्षित उष्णकटिबंधीय वर्षा वनों में से एक है। यहां धरती की सबसे पुराने आदिवासी आबादी रहती है। क्या विकास का नया मॉडल इन सभी नैसर्गिक उपहारों का दुश्मन बन जाएगा? भूमि से दूर हिंद महासागर के बंगाल की खाड़ी के दक्षिण पूर्वी भाग में स्थित 572 द्वीपों का समूह अंडमान निकोबार इन दिनों ऐसे ही द्वंद से गुजर रहा है है। ये द्वीप इंडोनेशिया और थाईलैंड के निकट स्थित हैं। 2013 में इसे यूनेस्को के जैवमंडल कार्यक्रम (ह्यूमन एंड बायोस्पियर प्रोग्राम) में शामिल किया गया था। आज वहां कंक्रीट के साथ बाहरी लोगों को बसाने की योजना तैयार की जा रही है, वह भी पर्यावरणीय कानूनों की अनदेखी कर रहे हैं।

निकोबारी आदिवासियों के विरोध का सबसे बुनियादी और भावुक मुद्दा उनकी पैतृक भूमि है। 2004 की सुनामी ने निकोबार के भूगोल और समाज को पूरी तरह बदल दिया था। उस समय सुरक्षा कारणों से प्रशासन ने तटीय गांवों, विशेष रूप से चिनगेनह (Chingenh), पुलो बाहा (Pulo Baha), और कोकेओन (Kokeon) के निवासियों को अस्थायी शिविरों और पुनर्वास बस्तियों (जैसे कैंपबेल बे) में भेज दिया था।

ग्रेट निकोबार के जनजातीय परिषदाध्यक्षों का आरोप है कि उन्हें द्वीप के पश्चिमी तट पर अपनी पुश्तैनी ज़मीनें छोड़ देने के प्रमाण-पत्रों पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा गया, ताकि ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना के विकास को अनुमति दी जा सके। 22 जनवरी को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में द्वीप पर जनजातीय समितियों के प्रमुखों की तरफ से श्री बरनबास मंजु ने बताया कि जिला प्रशासन ने उन्हें सात जनवरी को एक बैठक के लिए बुलाया और फिर द्वीप के विकास के समर्थन के रूप में दिखाने के लिए उन्हें सरेंडर प्रमाण-पत्रों पर हस्ताक्षर करने को कहा गया, जिसका वे 2022 से विरोध कर रहे हैं।

उन्होंने बताया, "ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना में एक ट्रांसशिपमेंट कंटेनर पोर्ट, एक बड़ा टाउनशिप, एक ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट तथा गैस और सौर ऊर्जा संयंत्र का निर्माण शामिल है, जिसकी लागत 81,000 करोड़ (810 अरब) बताई गई है। यह भूमि 2004 के सुनामी तक 27 गांवों में निकोबारी लोगों द्वारा आबाद थी, जिसके बाद उन्हें फिर से बसाया गया और कैंपबेल बे के निकट ऊपरी पूर्वी तट पर राजीव नगर और न्यू चिंगेनह बस्तियों में स्थानांतरित किया गया। 'जब हमें पुनर्वासित किया गया था, तो हमें वादा किया गया था कि हम वापस आ सकेंगे।"

निकोबारी जनजातीय परिषद का तर्क है कि दो दशकों से वे अपनी इन पैतृक जमीनों पर वापस लौटने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उनके लिए ये जमीनें केवल मिट्टी का टुकड़ा नहीं, बल्कि उनके पूर्वजों की समाधियां, उनके पवित्र नारियल के बागान और उनकी सांस्कृतिक विरासत हैं। सरकार की नई योजना के तहत, इन्ही जमीनों पर अब 'कंटेनर टर्मिनल' और 'हवाई पट्टी' प्रस्तावित है। परिषद का आरोप है कि उन्हें अपनी ही जमीन से हमेशा के लिए बेदखल करने की साजिश रची जा रही है।

हाल ही में विरोध तब और उग्र हो गया जब यह बात सामने आई कि स्थानीय प्रशासन आदिवासियों से उनकी पैतृक भूमि के अधिकार छोड़ने के लिए 'सरेंडर सर्टिफिकेट' पर हस्ताक्षर करने का दबाव बना रहा है। जनजातीय परिषद ने स्पष्ट किया है कि सुनामी के बाद उन्हें केवल 'सुरक्षा' के लिए हटाया गया था, न कि उन्होंने अपनी जमीन का मालिकाना हक सरकार को सौंप दिया था। परिषद का कहना है कि प्रशासन यह भ्रम पैदा कर रहा है कि आदिवासी अपनी मर्जी से जमीन छोड़ रहे हैं, जबकि हकीकत में उन्हें डराया-धमकाया जा रहा है या विकास का झूठा लालच दिया जा रहा है।

निकोबारी परिषद के विरोध का सबसे मजबूत कानूनी आधार 'अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वन निवासी (वनाधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006' है। कानून के अनुसार, किसी भी विकास कार्य के लिए ग्राम सभा की 'स्वतंत्र, पूर्व और सूचित सहमति' (Free, Prior and Informed Consent) अनिवार्य है। परिषद ने केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय को लिखे पत्रों में आरोप लगाया है कि प्रशासन ने फर्जी तरीके से यह रिपोर्ट दी कि आदिवासियों के अधिकारों का निपटारा कर दिया गया है।

ग्रेट निकोबार द्वीप समूह ऐसी जंग का मैदान बना हुआ है, जहां एक तरफ आधुनिक भारत की विशाल रणनीतिक आकांक्षाएं हैं, दूसरी तरफ एक प्राचीन सभ्यता के अस्तित्व की पुकार।

सोशल फोरम

ऋत्विक की 'मेघे ढाका तारा'

ऋत्विक घटक की कालजयी फिल्म 'मेघे ढाका तारा' को उनकी जन्मशताब्दी के अवसर पर देखना एक सिनेमाई अनुभव भर नहीं है, वह एक गहरा, लगभग आध्यात्मिक पुनर्मिलन था— जैसे बरसों से बिछुड़ी किसी आत्मीय आवाज़ की प्रतिध्वनि अचानक भीतर के सबसे शांत कोने तक पहुंच जाए। यह फिल्म एक कथा भर नहीं कहती, यह उस सभ्यता की सामूहिक चीख है, जो अपने विकास की अंधी दौड़ में सबसे करुण, सबसे समर्पित आत्माओं को ही बलि वेदी पर चढ़ा देती है। यह उन दबे हुए रुदनों का कोलाज है, जिन्हें समाज ने अपनी सुविधाजनक चुप्पियों की दीवारों में चुन दिया है। नीता की अनसुनी सिसकियां, उसका निरंतर टलता हुआ जीवन, उसका त्याग जो किसी पुण्य की तरह नहीं, एक धीमी आत्म-क्षरण की तरह घटित होता है।

डॉ. उर्वशी
लेखिका

'मेघे ढाका तारा' देश-विभाजन की त्रासदी पर बनी घटक की त्रयी का पहला अध्याय है, पर यहां विभाजन भूगोल से अधिक मनुष्य के भीतर घटता है। नक्शों की रेखाएं यहां दिलों की दरारों में बदल जाती हैं। पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर कोलकाता के उपनगर में बसे एक शरणार्थी परिवार की कहानी में नीता एक साधारण पात्र नहीं, पूरे परिवार की रीढ़ है। पढ़ी-लिखी, स्वप्नशील, पर परिस्थितियों से जकड़ी हुई।

वह पिता की बीमारी का खर्च उठाती है, भाइयों की पढ़ाई चलाती है, घर की आर्थिक धुरी बनी रहती है। मां की कटुता सहती है और अपने प्रेम को बार-बार टाल देती है— जैसे अपने जीवन के हिस्सों को मोमबत्ती की तरह पिघलाकर दूसरों को उजाला देती जा रही हो। पर यह उजाला उसे नहीं बचाता; उसका शरीर, जो आत्मा का मंदिर होना चाहिए था, त्याग की नमी से गलने लगता है।

क्षय रोग उसकी देह में उसी तरह घर करता है जैसे अवहेलना उसके जीवन में। और प्रेम? वह भी उसके लिए कोई शरण नहीं बनता। उसकी ही बहन गीता चुपचाप उसके प्रिय को अपने हिस्से कर लेती है। यहां प्रेम नियति नहीं, अवसर है और अवसर हमेशा संवेदनशीलों के हिस्से नहीं आते।

घटक इस कथा को रचते नहीं, वे उसे जीते हैं। प्रकाश और अंधकार का उनका शिल्प किसी शास्त्रीय संगीत की रचना-प्रक्रिया जैसा है। कहीं संगीत अचानक फट पड़ता है, कहीं एक गहरी चुप्पी पूरे दृश्य का बोझ उठा लेती है। नीता की धीमी सिसकी, मां की खीझती सांसें, शंकर का स्वर— सब मिलकर एक ऐसा समवेत विलाप रचते हैं जो निजी होकर भी सामूहिक है, जैसे युगों से दबा कोई स्त्री-राग पहली बार खुलकर सुनाई दे रहा हो।

सामयिकी

समय को बांध लेने वाले अजित का असमय जाना

पिछले एक दशक में भाजपा के तूफान में देश के कई राजनीतिक जहाज क्रैश होते दिखे। महाराष्ट्र की राजनीति का पर्याय शिवसेना भी टूट-फूट कर बिखर गई। कांग्रेस का भी बुरा हाल हुआ। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भी बिखराव का शिकार हो गई। सूबे में दशकों से जमे-जमाए नेताओं का जनाधार बौना पड़ने लगा। ऐसे में अपने अपने क्रैश जहाज से जिंदा बचने का एक ही रास्ता था। बग़ावत कर भाजपा के साथ आ जाना। राष्ट्रवादी कांग्रेस के अजित पवार अपने चाचा और देश के सबसे वरिष्ठ सक्रिय नेता शरद पवार से बगावत कर भाजपा के कुनबे में शामिल हो गए। ऐसा ही कुछ शिवसेना के एकनाथ शिंदे ने किया। ये लोग विपक्ष के मरुस्थल से सत्ता की ताकत में बने रहे।

महाराष्ट्र सहित पूरे देश के सबसे वरिष्ठ और सक्रिय राजनीतिज्ञ शरद पवार की राजनीतिक दक्षता से भी चार कदम आगे थे उनके भतीजे अजित पवार। भाजपा की सुनामी ने जब महाराष्ट्र में शिवसेना तक को निगल लिया, ऐसे में सत्ता में खुद का राजनीतिक अस्तित्व टॉप टू में क़ायम रख पाना कोई मामूली बात नहीं थी। राजनीति में तोड़ना, जोड़ना, क्षमा, वफ़ा, दगा, छल-कपट सब जायज है। सियासत की यही खूबियां हैं। यहां कभी-कभी नकारात्मकता ही सकारात्मकता बन जाती है। अनैतिक फैसलों के बिना नेता न आगे बढ़ सकते हैं और न विरोधी से बच सकते हैं। सियासत के यही सिद्धांत हैं कि अपनी ताकत और नीतियों से सामने वाले को खत्म कर दो, दूसरा अधिक ताकतवर है और उसे पराजित करने में फिलहाल सक्षम नहीं हो, तो उससे हाथ मिला लो। उसके साथ आकर एक और एक ग्यारह बन जाओ।

नवेद शिकोह
वरिष्ठ पत्रकार

दादा कहे जाने वाले अजित पवार जानते थे कि सियासत में जनता से कनेक्ट रहें, जन विश्वास बनाए रहे तो जनाधार बना रहेगा और जनाधार व जनसमर्थन हो तो विचारधारा, पार्टी और सिद्धांतों को भी बदल लें तो भी फर्क नहीं पड़ता। अजित पवार कम बोलते थे, लेकिन उनका काम ज्यादा बोलता था। उनके करीबी संबंध हर पार्टी के नेता से थे। जनता से जुड़े रहना और अपनी जमीन से रिश्ता कायम रखना दादा की खूबी थी।

जब महाराष्ट्र के बड़े-बड़े दिग्गजों की राजनीति खत्म हो गई, सबका राजनीतिक जहाज क्रैश हो गया, ऐसे में अजित पवार अपने चाचा शरद पवार की सियासत के क्रैश जहाज से जिंदा बच निकलकर उप मुख्यमंत्री पद पर काबिज थे। वाकई दिवंगत अजित दादा में अदभुत खूबियां थीं। जनता के बीच रहने वाले जमीनी जनाधार वाले नेता तो थे ही, सियासत के सबसे बड़े हुनर दांव-पेंच और उलटफेर में माहिर थे। उन्होंने साबित किया था कि पार्टी और पार्टी की विचारधारा से कहीं ज्यादा जनाधार की ताकत होती है।

जब कभी महाराष्ट्र की राजनीति का जिक्र होगा तो कांग्रेस तोड़ कर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी बनाने वाले शरद पवार और एनसीपी के दो फाड़ करने वाले उनके भतीजे अजित पवार ज़रूर याद किए जाएंगे। चाचा बड़े पवार से अजित ने सियासत के सारे दांव-पेच सीखे। यही वजह रही कि चाचा से अलग होने के बावजूद वह अपना वजूद बनाए रखने में कामयाब रहे। यह बात दीगर है कि समय की नब्ज को पहचानने वाले अजित असमय दुनिया से विदा हो गए।

हम भी दरिया हैं हमें अपना हुनर मालूम है
जिस तरफ़ भी चल पड़ेंगे रास्ता हो जाएगा

इस पुराने शेर को सत्य साबित कर अजित दादा राजनीति के विद्यार्थियों को संदेश दे गए कि खुद में दम हो तो सत्ता आपके कदमों की आहट का इंतजार करती है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 1224, देवकाली रोड, निकट यश पेट्रोल पंप अयोध्या-224001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- विवेक सक्सेना***
05278-352045 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/84450, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अयोध्या होगा)।

खोज

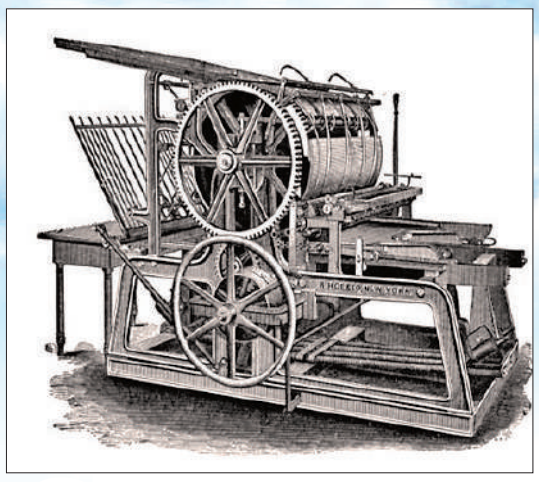

प्रिंटिंग मशीन

जर्मनी के मेंज (माइंस) शहर में वर्ष 1398 में जन्मे योहानेस गटेनबर्ग ने मानव इतिहास की सबसे क्रांतिकारी खोजों में से एक प्रिंटिंग मशीन का आविष्कार किया। पंद्रहवीं सदी तक पुस्तकों की दुनिया पूरी तरह हाथ से लिखी गई पांडुलिपियों और लकड़ी के गुटकों से होने वाली छपाई पर निर्भर थी। यह प्रक्रिया न केवल अत्यंत धीमी थी, बल्कि महंगी और सीमित भी थी। गटेनबर्ग ने इसी जटिल और श्रमसाध्य व्यवस्था को बदलने की नींव रखी। वर्ष 1439 में गटेनबर्ग ने मूवेबल टाइप प्रिंटिंग मशीन का आविष्कार किया। यह तकनीक अपने समय से कहीं आगे थी, क्योंकि इसमें लकड़ी के अक्षरों के स्थान पर धातु (मेटल) से बने अलग-अलग अक्षरों का उपयोग किया गया था। इन अक्षरों को जरूरत के अनुसार बदला और दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता था। यही विशेषता इस मशीन को पहले की सभी छपाई तकनीकों से अलग और अधिक प्रभावशाली बनाती थी।

गटेनबर्ग की प्रिंटिंग प्रेस की सबसे ऐतिहासिक उपलब्धि 1456 में सामने आई, जब जर्मनी के माइंस शहर में उनकी प्रेस से बाइबिल की पहली मुद्रित प्रति प्रकाशित हुई। इसे आज भी मुद्रण इतिहास की अमूल्य धरोहर माना जाता है। इस मशीन की एक बड़ी खासियत यह थी कि इससे किसी भी प्रकार के कागज पर साफ, स्पष्ट और तेज छपाई संभव हो सकी। जहां पहले की तकनीकों से दिनभर में केवल 40 से 50 पृष्ठ ही छप पाते थे, वहीं गटेनबर्ग की प्रिंटिंग मशीन से प्रतिदिन 1,000 से अधिक पृष्ठों की छपाई संभव हो गई। इस आविष्कार ने न केवल पुस्तकों को सस्ता और सुलभ बनाया, बल्कि ज्ञान, शिक्षा और विचारों के प्रसार को अभूतपूर्व गति दी। यह आविष्कार केवल तकनीकी परिवर्तन नहीं था, बल्कि सामाजिक और बौद्धिक क्रांति की शुरुआत भी था। मुद्रण के कारण ज्ञान सस्ता हुआ, शिक्षा का प्रसार हुआ और विचारों का आदान-प्रदान तेज हुआ।

वैज्ञानिक के बारे में

योहानेस गटेनबर्ग को यूरोप के इतिहास में उस व्यक्ति के रूप में जाने जाते हैं, जिन्होंने ज्ञान की दुनिया को आम लोगों तक पहुंचाने का रास्ता खोला। वे जर्मनी के मेंज (Mainz) शहर में जन्मे थे और पेशे से सुनार, आविष्कारक और मुद्रक थे। गटेनबर्ग का सबसे बड़ा योगदान था चल अक्षरों (Movable Type) वाली मुद्रण मशीन का विकास, जिसने पुस्तकों के निर्माण की प्रक्रिया को पूरी तरह बदल दिया। उनका आविष्कार मानव सभ्यता के उन दुर्लभ मोड़ों में से एक है, जिसने सोचने, सीखने और दुनिया को समझने के तरीके को हमेशा के लिए बदल दिया।

स्फीयर: रोमांचकारी अनुभव और मनोरंजन का मंच

कल्पना कीजिए आप एक विशाल सभागार में बैठे हैं। रोशनी धीमी पड़ती है और अचानक ऐसा लगता है मानो छत गायब हो गई हो। आपके ऊपर अनंत ब्रह्मांड फैल जाता है- तारे, आकाशगंगाएं, घूमते ग्रह। आप सिर्फ देख नहीं रहे, बल्कि उस दृश्य के भीतर मौजूद हैं। चेहरे पर ठंडी हवा का अहसास होता है, कुर्सी के नीचे हल्का कंपन महसूस होता है और कानों में आती आवाज इतनी साफ कि लगता है कोई आपके बिल्कुल पास खड़ा होकर बोल रहा हो। यह न तो किसी विज्ञान-कथा फिल्म का दृश्य है और न ही भविष्य की कोरी कल्पना- यह यथार्थ है। अमेरिका के लास वेगास में बना स्फीयर (Sphere) मनोरंजन की दुनिया में इसी यथार्थ को संभव बनाता है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

तकनीक जो लगती है जादू जैसी

स्फीयर का सबसे बड़ा आकर्षण इसका 16K रैपअराउंड एलईडी स्क्रीन है, जो दर्शकों को चारों ओर से घेर लेता है। लगभग 1,60,000 वर्ग फुट में फैला यह दृश्य-परिदृश्य यह सुनिश्चित करता है कि दर्शक जहां भी बैठा हो, अनुभव का केंद्र वही हो। इमारत की बाहरी सतह करीब 5,80,000 वर्ग फुट खुद एक विशाल डिजिटल कैनवस है, जो रात के समय पूरे लास वेगास के आकाश को एक चलती-फिरती दृश्य-कला में बदल देती है। दृश्य जितने भव्य हैं, ध्वनि तकनीक उससे भी आगे जाती है। जर्मन कंपनी HOLOPLOT द्वारा डिजाइन की गई प्रणाली में 1,64,000 से अधिक साउंड ड्राइवर्स लगे हैं, जो उन्नत तकनीक के जरिए हर सीट तक सटीक ध्वनि पहुंचाते हैं। इसका परिणाम यह है कि एक ही कार्यक्रम में बैठे दो दर्शकों को भी आवाज का अनुभव थोड़ा अलग लग सकता है। इसके साथ सीटों में कंपन, तापमान और अन्य सेंसरी प्रभाव दर्शक को सिर्फ देखने-सुनने तक सीमित नहीं रखते, बल्कि उसे अनुभव का सक्रिय हिस्सा बना देते हैं।

थिएटर नहीं, एक जीवंत अनुभव

स्फीयर कोई साधारण थिएटर या स्टेडियम नहीं है। यह ऐसा मंच है, जहां दर्शक कार्यक्रम को सिर्फ देखते नहीं, बल्कि उसके भीतर प्रवेश कर जाते हैं। वे उसे जीते हैं। मनोरंजन के इतिहास में इसे तकनीक और अनुभव के मेल की एक असाधारण छलांग कहा जा सकता है। जिस तरह कभी मूक फिल्मों से 'टॉकीज' और श्वेत-श्याम से रंगीन सिनेमा तक का सफर एक ऐतिहासिक मोड़ था, उसी तरह स्फीयर उस दौर का संकेत है, जहां मनोरंजन सिर्फ देखा नहीं जाता- महसूस किया जाता है, जिया जाता है।

एक महत्वाकांक्षी परियोजना और विशाल संरचना

करीब 2.3 अरब डॉलर की लागत से निर्मित यह संरचना दुनिया की सबसे बड़ी गोलाकार मनोरंजन इमारतों में गिनी जाती है। 2018 में मेडिसन स्क्वायर गार्डन समूह के प्रमुख जेम्स डॉलन की परिकल्पना के रूप में शुरू हुआ यह प्रोजेक्ट महामारी और वैश्विक सप्लाई-चेन संकट जैसी बाधाओं के बावजूद 2023 में पूरा हुआ। 366 फीट ऊंचाई और 516 फीट व्यास वाली यह इमारत केवल वास्तुकला की उपलब्धि नहीं, बल्कि 'अनुभव-आधारित तकनीक' का प्रतीक भी है।

विज्ञापन और शहर का नया चेहरा

स्फीयर की बाहरी सतह, जिसे 'एक्सोस्फीयर' कहा जाता है। तकनीकी रूप से और भी अधिक क्रांतिकारी है। लगभग 5,80,000 वर्ग फुट की यह पूर्ण-रंग एलईडी स्क्रीन दिन-रात सक्रिय रहती है। कभी यह पृथ्वी का रूप ले लेती है, कभी मंगल ग्रह का, तो कभी किसी उत्सव या कल्पनालोक का दृश्य बन जाती है। मार्केटिंग के लिहाज से यह दुनिया के सबसे दृश्यमान और प्रभावशाली विज्ञापन माध्यमों में शामिल हो चुकी है। लास वेगास आने वाला लगभग हर व्यक्ति इसे देखता है- चाहे वह पर्यटक हो, चालक हो या केवल आकाश की ओर देखने वाला राहगीर।

उद्घाटन से वैश्विक पहचान तक

सितंबर 2023 में आयरिश बैंड यू-2 के उद्घाटन कार्यक्रम ने दुनिया को पहली बार इस मंच की पूरी क्षमता से परिचित कराया। इसके बाद फिल्म निर्देशक डैरेन एरोनोफस्की की फिल्मपोस्टकार्ड फ्रॉम अर्थ ने यह स्पष्ट कर दिया कि स्फीयर सिर्फ संगीत या शो का मंच नहीं, बल्कि कहानी कहने और सिनेमा की भाषा को नए सिरे से गढ़ने का एक बिल्कुल नया माध्यम है। कुछ ही महीनों में बड़े आयोजनों और वैश्विक ब्रांड अभियानों ने इसे तकनीकी कौतूहल से आगे बढ़ाकर आर्थिक रूप से व्यवहार्य मंच बना दिया।

भव्यता के साथ आती चुनौतियां

इतनी विशाल और अत्याधुनिक संरचना अपने साथ चुनौतियां भी लाती है। अत्यधिक लागत और लगातार उच्च-स्तरीय कंटेंट की जरूरत इसे एक साहसिक और जोखिम भरा प्रयोग बनाती है। इतनी विशाल डिजिटल संरचना के संचालन के लिए भारी मात्रा में ऊर्जा की आवश्यकता होती है। पर्यावरणीय स्थिरता और शहरी नियोजन के संदर्भ में इस तरह की परियोजनाएं गंभीर समीक्षा की मांग करती हैं। हालांकि सौर ऊर्जा और सीमित प्रकाश मोड जैसे उपायों के जरिए इन समस्याओं को कम करने की कोशिश की जा रही है।

भविष्य की दिशा

स्फीयर यह संकेत देता है कि भविष्य का मनोरंजन निष्क्रिय नहीं होगा। आने वाले समय में प्रतिस्पर्धा केवल स्टेडियमों, सिनेमाघरों या शो की नहीं होगी, बल्कि उन अनुभवों की होगी, जो मानव मन और शरीर दोनों को गहराई से छू सकें। तकनीक तैयार है, मंच सजा हुआ है। अब चुनौती रचनात्मकता की है कि इस विशाल कैनवास पर हम कौन-सी कहानियां रचते हैं। क्योंकि जब तकनीक संस्कृति से मिलती है, तब इतिहास लिखा नहीं जाता, जिया जाता है।

भारतीय परिप्रेक्ष्य: अवसर और प्रश्न

भारत के संदर्भ में यह अनुभव कई अहम सवाल खड़े करता है। हमारे पास तकनीकी दक्षता, युवा प्रतिभा और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत-तीनों मौजूद हैं। सवाल यह नहीं कि भारत स्फीयर जैसी संरचना बना सकता है या नहीं, असली प्रश्न यह है कि क्या हम इसे केवल पश्चिमी मॉडल की नकल के रूप में अपनाएंगे या अपनी कला, मिथक, इतिहास, विज्ञान और भविष्य-दृष्टि को वैश्विक मंच पर नए रूप में प्रस्तुत करेंगे। यदि ऐसे केंद्रों को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और शैक्षिक नवाचार के रूप में देखा जाए, तो वे पर्यटन, रोजगार और रचनात्मक उद्योगों में नई ऊर्जा भर सकते हैं।

जंगल की दुनिया

मंदारिन बत्तख: पंखों पर उतरती बसंत ऋतु

बसंत और ग्रीष्म ऋतु के आगमन के साथ ही प्रकृति मानो अपने सबसे चमकदार रंगों में सज उठती है और इसी रंगीन उत्सव का जीवंत प्रतीक है मंदारिन बत्तख। प्रजनन काल में नर मंदारिन बत्तख के पंख असाधारण रूप से आकर्षक हो जाते हैं। लाल, नारंगी, नीले, हरे और सफेद रंगों का अनूठा संयोजन इसे दूर से ही पहचानने योग्य बना देता है।

मंदारिन बत्तख सजीली कलगी, पंखों की विशिष्ट बनावट और चमकदार चोंच इसे दुनिया की सबसे सुंदर बत्तखों में स्थान दिलाती है। इसके विपरीत मादा मंदारिन अपेक्षाकृत साधारण होती है। उसके भूरे रंग के पंख और सादी चोंच उसे प्राकृतिक वातावरण में छिपने में मदद करते हैं, जो प्रजनन और सुरक्षा की दृष्टि से उपयोगी है। प्रजनन काल समाप्त होते ही नर मंदारिन के रंग भी फीके पड़ जाते हैं। उसके पंख भूरे और धूसर रंग के हो जाते हैं, जिससे वह मादा के समान दिखाई देने लगता है। यह परिवर्तन प्रकृति की उस व्यवस्था को दर्शाता है, जहां सौंदर्य केवल आकर्षण का माध्यम नहीं, बल्कि अस्तित्व और संतुलन का हिस्सा भी है। मंदारिन बत्तख का वैज्ञानिक नाम ऐक्स गैलेरिकुलता (Aix galericulata) है। इसकी पहचान सबसे पहले वर्ष 1758 में स्वीडिश वनस्पतिशास्त्री, चिकित्सक और प्राणी विज्ञानी कार्ल लिनिअस ने की थी।

अपने अद्वितीय रंगों और सीमित प्राकृतिक खतरों के कारण इसे अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) की रेड लिस्ट में 'संकट मुक्त' श्रेणी में रखा गया है। सामान्यत: मंदारिन बत्तखें रूस, कोरिया, जापान और चीन के उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में प्रजनन करती हैं। समय के साथ इनका विस्तार पश्चिमी यूरोप और अमेरिका तक भी देखा गया है। भारत में इसका पहला रिकॉर्ड वर्ष 1902 में असम के तिनसुकिया जिले के रोंगगोरा क्षेत्र में, डिब्रू नदी के तट पर दर्ज किया गया था। चीन और जापान की मूल निवासी मंदारिन बत्तख न केवल जैव विविधता का अद्भुत उदाहरण है, बल्कि सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। नर मंदारिन के मनोहारी रंगों ने सदियों से कलाकारों को प्रेरित किया है।

आर्द्रभूमि: विज्ञान, जीवन और संस्कृति का संगम

डॉ. जितेंद्र शुक्ला
वन्य जीव विशेषज्ञ

भारतीय संस्कृति में प्रकृति को केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदायिनी और पूजनीय सत्ता के रूप में देखा गया है। जल, भूमि, वन और जीव-जंतु—सभी को धर्म, दर्शन और जीवन पद्धति से जोड़ा गया। इसी सांस्कृतिक दृष्टि का एक अत्यंत महत्वपूर्ण, लेकिन आज उपेक्षित पक्ष हैं आर्द्रभूमियां- तालाब, झीलें, सरोवर, नदी किनारे के दलदली क्षेत्र, बाढ़ के मैदान और तटवर्ती जलक्षेत्र। भारतीय सभ्यता के विकास, धार्मिक परंपराओं, सामाजिक जीवन और आजीविका में आर्द्रभूमियों की भूमिका केंद्रीय रही है। प्राचीन भारत में आर्द्रभूमियों को केवल जलस्रोत नहीं माना गया, बल्कि उन्हें सांस्कृतिक और आध्यात्मिक केंद्र का दर्जा प्राप्त था। वेदों में जल को जीवन का मूल तत्व कहा गया है- 'आप: प्राणा:'। ऋग्वेद, अथर्ववेद और उपनिषदों में जलाशयों, नदियों और सरोवरों की महिमा का विस्तार से वर्णन मिलता है। यह दृष्टि स्पष्ट करती है कि भारतीय संस्कृति में आर्द्रभूमियां जीवन के संरक्षण और संतुलन का प्रतीक रही हैं।

भारतीय धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं में आर्द्रभूमियों का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। देश के लगभग हर प्रमुख तीर्थ का संबंध किसी न किसी नदी, सरोवर या जलाशय से जुड़ा हुआ है। काशी में गंगा, प्रयाग में संगम, पुष्कर का सरोवर और अमृतसर का अमृत सरोवर इस तथ्य के जीवंत उदाहरण हैं। ये आर्द्रभूमियां केवल जल स्रोत नहीं थीं, बल्कि पूजा, तप, संस्कार और आत्मशुद्धि का माध्यम भी थीं। मंदिरों के साथ निर्मित पुष्करणी, कुंड और बावड़ियां स्थापत्य की उत्कृष्ट कृतियां होने के साथ-साथ सामाजिक और धार्मिक जीवन का अभिन्न अंग थीं।

भारतीय ग्रामीण जीवन की धुरी भी आर्द्रभूमियां ही रही हैं। गांव का तालाब सिर्फ पानी भरने की जगह नहीं था, बल्कि सामूहिक चेतना का केंद्र था। वहीं से सिंचाई होती थी, पशुओं को पानी मिलता था, मछली पालन होता था और अनेक लोक परंपराएं जन्म लेती थीं। छठ पूजा, कार्तिक स्नान, गंगा दशहरा और मकर संक्रांति जैसे पर्व सीधे तौर पर जल और आर्द्रभूमियों से जुड़े हुए हैं। ये उत्सव दर्शाते हैं कि भारतीय संस्कृति में जल केवल भौतिक आवश्यकता नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान था।

भारतीय दर्शन के पंचमहाभूत सिद्धांत में जल और पृथ्वी के संतुलन को जीवन का आधार माना गया है। आर्द्रभूमियां इसी संतुलन की जीवंत अभिव्यक्ति हैं, जहां जल और भूमि का समन्वय होता है। इसी कारण तालाब या सरोवर को पाटना पाप और जलाशय निर्माण को पुण्य कार्य माना गया। इतिहास भी इस सोच की पुष्टि करता है। मौर्य, गुप्त, चोल और विजयनगर काल में तालाबों और जलाशयों का व्यापक निर्माण हुआ। दक्षिण भारत का एरी सिस्टम, राजस्थान की जोहड़ और उत्तर भारत की बावड़ियां भारतीय समाज की वैज्ञानिक और सामुदायिक जल-संरक्षण परंपरा का प्रमाण हैं।

लोक साहित्य और परंपराओं में भी आर्द्रभूमियों की गहरी छाप दिखाई देती है। लोकगीतों और कथाओं में तालाब, कमल, मछली और पक्षियों का बार-बार उल्लेख मिलता है। दलदली जल में खिलने वाला कमल भारतीय संस्कृति में पवित्रता और सौंदर्य का प्रतीक बना। लक्ष्मी और सरस्वती जैसी देवियों का कमल पर विराजमान होना आर्द्रभूमियों के सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करता है।

आधुनिक विज्ञान जिन गुणों को आज आर्द्रभूमियों की विशेषता मानता है। जल संरक्षण, जैव विविधता, बाढ़ नियंत्रण और भूजल पुनर्भरण, उनका अनुभव भारतीय समाज ने सदियों पहले अपने जीवन में उतार लिया था। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार आर्द्रभूमियां पृथ्वी की कुल भूमि का लगभग छह प्रतिशत क्षेत्र घेरती हैं, लेकिन इसके बावजूद विश्व की लगभग चालीस प्रतिशत जैव विविधता को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहारा देती हैं। ये प्राकृतिक स्पंज की तरह कार्य करती हैं, जो अत्यधिक वर्षा के समय बाढ़ को नियंत्रित करती हैं और सूखे में नमी बनाए रखती हैं।

भूजल पुनर्भरण में भी इनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब आर्द्रभूमियां नष्ट होती हैं, तो इसका सीधा असर भूजल स्तर पर पड़ता है। इसके अलावा ये प्राकृतिक जल शोधन संयंत्र की तरह काम करती हैं। पौधे और सूक्ष्म जीव प्रदूषकों को अवशोषित कर जल को स्वच्छ बनाते हैं। जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में भी आर्द्रभूमियां कार्बन सिंक के रूप में महत्वपूर्ण हैं, विशेषकर मैंग्रोव और पीटलैंड क्षेत्र। दुर्भाग्यवश आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में आर्द्रभूमियां अतिक्रमण, प्रदूषण और उपेक्षा का शिकार हो रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार पिछली एक सदी में विश्व की लगभग पैंतीस प्रतिशत आर्द्रभूमियां नष्ट हो चुकी हैं। जब तालाब सूखते हैं, तो केवल जल नहीं, बल्कि उससे जुड़ी संस्कृति, परंपरा और सामूहिक स्मृति भी समाप्त हो जाती है।

अंततः यह समझना होगा कि आर्द्रभूमियां प्रकृति का कोई अलग-थलग हिस्सा नहीं हैं, बल्कि वही कड़ी हैं, जो जल, भूमि, वायु और जीवन को एक सूत्र में बांधती हैं। यदि आर्द्रभूमियां सुरक्षित हैं, तो नदियां जीवित रहेंगी, भूजल स्थिर रहेगा, जैव विविधता फलती-फूलती रहेगी और जलवायु संतुलन बना रहेगा, लेकिन यदि इन्हें नजरअंदाज किया गया, तो विकास के सारे दावे खोखले साबित होंगे। इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि आर्द्रभूमियों पर ही प्रकृति का संतुलन टिका है और उनका संरक्षण हमारे भविष्य की अनिवार्य शर्त है।

वैज्ञानिक फैक्ट

मानव मस्तिष्क जला सकता है 20 वॉट का बल्ब

मानव मस्तिष्क अपनी जटिलता और शक्ति के कारण प्रकृति का सबसे अद्भुत अंग माना जाता है। यह लगातार विद्युत और रासायनिक प्रक्रियाओं के माध्यम से काम करता है। हमारे मस्तिष्क में लगभग 86 अरब न्यूरॉन्स हैं, जो निरंतर संदेशों का आदान-प्रदान करते रहते हैं। इस संचार प्रक्रिया में हर न्यूरॉन विद्युत आवेग (Electrical Impulse) उत्पन्न करता है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि मस्तिष्क द्वारा उत्पन्न कुल ऊर्जा लगभग 20 वॉट होती है, जो एक छोटे लैंप को जलाने के लिए पर्याप्त है। यह ऊर्जा केवल बिजली का उत्पादन नहीं करती, बल्कि हमारी सोचना, सीखना, याददाश्त और भावनाओं की गतिविधियों का आधार भी है।

न्यूरॉन्स में सूचनाओं का तेज आदान-प्रदान शरीर के हर अंग को नियंत्रित करता है। मस्तिष्क के इस नेटवर्क की जटिलता इतनी है कि एक ही समय में हम कई कार्य कर सकते हैं-सोच सकते हैं, निर्णय ले सकते हैं, समस्याओं का समाधान कर सकते हैं और शरीर की क्रियाओं को संतुलित रख सकते हैं। हालांकि यह विद्युत ऊर्जा हमारे प्रत्यक्ष उपयोग के लिए उपलब्ध नहीं है, फिर भी यह हमारे मस्तिष्क की अद्भुत कार्यप्रणाली और जैविक डिजाइन की शक्ति को प्रमाणित करती है। हर पल जब हम सोचते, याद करते या महसूस करते हैं, तब हमारे भीतर लगभग 20 वॉट की निरंतर ऊर्जा काम कर रही होती है। इस ऊर्जा का अध्ययन न केवल मानव मस्तिष्क की कार्यक्षमता को समझने में मदद करता है, बल्कि यह हमें जीवन की जटिल प्रक्रियाओं और हमारे शरीर के अद्भुत संतुलन का एहसास भी कराता है। मस्तिष्क का यह विद्युत नेटवर्क यह दर्शाता है कि सोचने और महसूस करने की क्षमता केवल जैविक मशीनरी का परिणाम नहीं, बल्कि प्रकृति की सटीक योजना और अद्भुत रचना का प्रतीक है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	82,566.37	25,418.90
बढ़त	221.69	76.15
प्रतिशत में	0.27	0.30

सोना 1,83,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 4,04,500 प्रति किलो

अमृत विचार

अयोध्या, शुक्रवार, 30 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

न्यूज ब्रीफ

एयर इंडिया ने बोइंग को 30 विमानों की खरीद का ऑर्डर दिया

हैदराबाद। एयर इंडिया ने 30 अतिरिक्त बोइंग विमानों की खरीद का ऑर्डर दिया है, जिसमें बीस 737-8 और दस 737-10 जेट शामिल हैं। एयर इंडिया ने बताया कि ये 30 विमान वर्ष 2023 में बोइंग को दिए गए 220 विमानों के ऑर्डर के अतिरिक्त हैं। इसके साथ ही बोइंग से एयर इंडिया द्वारा ऑर्डर किए गए विमानों की कुल संख्या 250 हो गई है। यह घोषणा विंग्स इंडिया 2026 कार्यक्रम के दौरान की गई, जहां केंद्रीय विमानन उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू भी मौजूद थे। नए ऑर्डर के बाद एयर इंडिया को बोइंग से कुल 198 नए विमान मिलने हैं।

आरबीआई ने 50,000 करोड़ की प्रतिभूति

मुंबई। रिजर्व बैंक ने बैंकिंग तंत्र में नकदी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जारी उपायों के तहत गुरुवार को खुले बाजार से 50 हजार करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूति की खरीद की। यह पिछले दिनों की दो समान किस्तों में एक लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूति की खरीद का पहला किस्त है। दूसरे किस्त की खरीद 05 फरवरी को की जाएगी। केंद्रीय बैंक ने बताया कि उसने तीन साल से 27 साल की अवधि वाली प्रतिभूतियों की खरीद की जिन पर ब्याज की दर 6.22 प्रतिशत से 7.95 प्रतिशत तक है। दिसंबर से अबतक रिजर्व बैंक खुले बाजार से 3.50 लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूति खरीद चुका है।

एयरटेल 36 करोड़ ग्राहकों को देगा एडोब एक्सप्रेस की मुफ्त सेवा

नई दिल्ली। दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने 36 करोड़ ग्राहकों को एडोब एक्सप्रेस प्रीमियम की मुफ्त पहुंच देने की जानकारी दी है। इससे ग्राहक उच्च गुणवत्ता की सोशल मीडिया सामग्री, विपणन सामग्री, लघु वीडियो और अन्य सामग्री डिजाइन कर सकेंगे। यह कदम तब उठाया गया है जब एआई संचालित डिजाइन उपकरण लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं। इससे भारतीय दूरसंचार संचालक अपने डिजिटल परिवेश में यूजर जुड़ाव को उच्च स्तर पर बनाए रखने के लिए वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ साझेदारी करने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

वैश्वीकरण का अंत करीब, स्वदेशी को टाल नहीं सकते

बजट सत्र: आर्थिक समीक्षा में समय की बर्बादी से बचने पर जोर, कहा- देश के लिए मैराथन को भी तेजी से दौड़ने जैसी स्थितियां

नई दिल्ली, एजेंसी

बढ़ते निर्यात नियंत्रण, विकसित देशों की ओर से प्रौद्योगिकी देने से इन्कार और कार्बन कर व्यवस्था वास्तव में वैश्वीकरण के अंत का संकेत दे रहे हैं। ऐसे में भारत में स्वदेशी नीतियों पर ध्यान देना अपरिहार्य और आवश्यक हो गया है। संसद में बृहस्पतिवार को पेश की गई आर्थिक समीक्षा में इस पर जोर दिया गया है।

वित्त वर्ष 2025-26 की आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि भारत को आयात प्रतिस्थापन, रणनीतिक मजबूती और रणनीतिक अनिवार्यता की अपनी निकट, मध्यम और दीर्घकालिक नीतिगत प्राथमिकताओं को एक साथ आगे बढ़ाना होगा। समय बर्बाद करने का कोई मौका नहीं है। यह एक ही समय में मैराथन और तेजी से दौड़ने जैसा है या मैराथन को तेजी से दौड़ना दौड़ना है। कहा गया कि वर्तमान में कोई भी देश ऐसे वातावरण में काम कर रहा है जहां कच्चा माल, प्रौद्योगिकी और बाजारों तक पहुंच को निर्बाध या स्थायी नहीं माना जा सकता है। निर्यात नियंत्रण, प्रौद्योगिकी प्रतिबंध, कार्बन सीमा तंत्र और पश्चिम एवं पूर्व दोनों देशों की औद्योगिक नीतियां सीधे तौर पर वैश्वीकरण के खात्मे का संकेत है।

समीक्षा में कहा गया है, ऐसी परिस्थितियों में स्वदेशी एक रक्षात्मक और आक्रामक नीतिगत साधन बन जाता है। यह बाहरी झटकों के बावजूद उत्पादन की निरंतरता सुनिश्चित करने का एक माध्यम है और आर्थिक संप्रभुता को सुदृढ़ करने वाली स्थायी राष्ट्रीय क्षमताओं के निर्माण का रास्ता साफ करता है। सवाल अब यह नहीं है कि राज्य को स्वदेशी को प्रोत्साहित करना चाहिए या नहीं, बल्कि यह है कि दक्षता, नवाचार या वैश्विक एकीकरण को कमजोर किए बिना ऐसा कैसे किया जाए।

मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी की।

सोशल मीडिया के इस्तेमाल के लिए तय हो उम्र सीमा

नई दिल्ली। बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के वैश्विक संकेतों का हवाला देते हुए सरकार की आर्थिक समीक्षा में बृहस्पतिवार को कहा गया कि ऑनलाइन मंच का इस्तेमाल करने के लिए उम्र आधारित सीमा पर विचार किया जाना चाहिए। साथ ही, डिजिटल लत से बचने के लिए ऑनलाइन शिक्षण में भी कटौती की जानी चाहिए।

समीक्षा में कहा गया कि बच्चों को हानिकारक सामग्री से बचाने के लिए शैक्षिक सामग्री तक पहुंच को सरल उपकरणों जैसे साधारण फोन या टैबलेट को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इसके साथ उम्र आधारित पहुंच सीमा को लेकर नीतियों पर विचार किया जा सकता है, क्योंकि कम उम्र के उपयोगकर्ता अनिवार्य उपयोग और हानिकारक सामग्री के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। मंच को उम्र के सत्यापन और उम्र के अनुरूप डिफॉल्ट सेटिंग लागू करने के लिए जिम्मेदार बनाया जाना चाहिए। यह विशेष रूप से सोशल मीडिया, जुए वाले एप, 'ऑटो-प्ले' फीचर्स और लक्षित विज्ञापनों के लिए अनिवार्य होना चाहिए।

व्यय संतुलन : केंद्र की तारीफ, राज्यों की लोकलुभावन योजनाओं पर चिंता

नई दिल्ली। आर्थिक समीक्षा में चिंता जताई गई है कि राज्यों की ओर से लोकलुभावन घोषणाओं, नकद अंतरण के कारण पूंजीगत व्यय प्रभावित होने से उनका राजस्व घाटा बढ़ रहा है। कहा गया कि राज्य स्तर पर किसी भी प्रकार की राजकोषीय अनुशासनहीनता का सीधा असर देश की उधारी लागत पर पड़ता है। कहा गया, जहां केंद्र ने रिकॉर्ड सार्वजनिक निवेश के साथ अपने खर्च को संतुलित रखा है, वहीं कई राज्यों में बढ़ते राजस्व घाटे और बिना शर्त नकद अंतरण वृद्धि को बढ़ावा देने वाले खर्च को प्रभावित कर रहे हैं, जो नए जोखिम पैदा कर रहे हैं। कई राज्यों में बिना शर्त नकद अंतरण योजनाएं तेजी से बढ़ रही हैं और अब राज्य-स्तरीय कल्याणकारी खर्च का एक बड़ा हिस्सा बन गई हैं। विशेष रूप से महिलाओं के लिए चल रही इन योजनाओं पर वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 1.7 लाख करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

जंक फूड के विज्ञापन सुबह से देर रात तक रोकने की सिफारिश

नई दिल्ली। अधिक वसा एवं चीनी वाले अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों (यूपीएफ) की बढ़ती खपत पर गंभीर चिंता जताते हुए सुबह से देर रात तक इन उत्पादों के विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव दिया है। कहा गया है कि शिशु और छोटे बच्चों के इस्तेमाल वाले दूध एवं पेय पदार्थों के विपणन पर भी सख्त पाबंदियों की जरूरत है। उच्च वसा, चीनी और नमक वाले खाद्य पदार्थों के लिए चेतावनी के साथ पैकेट के सामने वाले हिस्से पर पोषण संबंधी सूचना देने और बच्चों को लक्षित विपणन पर लगाम लगाने का सुझाव दिया गया है। यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया है कि व्यापार समझौते किसी भी तरह से सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों को कमजोर न करें। समीक्षा के मुताबिक, नुकसानदेह खाद्य उत्पाद (जंक फूड) के रूप में चिह्नित बर्गर, नूडल्स, पिज्जा एवं शीतल पेय का बढ़ता सेवन दुनियाभर में दीर्घकालिक बीमारियों को बढ़ावा दे रहा है। 2009 से 2023 के बीच भारत में यूपीएफ की खुदरा बिक्री 2006 के 90 करोड़ डॉलर से बढ़कर 2019 में लगभग 38 अरब डॉलर हो गई जो करीब 40 गुना अधिक है। इस दौरान पुरुषों और महिलाओं दोनों में मोटापा लगभग दोगुना हो गया।

यूरिया की कीमतों को बढ़ाने और किसानों को डीबीटी का सुझाव

नई दिल्ली। आर्थिक समीक्षा में यूरिया की खुदरा कीमत में मामूली बढ़ोतरी करने की बात कही गई है जो मार्च 2018 से 242 रुपये प्रति 45 किलो बैग है। इसके समान राशि किसानों को प्रति एकड़ आधार पर हस्तांतरित की जाएगी। कहा गया है कि लागत सब्सिडी से आय सहायता की ओर प्रस्तावित बदलाव का लक्ष्य उर्वरक के उपयोग में तीन दशक पुराने असंतुलन को ठीक करना है, जो मिट्टी की गुणवत्ता को खराब कर रहा है और फसल की पैदावार को कम कर रहा है। आर्थिक समीक्षा में बताया गया है कि भारतीय किसानों द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला नाइट्रोजन-फॉस्फोरस-पोटेशियम (एनपीके) अनुपात वर्ष 2009-10 में 4:3.2:1 से घटकर वर्ष 2023-24 में 10.9:4.1:1 हो गया है, जिसका मुख्य कारण सब्सिडी वाले यूरिया के माध्यम से अत्यधिक नाइट्रोजन का उपयोग है। कृषि संबंधी मानक अधिकांश फसलों और मिट्टी के प्रकारों के लिए 4:2:1 के करीब अनुपात का सुझाव देते हैं।

आशावादी आर्थिक समीक्षा से बाजार ने तेजी पकड़ी, सेंसेक्स 222 अंक मजबूत

मुंबई। टाटा स्टील एवं लार्सन एंड टुब्रो में जबर्दस्त खरीदारी और आर्थिक समीक्षा 2025-26 में अगले वित्त वर्ष के लिए 6.8 से 7.2 प्रतिशत का वृद्धि अनुमान जताए जाने से बृहस्पतिवार को स्थानीय शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन चढ़कर बंद हुए। सेंसेक्स में 222 अंक की बढ़त रही जबकि निफ्टी 76 अंक बढ़ा।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स दोपहर के सत्र में बढ़ी लिवाली के दम पर 221.69 अंक यानी 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82,566.37 अंक पर बंद हुआ। हालांकि, सुबह के कारोबार में यह 636.74 अंक टूटकर 81,707.94 अंक तक गिर गया था। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 76.15 अंक यानी 0.30 प्रतिशत चढ़कर 25,418.90 अंक पर बंद हुआ। सुबह के कारोबार में निफ्टी 25,159.80 अंक तक फिसल गया था। विश्लेषकों ने कहा कि वैश्विक बाजारों में तेजी और विदेशी कोषों के निवेश में बढ़ोतरी ने प्रमुख सूचकांकों को निचले स्तर से उबारने में मदद की।

देश में इंटरनेट इस्तेमाल करने वाले 95 करोड़ के पार

बेंगलुरु, एजेंसी

- ग्रामीण उपयोगकर्ताओं की संख्या 57 प्रतिशत, पिछले साल की तुलना में आठ प्रतिशत वृद्धि

ग्रामीण संपर्क में तेजी, शॉर्ट वीडियो के बढ़ते चलन और एआई के बढ़ते इस्तेमाल के कारण वर्ष 2025 में भारत में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले लोगों की संख्या 95 करोड़ के पार पहुंच गई है। इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में यह आंकड़ा दिया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में से 57 प्रतिशत यानी लगभग 54.8 करोड़ ग्रामीण भारत से हैं। इन रुझानों पर आधारित 'इंटरनेट इन इंडिया रिपोर्ट 2025' को कर्नाटक सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी/बीटी और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की सचिव मंजुला एन की उपस्थिति में 'इंडिया डिजिटल समिट' में जारी किया गया। रिपोर्ट को 'इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया' और कांतार ने संयुक्त रूप से तैयार किया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अब 95.8 करोड़ सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं। यह पिछले वर्ष की तुलना में आठ प्रतिशत वृद्धि है जो दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते डिजिटल बाजारों में भारत की स्थिति को और पुख्ता करती है। बताया गया है कि भारत में एआई का उपयोग तेजी से बढ़ा है। करीब 44 प्रतिशत लोग वॉयस सर्च, इमेज-आधारित सर्च, चैटबॉट और एआई फिल्टर जैसे फीचर्स का इस्तेमाल कर रहे हैं।

युवा कर रहे हैं सबसे ज्यादा एआई का इस्तेमाल

रिपोर्ट में कहा गया है कि युवाओं (15-24 वर्ष) में एआई का सबसे अधिक 57 प्रतिशत उपयोग देखा गया है। इसके बाद 25 से 44 वर्ष के लोग हैं, जिसमें 52 प्रतिशत लोगों ने एक साल के दौरान एआई का इस्तेमाल किया है। इसी तरह, शॉर्ट वीडियो मंच भी विकास के मुख्य चालक बनकर उभरे हैं। वर्ष 2025 में 61 प्रतिशत यानी लगभग 58.8 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने शॉर्ट-वीडियो देखे, जिनमें ग्रामीणों की संख्या शहरी लोगों से थोड़ी अधिक रही। ईकॉमर्स और डिजिटल आदतें रिपोर्ट में बताया गया है कि पारंपरिक ऑनलाइन बाजारों के अलावा अब 'क्विक कॉमर्स' और 'सोशल कॉमर्स' का चलन भी बढ़ रहा है। शहरी क्षेत्रों के 23 करोड़ लोगों ने एक साल में ऑनलाइन खरीदारी की।

केरल सरकार ने पेश किया चुनावी बजट

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

- पेंशनभोगियों के लिए14,500 करोड़, आशा और आंगनबाड़ी वर्कर का मानदेय बढ़ाया

केरल के वित्त मंत्री केएन बालागोपाल ने विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए 2026-27 के लिए बृहस्पतिवार को जनकेंद्रित बजट पेश किया। इसमें सामाजिक सुरक्षा पेंशनभोगियों की मदद के लिए 14,500 करोड़ रुपये की भारी राशि और कई नए सामुदायिक कार्यक्रमों के वित्तपोषण का प्रस्ताव है।

मुख्यमंत्री पिनराई विजयन नीत दूसरी सरकार का छठा बजट पेश करते हुए बालागोपाल ने विधानसभा में मान्यता प्राप्त आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में 1,000 रुपये माह जबकि आंगनबाड़ी सहायकों के मानदेय में 500 रुपये की वृद्धि की घोषणा की। उन्होंने बताया कि प्राथमिक विद्यालय के पूर्व शिक्षकों और साक्षरता अभियान के प्रेरकों के वेतन में 1,000 रुपये प्रति माह की वृद्धि जबकि विद्यालय के रसोइयों की दैनिक मजदूरी में 25 रुपये प्रति दिन की बढ़ोतरी का प्रस्ताव है।

बजट में मुख्यमंत्री की स्त्री सुरक्षा योजना के लिए 3,700 करोड़ रुपये की घोषणा भी की गई है। इसके अलावा बजट में ग्रामीण रोजगार योजना के लिए पिछले वर्ष की तुलना में 1,000 करोड़ रुपये के आवंटन में वृद्धि, स्कूली बच्चों सहित सभी श्रेणियों के लोगों के लिए जीवन एवं स्वास्थ्य बीमा योजनाओं और कला एवं विज्ञान कॉलेज के छात्रों के लिए मुफ्त डिग्री शिक्षा की भी घोषणा की गई है। बजट में तिरुवनंतपुरम से कासरगोड तक क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली से संबंधित प्रारंभिक कार्यों के लिए 100 करोड़ रुपये के आवंटन की भी घोषणा की गई।

राष्ट्रीय

देश में औद्योगिक विकास को रोकने के लिए ट्रेड यूनियन नेता जिम्मेदार

घरेलू सहायकों के लिए न्यूनतम मजदूरी की मांग करने वाली याचिका खारिज की

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने घरेलू सहायकों के लिए न्यूनतम मजदूरी के व्यापक कानूनी ढांचे और इसे लागू करने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करने से यह कहते हुए बृहस्पतिवार को इन्कार कर दिया कि वह केंद्र और राज्यों को मौजूदा कानूनों में संशोधन पर विचार करने के लिए कहने वाला कोई आदेश जारी नहीं कर सकता। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि देश में औद्योगिक विकास को रोकने के लिए ट्रेड यूनियनवाद काफी हद तक जिम्मेदार रहा है।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, देश में ट्रेड यूनियनों की वजह से कितनी औद्योगिक इकाइयां बंद हो चुकी हैं, जरा हकीकत बताइए।। देश के सभी पारंपरिक उद्योग, इन झंडा यूनियनों की वजह से पूरे देश में बंद हो गए हैं। वे काम नहीं करना चाहते। देश में औद्योगिक विकास को रोकने के लिए ये ट्रेड यूनियन नेता काफी हद तक जिम्मेदार हैं। सीजेआई ने कहा, निस्संदेह शोषण होता है, लेकिन शोषण से निपटने के उपाय भी हैं। लोगों को उनके व्यक्तिगत अधिकारों के बारे में अधिक जागरूक किया जाना चाहिए था, लोगों को अधिक कुशल बनाया जाना चाहिए था, और भी कई सुधार किए जाने चाहिए थे। देश भर में लाखों घरेलू सहायकों की दुर्दशा की बात को मानते हुए सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि न्यायपालिका कानूनों को लागू करने के लिए विधायिका के अधिकार क्षेत्र में अतिक्रमण नहीं कर सकती।

सेवा प्रदाता एजेंसियां श्रमिकों की वास्तविक शोषक

कोर्ट ने सेवा प्रदाता एजेंसियों द्वारा श्रमिकों के शोषण पर अफसोस जताते हुए कहा कि ये एजेंसिया शहरी क्षेत्रों में वास्तविक शोषक के रूप में उभरी हैं। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'मैंने इसे व्यक्तिगत रूप से देखा है। सुप्रीम कोर्ट ने कुशल कर्मचारियों के एक विशेष समूह को नियुक्त करने के लिए एक एजेंसी को 40,000 रुपये का भुगतान किया, जबकि वास्तव में उन गरीब लड़कियों को केवल 19,000 रुपये ही मिल रहे थे। सीजेआई ने कहा कि सभी प्रमुख शहरों में सेवा प्रदाता एजेंसियों ने पैर फैला लिए हैं। उन्होंने कहा, इनके लिए एक शब्द है, जिसका प्रयोग मैं खुले न्यायालय में नहीं कर सकता। सभी प्रमुख शहरों में ये बड़ी संस्थाएं मौजूद हैं, जो इन लोगों का शोषण कर रही हैं। असली शोषक यही हैं।

बिहार में एसआईआर के खिलाफ दायर याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर बृहस्पतिवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। इन याचिकाओं में गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ओर से दायर याचिका भी शामिल है। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिबल, अभिषेक सिंघवी, प्रशांत भूषण और गोपाल शंकरनारायण सहित कई वकीलों की दलीलें सुनने के बाद सुनवाई पूरी की। इस मामले में निर्वाचन आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी और मनिंदर सिंह उपस्थित हुए। अदालत ने पिछले साल 12 अगस्त को इस मामले में अंतिम बहस शुरू की थी।

पीठ ने अपने आदेश में कहा, जब तक विधायिका से उपयुक्त कानून बनाने का अनुरोध नहीं किया जाता, तब तक कोई भी लागू करने योग्य आदेश पारित नहीं किया जा सकता। इस अदालत द्वारा ऐसा कोई निर्देश जारी नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि, अदालत ने घरेलू सहायकों के संघ 'पेन थोजिलालार्गल संगम' समेत अन्य याचिकाकर्ताओं से राज्यों और केंद्र सरकार के समक्ष घरेलू सहायकों की दुर्दशा को उजागर करने का आग्रह किया ताकि इस मामले में उचित निर्णय लिया जा सके। अदालत ने कहा कि पत्राचार से पता चलता है कि राज्यों द्वारा इस पर सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है और हमें उम्मीद है कि उनकी सहायता और शोषण को रोकने के लिए एक उपयुक्त तंत्र तैनात किया जाएगा। पीठ ने इसके साथ जनहित याचिका का निपटारा कर दिया।

स्वाट कमांडो को पति ने मार डाला, भाई को फोन पर सुनाईं चीखें

नई दिल्ली। दिल्ली में 27 वर्षीय महिला स्वाट कमांडो की उसके पति द्वारा निर्मम हत्या से पहले के क्षण और भी भयावह थे, जब पीड़िता का भाई फोन पर अपनी बहन की चीखें सुनकर भी कुछ नहीं कर पाया।

मृतका काजल चौधरी के भाई निखिल ने 22 जनवरी की उस भयावह घटना के बारे में कांपती आवाज में बताया, जब काजल के पति अंकुर ने भारी डंबल से उसके सिर पर वार किया था। उन्होंने कहा, अंकुर ने मुझे फोन पर बातचीत को रिकॉर्ड करने को कहा और कहा कि इसे पुलिस के लिए सबूत के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। फिर उसने मुझे बताया कि वह काजल को मार रहा है। और फिर, मैंने उसकी चीखें सुनीं।

दिल्ली पुलिस की विशेष प्रकोष्ठ में तैनात काजल, हमले के समय मोहन गार्डन स्थित अपने आवास पर थीं और वह चार महीने की गर्भवती थी। रक्षा मंत्रालय में क्लर्क उसके पति अंकुर को हमले के कुछ घंटों बाद गिरफ्तार कर लिया गया। वह दिल्ली छावनी में तैनात था। काजल ने पांच दिनों तक जीवन के लिए संघर्ष करने के बाद, 27 जनवरी की सुबह गाजियाबाद के एक अस्पताल में दम तोड़ दिया।

भाजपा के सौरभ जोशी बने चंडीगढ़ के महापौर

चंडीगढ़। भाजपा के पार्षद सौरभ जोशी बृहस्पतिवार को चंडीगढ़ नगर निगम के नये महापौर चुने गए। पार्टी ने वरिष्ठ उपमहापौर और उपमहापौर के पद भी जीत लिए।

त्रिकोणीय मुकाबले में जोशी को 18, आप के उम्मीदवार योगेश ढिंगरा को 11 वोट मिले, कांग्रेस के गुरप्रीत सिंह को सात वोट मिले। इस बार महापौर चुनाव के लिए कांग्रेस और आप ने गठबंधन नहीं किया। परिणाम के बाद, दोनों के बीच जुबानी जंग छिड़ गई, दोनों पार्टियों के नेताओं ने एक-दूसरे पर भाजपा की मदद का आरोप लगाया।

शंकराचार्य सदानंद सरस्वती सरकार पर भड़के, कहा-शासक नहीं, जनता के सेवक

भिंड। प्रयागराज माघ मेले से जुड़े प्रकरण को लेकर शंकराचार्य सदानंद सरस्वती महाराज ने भिंड में सरकार पर तीखा हमला बोला। भिंड जिले के खनेता धाम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सत्ताधारी शासक नहीं, बल्कि जनता के सेवक होते हैं। धार्मिक आस्था को दबाने या कुचलने का दुस्साहस किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है।

भिंड जिले के खनेता धाम स्थित श्री रघुनाथ मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में शंकराचार्य ने प्रयागराज धरना प्रकरण को लेकर सरकार और प्रशासन के रवैये पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हाल की घटनाएं यह दर्शाती हैं कि सत्ता के कुछ हिस्सों में खुद को सेवक नहीं बल्कि शासक समझने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जो लोकतंत्र और सनातन परंपरा दोनों के लिए घातक है। शंकराचार्य ने कहा कि प्रयागराज में गंगा स्नान से रोका जाना और ब्राह्मण विद्यार्थियों व साधु-संतों के साथ बल प्रयोग चूक नहीं, बल्कि आस्था पर सीधा प्रहार है। शंकराचार्य ने प्रयागराज की घटना को हठधर्मिता और संवेदनहीनता का प्रतीक बताया। शिखा पकड़कर मारपीट किए जाने की घटना पर कड़ा आक्रोश जताते हुए उन्होंने कहा कि शिखा हिंदू समाज की धार्मिक पहचान और आस्था का प्रतीक है। इसे पकड़कर अपमानित करना केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे समाज का अपमान है।

एसआईआर: भारत के लिए खेल चुके फुटबॉलर को नोटिस, बोले- देश के लिए खेलना क्या व्यर्थ

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में एसआईआर के दौरान पूर्व अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी मेहताब हुसैन को सुनवाई के लिए तलब किया गया है जो भारत के लिए कई मैच खेल चुके हैं। देश के लिए करीब 30 मैच खेल चुके मेहताब हुसैन ने इस नोटिस पर गहरी व्यथा जताई है।

कोलकाता की दिग्गज टीमों मोहन बागान और ईस्ट बंगाल दोनों की कप्तानी कर चुके हुसैन ने देश का प्रतिनिधित्व कर चुके खिलाड़ियों को नागरिकता साबित करने की बाध्यता पर सवाल उठाया है। हुसैन को दक्षिण 24 परगना जिले के मल्लिकपुर के एक स्कूल में एक फरवरी को सुनवाई के लिए पेश होने का नोटिस मिला है। उन्होंने कहा कि वह इस समन से दुखी हैं। वह अभी यहां के पास न्यू टाउन में रहते हैं और मल्लिकपुर उनका पैतृक स्थान है और वह वहां के पंजीकृत मतदाता हैं। बताया जा रहा है कि उनकी मां से संबंधित दस्तावेजों में विसंगति पाए जाने के बाद नोटिस जारी किया गया था।

नाराजगी जताते हुए हुसैन ने कहा, मैंने राष्ट्रीय जर्सी पहनकर इतने मैच खेले हैं और देश के लिए अपना पसीना बहाया है। इसके बाद भी क्या मुझे यह साबित करने के लिए कतार में खड़ा होना पड़ेगा कि मैं भारतीय नागरिक हूं, क्या हमारा योगदान व्यर्थ हो गया। उन्होंने इस प्रक्रिया पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, मेरे मामले को छोड़ दें तो ऐसे बुजुर्ग और गंभीर रूप से बीमार लोग भी हैं जिन्हें कतारों में खड़ा किया जा रहा है। कुछ लोग व्हीलचेयर पर आ रहे हैं। उन्हें अपनी नागरिकता साबित करने के लिए इतनी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हुसैन से पहले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और पूर्व क्रिकेटर और बंगाल रणजी टीम के कप्तान लक्ष्मी रतन शुक्ला को भी एसआईआर सुनवाई के लिए बुलाया गया था।

खरगे और राहुल से मिले थरूर, कहा-सब कुछ ठीक

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने नाराजगी की खबरों के बीच बृहस्पतिवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की और कहा कि सब कुछ ठीक है तथा सब एकसाथ हैं।

संसद भवन स्थित खरगे के कार्यालय में यह मुलाकात हुई। थरूर ने इस मुलाकात को बहुत अच्छी, सार्थक और सकारात्मक करार दिया। उन्होंने कहा, सब कुछ ठीक है और हम सब एकसाथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी दावेदारी से इनकार करते हुए कहा कि यह उनके लिए कभी मुद्दा नहीं रहा।

राजकीय सम्मान के साथ अजित पवार का अंतिम संस्कार

बारामती, एजेंसी

- शाह-नवीन समेत कई नेता हुए शामिल गूंजे अजित दादा अमर रहे के नारे

महाराष्ट्र के पुणे जिले के बारामती में शोकाकुल लोगों ने बृहस्पतिवार को अपने नेता उपमुख्यमंत्री अजित पवार को अंतिम विदाई दी। पवार का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। अंतिम विदाई के लिए आए लोगों से खचाखच भरे बारामती के विद्या प्रतिष्ठान मैदान में पवार के बेटों पार्थ और जय ने चिता को मुखाग्नि दी। इस दौरान 'अजित दादा अमर रहे' के नारे गूंजते रहे।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी, मुरलीधर मोहोल, पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन राकांपा प्रमुख के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी मैदान में उपस्थित थे। बारामती पवार परिवार का गृहनगर है, जो पुणे से 100 किलोमीटर दूर है। अजित पवार के अंतिम संस्कार के लिए हजारों लोग एकत्रित हुए और जब उनके पार्थिव शरीर को राष्ट्रीय ध्वज में लपेटकर उनके गांव काटेवाडी से विद्या प्रतिष्ठान के मैदान में लाया गया। पुणे से करीब 100 किलोमीटर दूर बारामती हवाई पट्टी के पास बुधवार सुबह एक 'लियरजेट' विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से अजित पवार की मृत्यु हो गई थी।

दुर्घटना में जान गंवाने वाले पायलट कैप्टन सुमित कपूर का दिल्ली के पंजाबी बाग श्मशान घाट और फ्लाइट अटेंडेंट पिंकी माली का मध्य मुंबई के शिवाजी पार्क श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया। पवार के निजी सुरक्षा अधिकारी विदिप जाधव का अंतिम संस्कार बुधवार देर रात सतारा जिले में उनके पैतृक स्थान पर किया गया।

विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद : मुंबई। नागर विमानन मंत्रालय ने कहा कि बुधवार को दुर्घटनाग्रस्त हुए लियरजेट 45 विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है। मंत्रालय ने कहा कि एएआईबी इस दुर्घटना की जांच तेजी से कर रहा है।

बारामती में राजकीय सम्मान के साथ किया गया अजित पवार का अंतिम संस्कार।

कोलंबिया में यात्री विमान हादसे का शिकार, 15 लोगों की गई जान

बोगोटा, एजेंसी

- विमान में 13 यात्री और चालक दल के दो सदस्य थे सवार

उत्तर-पूर्वी कोलंबिया में बुधवार को एक यात्री विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से जिसमें सवार सभी 15 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में कोलंबियाई सांसद डियोजेनेस क्विंटरो अमाया और एक अन्य नेता कार्लोस साल्सेडो भी शामिल हैं यह दुर्घटना तब हुई जब कोलंबियाई एयरलाइन साटेना द्वारा संचालित विमान बीचक्राफ्ट 1900 वेनेजुएला की सीमा के पास स्थित कुकुटा से ओकांया जा रहा था।

साटेना ने एक्स पर जारी एक बयान में कहा, साटेना एयरलाइन को यह बताते हुए गहरा दुख हो रहा है कि कुकुटा से ओकांया के लिए उड़ान भरने वाला बीचक्राफ्ट विमान, भीषण दुर्घटना का शिकार हो गया है। विमान में 13 यात्री और चालक दल के दो सदस्य सवार थे। इसमें एक कोलंबियाई सांसद और एक चुनावी प्रत्याशी शामिल थे। कोलंबिया के परिवहन मंत्रालय ने पुष्टि की है कि इस हादसे में कोई भी जीवित नहीं बचा है। विमान का मलबा एक दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्र में मिला है, और घने जंगल के कारण खोज एवं बचाव कार्यों में काफी मुश्किलें आ रही हैं।

थाईलैड में विमान क्रैश, दो की मौत

बैंकाक। थाईलैंड के उत्तरी शहर चियांग माई में एक प्रशिक्षण विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से गुरुवार को वायुसेना के दो पायलटों की मौत हो गई। सेना के प्रवक्ता एयर मार्शल जैक्रिट थम्माविचाई ने बताया कि एटी-6टीएच वूल्वरिन हल्का हमलावर और टोही विमान चियांग माई हवाई अड्डे से लगभग 60 किमी दूर चोम थोंग जिले में एक सैन्य प्रशिक्षण क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दो सीट वाले विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों की जांच की जा रही है।

देश के अर्थतंत्र का रोडमैप

केंद्रीय बजट

बजट शब्द की उत्पत्ति फ्रांसीसी शब्द बोगेट से हुई है, जिसका अर्थ है चमड़े का थैला। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 112 के तहत इसे वार्षिक वित्तीय विवरण कहा जाता है। सरल शब्दों में, यह सरकार की आगामी वित्तीय वर्ष (1 अप्रैल से 31 मार्च) के लिए अनुमानित कमाई (राजस्व) और खर्च (व्यय) का लेखा-जोखा है। बजट केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि सरकार की प्राथमिकताओं का दर्पण है। यह बताता है कि सरकार देश के किन क्षेत्रों जैसे कृषि, रक्षा, शिक्षा या स्वास्थ्य को बढ़ावा देना चाहती है और इसके लिए धन कहां से आएगा। 1 फरवरी 2026 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अपना लगातार नौवां बजट पेश करने जा रही हैं, जो भारतीय संसदीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण कीर्तिमान है। आइए जानते हैं बजट कैसे बनता है, कौन बनाता है और आय-व्यय का अर्थशास्त्र..।

कहां से आता है धन

- प्रत्यक्ष कर : इसमें इनकम टैक्स और कॉर्पोरेट टैक्स से मिलने वाली आय शामिल होती है।
- अप्रत्यक्ष कर : इसमें सबसे बड़ा हिस्सा जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) और सीमा शुल्क का होता है।
- गैर-कर राजस्व : पीएसयू (जैसे रेलवे, सेल) से मिला मुनाफा, आरबीआई से प्राप्त डिविडेंड और ब्याज।
- ऋण : जब खर्च कमाई से ज्यादा हो जाता है, तो सरकार कर्ज लेती है, जिसे राजकोषीय घाटा कहते हैं।

कैसे तैयार होता है बजट

- प्रारंभिक अनुमान (सितंबर-अक्टूबर) : वित्त मंत्रालय सभी मंत्रालयों और विभागों को सर्कुलर भेजकर उनके खर्चों का अनुमान मांगता है।
- बैठकें और चर्चा (नवंबर-जनवरी) : मंत्रालयों और विभिन्न हितधारकों (उद्योग जगत, किसान, अर्थशास्त्री) के साथ चर्चा की जाती है कि किसे कितना फंड चाहिए और टैक्स में क्या बदलाव होने चाहिए।
- हलवा सेरेमनी : बजट दस्तावेज की छपाई शुरू होने से पहले वित्त मंत्रालय में हलवा सेरेमनी होती है। इसके बाद बजट से जुड़े अधिकारी और कर्मचारी बाहरी दुनिया से कटकर 'नार्थ ब्लॉक' के बेसमेंट में तब तक रहते हैं जब तक बजट पेश न हो जाए।
- संसद में प्रस्तुति : 1 फरवरी को वित्त मंत्री लोकसभा में बजट भाषण देती हैं और बजट दस्तावेज पेश करती हैं।

कौन-कौन विभाग शामिल

- वित्त मंत्रालय : बजट का मुख्य जिम्मा वित्त मंत्रालय का होता है, जिसके अंतर्गत कई विभाग सक्रिय रहते हैं।
- आर्थिक मामलों का विभाग : आर्थिक मामलों का विभाग (डीईए) बजट बनाने वाला नोडल विभाग है।
- व्यय विभाग : यह खर्चों की निगरानी करता है।
- राजस्व विभाग : यह टैक्स ,कमाई का हिसाब रखता है।
- नीति आयोग और आरबीआई : ये संस्थाएं आर्थिक परामर्श और डेटा प्रदान करती हैं।

विशेषताएं

- 2019 में निर्मला सीतारमण ने बजट को लाल कपड़े में लिपटे बही-खाता में लाना शुरू किया। 2021 से यह डिजिटल हो गया। मुख्य रूप से राजस्व बजट और पूंजीगत बजट पेश किए जाते हैं। वर्तमान बजटों में विकसित भारत और सबका साथ, सबका विकास की थीम पर जोर दिया जा रहा है।

वर्ल्ड ब्रीफ

चीनी नागरिक को अमेरिका में शरण

वाशिंगटन। अपने देश में मानवाधिकार हनन को उजागर करने वाले एक चीनी नागरिक को बुधवार को एक अमेरिकी आव्रजन न्यायाधीश ने अमेरिका में शरण की इजाजत दे दी। प्रवासियों के खिलाफ आव्रजन की कार्रवाई के दौरान हिरासत में लिए गए चीनी नागरिक ने आशंका जताई थी कि अगर उन्हें उनके देश वापस भेजा गया तो उन्हें चीन में यातनाएं झेलनी पड़ सकती हैं। चीनी नागरिक 38 वर्षीय गुआन हेंग ने 2021 में अवैध रूप से अमेरिका पहुंचने के बाद शरण के लिए आवेदन किया था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की ओर से जारी व्यापक निर्वासन अभियान के तहत अगस्त में आव्रजन प्रवर्तन अभियान में पकड़े जाने के बाद से गुआन हेंग हिरासत में हैं।

संग्रहालय से चोरी के मामले में एक गिरफ्तार

लंदन। दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड के एक संग्रहालय में भारत से लाई गईं कई कलाकृतियों की चोरी के मामले की जांच के तहत गुरुवार को 41 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। एवन और समरसेट पुलिस ने बताया कि पिछले साल सितंबर में ब्रिस्टल संग्रहालय के ब्रिटिश साम्राज्य और राष्ट्रमंडल संग्रह से 600 से अधिक उच्च मूल्य की वस्तुएं चोरी होने के बाद उन्हें ठिकाने लगाने के संदेह में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि उसने पिछले महीने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए चार श्वेत पुरुष संदिग्धों के सीसीटीवी फुटेज जारी किए थे।

नेपाल के पूर्व पीएम माधव अस्पताल में

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल को हृदय संबंधी समस्या के कारण काठमांडू के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) के एक सूत्र ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एनसीपी के उप-समन्वयक एवं पांच मार्च को होने वाले संसदीय चुनाव के लिए रौतहट-एक निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार माधव कुमार (72) को बुधवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्हें हृदय संबंधी समस्याएं हैं ।

डेल्सी बने वेनेजुएला के कमांडर इन चीफ

काराकास। वेनेजुएला की सेना ने एक सैन्य समारोह के दौरान कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज के प्रति निष्ठा की शपथ ली और उन्हें औपचारिक रूप से कमांडर-इन-चीफ के रूप में मान्यता दी। समारोह में गृह, न्याय और शांति मंत्री डियोसडाडो कैबेलो ने राष्ट्र के सभी सुरक्षा बलों द्वारा सहमति प्राप्त एक संयुक्त बयान पढ़ा।

भविष्य की ऊर्जा को लेकर दुनिया की नजरें भारत पर टिकीं : कैमेरा

रेजाक बेनिसेफ ने कहा, भारत विश्व की सबसे तेज उभरती अर्थव्यवस्था वाला देश

अनिल त्रिगुणायत,गोवा

अमृत विचार : जैसे जिंदगी के लिए जल अपरिहार्य है,वैसे ही मानव जीवन हेतु भविष्य की ऊर्जा भी अनिवार्य। ऊर्जा के बिना किसी भी देश का विकास अकल्पनीय। आज पूरी दुनिया तेल के खेल में यूं ही नहीं फंसी है। पारंपरिक ऊर्जा के स्रोत घट रहे हैं। ऐसे में समूचा विश्व नवीनीकृत ऊर्जा के स्रोतों की ओर ताक रहा है। भविष्य की ऊर्जा को लेकर विश्व आज भारत पर टकटकी लगाए हुए है। उक्त बातें गुरुवार को ऊर्जा विशेषज्ञों ने यहां एक विशेष गोष्ठी में कहीं।

गोवा के बेतूल गांव स्थित ओएनजीसी परिसर में भारत ऊर्जा सम्मेलन के तीसरे दिन वैश्विक ऊर्जा की दिशा-दशा विषय पर परिचर्चा में अंतर्राष्ट्रीय रिन्यूएबल ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक फ्रांसेस्को ला कैमेरा ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर भारत पर आज दुनिया की नज़र टिकी हुई है। करीब 140 करोड़ आबादी वाला देश अपारंपरिक ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ चला है। ओपेक के ऊर्जा विशेषज्ञ डा. अब्दे रेज़ाक बेनिसेफ ने कहा कि तीव्र गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था और ऊर्जा क्षेत्र में भारत से दुनिया को काफी उम्मीद है। शंघाई सहयोग संगठन के उप महासचिव टीआर मिथुन ने कहा कि तकनीकी क्षेत्र के अलावा ऊर्जा क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम दुनिया के लिए भी प्रेरणादायक है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा फोरम के महासचिव जस्सीम अल शिरावी ने कहा कि आने वाले दिनों में पारंपरिक ऊर्जा मांग/आपूर्ति में सामंजस्य नहीं बैठा पाएगी। क्योंकि विश्व की जनसंख्या लगातार बढ़ रही। ऐसे में अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर गंभीरता से कार्य करने की जरूरत। परिचर्चा में यूएई ऊर्जा मंत्री अहमद अल काबी,नीदरलैंड के जलवायु नीति मंत्री डा.माइकल हिजद्रा,डेनमार्क के राजदूत रास्मस एबल्डगार्ड क्रिसटेनसेन तथा अमेरिकी ऊर्जा विभाग के सहायक सचिव काईले हॉस्टविट समेत अन्य ऊर्जा विशेषज्ञ भी रहे।

हरित हाइड्रोजन भविष्य का ऊर्जा विकल्प

विश्व में हरित हाइड्रोजन को गंभीरतापूर्वक बढ़ावा दिया जा रहा है। हाइड्रोजन उत्पादन में चीन का स्थान पहला है। चीन वैश्विक क्षमता के 50 प्रतिशत के साथ हरित हाइड्रोजन का उत्पादन कर रहा है,इसका सबसे बड़ा उपभोक्ता भी है। सऊदी अरब दुनिया की सबसे बड़ी हाइड्रोजन परियोजना का निर्माण कर रहा है। वहीं,भारत में आंध्र प्रदेश को हरित हाइड्रोजन का हब बनाया जा रहा है। हरियाणा के हिसार में देश का पहला आफ ग्रिड हरित हाइड्रोजन संयंत्र कार्य भी कर रहा। यूपी के गोरखपुर में देश का दूसरा हरित हाइड्रोजन संयंत्र लगाने का उपक्रम जारी है। जान लें,हरित हाइड्रोजन का उत्पादन इलेक्ट्रोलिसीस की प्रक्रिया द्वारा किया जाता है।

ऊर्जा क्षेत्र में भारत उभरता बाजार : पुरी

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में भारत एक बड़ा उभरता बाजार है। अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर यहां काफी कुछ किया जा रहा है। खाड़ी के देशों के अलावा एशिया पेसिफिक के देशों में भी भारत ने तेजी से पहुंच बनाई है। गुरुवार को प्रेसवार्ता में पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि विश्व की दिग्गज ऊर्जा कंपनियों ने ऊर्जा क्षेत्र में भारत में निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। जिनमें टोटल एनर्जी,बीपी, विटोल हुंडई,एचडी केएसओई,अकेर, लिजा टेक, इंटरनेशनल एनर्जी फोरम, एक्सलेरेट,वुड मैकेंजी,ट्राफीगुरा, स्टैटसोली,प्राज,रिन्यू व एमओएल के अलावा वेदांता,अदानी,रिलायंस, बिरला,थापर,गैलेंट आदि शामिल हैं।

ईरान ने अपनी सेना में शामिल किए एक हजार लड़ाकू ड्रोन

तेहरान। ईरान ने गुरुवार को कहा कि उसने अपनी सैन्य इकाइयों में देश में बने एक हजार लड़ाकू ड्रोन शामिल किए हैं। ईरान की अर्ध-सरकारी तसनीम समाचार एजेंसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि सेना प्रमुख अमीर हातेमी के आदेश पर थल सेना, नौसेना और वायु सेना को ये लड़ाकू ड्रोन दिए गए हैं। इन ड्रोनों को सेना के विशेषज्ञों और रक्षा मंत्रालय ने मिलकर बढ़ते खतरों से निपटने और पिछले साल इज़राइल के साथ हुए 12-दिवसीय युद्ध से मिले सबक को देखते हुए विकसित किया गया है। ये ज़मीन, समुद्र और हवा में तय या चलते-फिरते लक्ष्यों पर हमला करने, घुसपैठ, विनाश, जासूसी, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध करने में सक्षम हैं।

हातेमी ने कहा कि भविष्य के खतरों को देखते हुए सेना ने अपनी रणनीति को मजबूत करने को प्राथमिकता दी है ताकि किसी भी हमले का करारा जवाब दिया जा सके। इस हफ़्ते की शुरुआत में अमेरिका द्वारा मध्य पूर्व में एक कैरियर-नेतृत्व वाले स्ट्राइक ग्रुप की तैनाती के बाद यह आपूर्ति की गई है। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि एयरक्राफ्ट कैरियर अब्राहम लिंकन के नेतृत्व में एक बहुत बड़ा बेड़ा ईरान की ओर बढ़ रहा है।

रणनीतिक साझेदारी को सुदृढ़ करेंगे चीन-ब्रिटेन

- स्टार्मर-शी जिनपिंग मुलाकात में संबंधों के सुधार पर जोर

बीजिंग, एजेंसी

ब्रिटेन और चीन के नेताओं ने बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता के बीच दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने के लिए व्यापक रणनीतिक साझेदारी का आह्वान किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हाल में उठाए गए कई कदमों को लेकर उत्पन्न परिस्थितियों के बीच बीजिंग में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर की गुरुवार को मुलाकात हुई। हालांकि शी और स्टार्मर ने सार्वजनिक रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति का नाम नहीं लिया।

स्टार्मर ने जिनपिंग से कहा कि मेरे हिसाब से, ऐसे समय में जब दुनिया मुश्किल दौर से गुजर रही है, तब जलवायु परिवर्तन और वैश्विक स्थिरता जैसे मुद्दों पर मिलकर काम करना ही सही मार्ग है, जिसके जरिए हमें अपने रिश्तों को आगे बढ़ाना चाहिए। बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात तय समय से दोगुने समय 80 मिनट तक हुई। यह बैठक ऐसे समय हुई है, जब कई वर्षों के तनाव के बाद दोनों देश अपने रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में, खासकर ब्रिटेन में चीन की जासूसी गतिविधियों, यूक्रेन युद्ध में रूस के लिए चीन के समर्थन, और हांगकांग में स्वतंत्रता पर पाबंदियों को लेकर दोनों देशों के संबंधों में खटास आ गई थी। जिनपिंग ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में चीन-ब्रिटेन के संबंध खास अच्छे नहीं रहे। तेजी से बदलते अंतर्राष्ट्रीय हालात में दुनिया में शांति और स्थिरता के लिए चीन व ब्रिटेन को सहयोग मजबूत करने की जरूरत है।

बड़ी ताकतों को अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन करना चाहिए : जिनपिंग

शी जिनपिंग ने अमेरिका का नाम लिए बिना कहा कि बड़ी ताकतों को अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन करना चाहिए, वरना दुनिया फिर जंगलराज जैसी स्थिति में चली जाएगी। बैठक के बाद स्टार्मर ने कहा कि दोनों ने 'स्कॉच व्हिस्की' पर चीन द्वारा शुल्क कम करना और ब्रिटिश यात्रियों के लिए वीजा-मुक्त यात्रा शुरू करने समेत कई मुद्दों पर वाकई अच्छी प्रगति की है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने कहा, दोनों के संबंध अच्छे दौर में है और मजबूत हैं।

निष्पक्ष चुनाव के बिना बांग्लादेश में अस्थिरता बढ़ेगी

ढाका। भारत में निर्वासन में रह रहीं बांग्लादेश की अपदस्थ नेता शेख हसीना ने उनकी पार्टी को चुनाव से बाहर किए जाने के बाद देश में होने जा रहे आगामी चुनाव की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि निष्पक्ष और समावेशी चुनाव के बिना देश में अस्थिरता बढ़ेगी। उनके इस बयान से आम चुनाव से पहले तनाव और बढ़ सकता है। शेख हसीना ने पिछले सप्ताह कहा कि यदि समावेशी, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव नहीं हुए, तो बांग्लादेश को लंबे समय तक अस्थिरता झेलनी पड़ेगी। हसीना को 2024 के छात्र आंदोलन को कुचलने के जुर्म में मौत की सजा सुनाई जा चुकी है। उस कार्रवाई में सैकड़ों की जान चली गई थी और उनका शासन भी खत्म हो गया।

गाजा का संघर्ष सुलझाने में यूएस के प्रयास सराहनीय

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

- संयुक्त राष्ट्र में बोले भारत के राजदूत पर्वतनेनी हरीश

भारत ने गाजा में लंबे समय से जारी संघर्ष को खत्म करने के लिए अमेरिका(यूएस) के प्रयासों की सराहना की, साथ ही इस मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव के कार्यान्वयन के संबंध में हाल में हुई प्रगति पर भी ध्यान आकृष्ट किया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने बुधवार को ये टिप्पणी की।

हरीश ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस में अपने संबोधन में कहा कि गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2803 के कार्यान्वयन के संबंध में हाल में हुई प्रगति पर भारत ने गौर किया है। भारत इस अवसर पर इस दीर्घकालिक मुद्दे को सुलझाने के लिए अमेरिका के प्रयासों के प्रति आभार भी व्यक्त करता है। पिछले साल नवंबर में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2803 में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 29 सितंबर की गाजा संघर्ष को समाप्त करने की व्यापक योजना का समर्थन किया गया था, जिसमें कहा गया है कि गाजा एक आतंकवाद-मुक्त क्षेत्र होगा जो अपने पड़ोसियों के लिए कोई खतरा नहीं पैदा करेगा और गाजा के लोगों के लाभ के लिए इसका पुनर्विकास किया जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका में सड़क हादसा, 11 लोगों की गई जान

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्वी क्वाजुलु नताल प्रांत में मिनीबस टैक्सी और ट्रक की टक्कर से 11 लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना दक्षिण अफ्रीका में एक अन्य घटना में एक मिनीबस टैक्सी और एक ट्रक की हुई सीधी भिड़ंत में 14 स्कूली बच्चों के मारे जाने के ठीक एक सप्ताह बाद हुई है।

प्रांतीय परिवहन विभाग के अधिकारी सिबोनीसो डुमा ने बताया कि गुरुवार को यह दुर्घटना पूर्वी क्वाजुलु-नताल प्रांत में हुई। हादसे में एक स्कूली छात्र सहित 11 लोगों की मौत हो गई। निजी पैरामेडिक सेवा एएलएस पैरामेडिक्स के प्रवक्ता गैरिथ जैमीसन ने बताया कि हादसे में कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनमें मिनी बस का चालक भी शामिल है।

ग्रीनलैंड पर नाटो और अमेरिका में संधि नहीं

पेरिस, एजेंसी

- डेनमार्क की प्रधानमंत्री ने किसी भी समझौते से किया इनकार

डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन ने बुधवार को इस बात से इनकार किया कि नाटो और अमेरिका के बीच ग्रीनलैंड मुद्दे पर कोई समझौता हुआ है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावोस में विश्व आर्थिक मंच में दावा किया था कि उन्होंने ग्रीनलैंड पर नाटो के साथ एक समझौता किया है।

जब फ्रांस-2 टीवी चैनल के साथ साक्षात्कार में फ्रेडरिकसेन से इस संबंध में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, यह कोई समझौता नहीं है। फ्रेडरिकसेन ने कहा कि असल में एक राज्य संप्रभु होता है। उसकी सीमाओं का सम्मान किया जाना चाहिए और दूसरे लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार का सम्मान किया जाना चाहिए। फ्रेडरिकसेन ने कहा कि अगर ग्रीनलैंड में सैन्य साधनों का इस्तेमाल किया जाता है, तो सब कुछ रुक जाएगा। उन्होंने कहा कि यह उन सभी चीज़ों के खिलाफ होगा जो हम दूसरे विश्व युद्ध के खत्म होने के बाद से बना रहे हैं। फ्रेडरिकसेन बुधवार को ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नील्सन के साथ फ्रांस पहुंचीं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एक प्रेस वार्ता में कहा कि ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका के साथ बढ़ता तनाव पूरे यूरोप के लिए एक रणनीतिक चेतावनी है।

आयुष्मान योजना अंडमान सर्वश्रेष्ठ केंद्र शासित प्रदेश

श्री विजय पुरम। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत लाभार्थियों के उपचार श्रेणी में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को सर्वश्रेष्ठ केंद्र शासित प्रदेश का पुरस्कार दिया है। यह पुरस्कार योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के सम्मान स्वरूप प्रदान किया गया। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के मुख्य सचिव चंद्र भूषण कुमार ने कहा कि मैं योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पूरी टीम की सराहना करता हूं। इस तरह का सम्मान जनसेवा करते समय टीम को हमेशा प्रोत्साहित करता है। इस केंद्र शासित प्रदेश में योजना के 83,538 लाभार्थी हैं जिनमें 41,450 महिलाएं हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 30 जनवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी 11.09 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

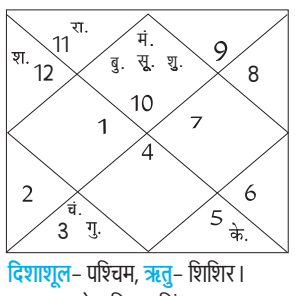

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
तारबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- आर्द्रा 31 जनवरी 03.27 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

मेष — आज अपनी मानसिक स्थिति को हर परिस्थिति में सकारात्मक रखें। घरेलू वातावरण अच्छा रहेगा। आपको स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। व्यापारिक उद्देश्य से यात्रा हो सकती है। वाणी में हल्के शब्दों का प्रयोग करने से बचें।

वृष — आज विदेश यात्रा को लेकर परेशानी हो सकती है। संतान के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। धन उधार देने से बचें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय को लेकर जल्दबाजी न करें। घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है।

मिथुन — आज पारिवारिक कार्यक्रमों में आप अत्यधिक व्यस्त हो सकते हैं। घर के सदस्यों की सुरक्षा की कुछ चिंता हो सकती है। विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। आपके व्यवहार से सहकर्मी प्रसन्न रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी नेतृत्व क्षमता की लोग प्रशंसा करेंगे।

कर्क — आज व्यर्थ भागदौड़ करने से बचें। कानूनी अड़चनों का सामना करना पड़ सकता है। मन में अज्ञात भय का भाव रहेगा। आपकी दिनचर्या थोड़ी अव्यवस्थित हो सकती है। जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखें। आलस्य के कारण कुछ काम रुक सकते हैं।

सिंह — आज का दिन आपके लिए अत्यधिक अनुकूल रहने वाला है। आपको रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। इष्ट मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति अति उत्तम रहेगी। भौतिक सुख-सुविधाओं का आनंद लेंगे।

कन्या — आज सरकारी कार्यों में विलंब हो सकता है। आप कई लोगों को उचित सलाह देंगे, जिससे उन्हें लाभ होगा। लोग आपकी बातों से सहमत रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको अतिरिक्त आय प्राप्त हो सकती है। परिवार के सदस्यों की चिंता रहेगी।

तुला — आज आप कुछ नया सीखने का प्रयास कर सकते हैं। पुराना रोग उभर सकता है। व्यवसाय में सहयोगियों के व्यवहार से आप व्यथित हो सकते हैं। जीवनसाथी का अनादर न करें। माता के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको सम्मान मिल सकता है।

वृश्चिक — आज का दिन शांतिपूर्वक बिताएं। दूसरों के मामलों में ज्ञान देने से बचें। विवादित मामलों में फंस सकते हैं। पति-पत्नी के आपसी संबंध प्रभावित होने की संभावना है। महिलाओं को स्वास्थ्य समस्या हो सकती है।

धनु — आज नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति मजबूत होगी। व्यवसाय में आय बढ़ने से मन हर्षित रहेगा। आपको पुराने अनुभव काफी काम आएंगे। भाई-बहनों के साथ संबंध बेहतरीन रहेंगे। परिवार के प्रति भावुक रहेंगे।

मकर — आज आप अत्यंत ऊर्जावान महसूस करेंगे। बच्चों की गलतियों को अनदेखा न करें। विरोधी आपके सामने समस्याएं खड़ी करने का प्रयास करेंगे। घर और कार्यक्षेत्र में कुछ इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खराब हो सकते हैं। आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी आ सकती है।

कुंभ — आज गुप्त तरीके से किए गए कार्यों में सफलता मिलेगी। पारिवारिक समस्याओं का निराकरण होगा। सेहत को लेकर आपको थोड़ी कठिनाई होगी। आपकी कोई बहुप्रतीक्षित इच्छा पूरी हो सकती है। आय के साथ खर्च भी बढ़ने की संभावना है।

मीन — आज गलत कार्यों और संगति से दूर रहें। स्वार्थ की भावना के कारण लोग आपसे दूरी बना सकते हैं। धन खर्च करने के बजाय आपको बचत करनी चाहिए। प्रभावशाली लोगों को अपयश का सामना करना पड़ सकता है।

सुडोकू-46

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

3			4		8			
5			6				7	1
		9		2		6		
			8		6			5
	3	4				2	9	
1			9		2			
2		3		1		8		
6	7				4			3
			3		5			2

सुडोकू - 45 का हल

5	4	2	9	6	7	8	1	3
8	9	1	5	3	4	6	2	7
6	3	7	1	8	2	9	5	4
3	6	5	2	1	9	7	4	8
1	8	4	7	5	3	2	9	6
2	7	9	8	4	6	1	3	5
7	1	3	6	9	5	4	8	2
4	2	8	3	7	1	5	6	9
9	5	6	4	2	8	3	7	1

यह सब मेरी कड़ी मेहनत का नतीजा है। लगातार मैच खेलने और ऐसी परिस्थितियों में बल्लेबाजी करने से मेरी मानसिकता बेहतर हो रही है। इसलिए मैं यहां समझने लग गया हूं कि आगे क्या होगा और गेंदबाज क्या सोच कर मेरे लिए गेंदबाजी करेगा।
-शिवम दुबे

स्टेडियम

अयोध्या, शुक्रवार, 30 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

मेरी भूमिका रक्षात्मक गेंदबाजी करना और विकेट लेना है : सैंटनर

विशाखापत्तनम। न्यूजीलैंड के कप्तान और बाएं हाथ के स्पिनर मिचेल सैंटनर ने कहा कि टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में उनकी भूमिका रक्षात्मक गेंदबाजी करना, दबाव बनाना और विकेट लेना है तथा भारत के खिलाफ यहां चौथे टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में इस रणनीति का शानदार परिणाम देखना संतोषजनक रहा। सैंटनर ने इस मैच में 26 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने संजू सैमसन को बोल्ड करके उनकी परेशानियां बढ़ा दी और फिर हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह के विकेट भी लिए। न्यूजीलैंड ने यह मैच 50 रन से जीता। सैंटनर ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा मुझे लगता है कि मेरा काम थोड़ा रक्षात्मक होकर गेंदबाजी करना और इस तरह से विकेट लेना है।

निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई रोक नहीं : उच्च न्यायालय

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि पूर्व भाजपा सांसद बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ कई महिला पहलवानों द्वारा दायर यौन उत्पीड़न मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई रोक नहीं है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांत शर्मा ने यह बयान भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख की एफआईआर और उनके खिलाफ दर्ज आरोपों को रद्द करने की याचिका पर सुनवाई के लिए 21 अप्रैल की तारीख तय करते हुए दिया। याचिकाकर्ता के वकील द्वारा स्थगन का अनुरोध किए जाने पर न्यायाधीश ने याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी और अगली सुनवाई की तारीख पर निचली अदालत के रिकॉर्ड मंगवाए।

एरिगैसी की एक और हार, गुकेश ने एर्दोगमस को हराया

विक ऑन जी (नीदरलैंड्स)। भारत के शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी महत्वपूर्ण क्षणों में जर्मनी के विन्सेंट कीमर के कौशल का मुकाबला नहीं कर सके और उन्हें टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में एक और हार का सामना करना पड़ा। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने हालांकि युवा खिलाड़ी यागिज़ कान एर्दोगमस के खिलाफ जीत हासिल करके प्रतियोगिता में वापसी की। काले मोहरों से खेलते हुए गुकेश ने बाजी जीती। उनके अब संभावित 10 में से पांच अंक हो गए हैं।

शानदार पारी के दौरान शॉट लगातीं यूपी वारियर्स की कप्तान मेग लानिंग।

यूपी ने आरसीबी को दिया 144 रनों का लक्ष्य

वडोदरा, एजेंसी

महिला प्रीमियर लीग

दीप्ति शर्मा (55) और कप्तान मेग लानिंग (41) की 74 रनों की शानदार साझेदारी के दम पर यूपी वॉरियर्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 18वें मुकाबले में गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ आठ विकेट पर 143 का स्कोर बनाया।

आज यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दीप्ति शर्मा और मेग लानिंग की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 74 रन जोड़े। नौवें ओवर में एन डी क्लर्क ने मेग लानिंग को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। मेग लानिंग ने 30 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाते हुए 41 रन बनाये। इसके बाद आरसीबी के गेंदबाजी आक्रमण के आगे यूपी वॉरियर्ज के बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सके और अपने विकेट गंवाते रहे। हरलीन देओल (14) और सिमरन शेख (10) रन बनाकर आउट हुई। दीप्ति शर्मा ने 43 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाते हुए 55 रनों की पारी खेली। उन्हें एन डी क्लर्क ने आउट किया। यूपी वॉरियर्ज के छह बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। यूपी वॉरियर्ज ने निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 143 रन बनाये। आरसीबी के लिए एन डी क्लर्क ने चार विकेट लिये। ग्रेस हैरिस को दो विकेट मिले। श्रेयंका पाटिल और लॉरेन बेल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

नडीन डी क्लर्क।

प्लेऑफ का टिकट कटाने उतरेंगी गुजरात और मुंबई की टीमें

वडोदरा। मौजूदा चैंपियन और दो बार की विजेता मुंबई इंडियंस की टीम शुक्रवार को जब गुजरात जायंट्स से भिड़ेगी तो दोनों प्लेऑफ में अपनी जगह सुरक्षित करने की कोशिश करेंगी। गुजरात जायंट्स इस मैच में जीत दर्ज करके लगातार दूसरी बार प्लेऑफ में जगह पक्की करना चाहेगा। गुजरात जायंट्स फिलहाल आठ अंकों के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है और उसका नेट रन रेट -0.271 है। वह मुंबई इंडियंस (छह अंक, नेट रन रेट +0.146) और दिल्ली कैपिटल्स (छह अंक, नेट रन रेट -0.164) से दो अंक आगे है।

महिला ताज के लिए भिड़ेंगी सबालेंका और रिबाकिना

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : लगातार चौथी बार फाइनल में पहुंचीं एरिना

मेलबर्न, एजेंसी

दो बार की चैम्पियन शीर्ष वरीयता प्राप्त एरिना सबालेंका ने एलिना स्वितोलिना को 6-2, 6-3 से हराकर लगातार चौथी बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उनका सामना एलेना रिबाकिना से होगा जिनके खिलाफ वह 2023 फाइनल खेली थी। रिबाकिना ने छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को 6-3, 7-6 से हराया। सबालेंका ओपन युग में इवोन्ने गूलागोंग और मार्तिना हिंगिस के बाद लगातार चौथी बार आस्ट्रेलियाई ओपन एकल फाइनल में पहुंचने वाली तीसरी महिला खिलाड़ी है ।

सबालेंका की पिछले 27 मैचों में से 26वीं जीत थी, जिससे वह पांचवें ग्रैंड स्लैम टाइटल के करीब पहुंच गईं। 27 साल की सबालेंका की इन चार सालों में एकमात्र हार पिछले साल के फाइनल में मैडिसन कीज से तीन सेट में चौंकाने वाली हार थी, जिससे उनका लगातार तीसरा ऑस्ट्रेलियन ओपन टाइटल जीतने का सपना टूट गया। सबालेंका का ताज फिर से जीतने का मौका पूर्व विंबलडन चैंपियन एलेना रिबाकिना के खिलाफ होगा, जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला को हराया।

सबालेंका, जिन्होंने टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं गंवाया है, ने कहा काम अभी खत्म नहीं हुआ है। स्वितोलिना, जो अपना चौथा ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल खेल रही थीं, एक बड़ी अंडरडॉग के तौर पर उतरीं, लेकिन साल की अच्छी शुरुआत के बाद कॉन्फिडेंस के साथ उन्होंने आखिरी आठ में नंबर 3 कोको गॉफ को हराकर नई ऊंचाइयों को छुआ। लेकिन सबालेंका के जबरदस्त ग्राउंडस्ट्रोक्स के सामने उनका कोई चांस नहीं था, शायद उनका सबसे अच्छा बैकहैंड क्रॉसकोर्ट बुलेट था जिसने 41 मिनट का पहला सेट जीत लिया। मुश्किलों के बावजूद, स्वितोलिना ने दूसरे सेट में 2-0 की बढ़त बना ली, इससे पहले कि सबालेंका ने अपनी ज़बरदस्त हिटिंग फिर से शुरू की और एक ज़बरदस्त फोरहैंड विनर ने उन्हें लगातार चौथे फ़ाइनल में जगह दिलाई। इस बीच रायबाकिना ने पेगुला को हराकर 2023 ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल का रीमैच तय किया।

एरिना सबालेंका।

एलेना रिबाकिना।

2023 में सबालेंका के खिलाफ मुकाबला शानदार था। उस समय उसने बेहतर खेला और खिताब जीता। उम्मीद है कि इस बार मैं बेहतर खेल सकूंगी।
-एलेना रिबाकिना

इतिहास रचना चाहते हैं नोवाक जोकोविच

मेलबर्न। पुरुष टेनिस के इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में यानिक सिनर के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और वह खुद का इतिहास रचने पर ध्यान दे रहे हैं। अब तक रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले जोकोविच जब सिनर के खिलाफ मुकाबले के संदर्भ में सवालों का जवाब दे रहे थे तब एक सवाल पर उन्हें अपमान महसूस हुआ। जोकोविच वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 11वां खिताब जीतने की कवायद में हैं।

जोकोविच से उस दौर से तुलना करने के लिए कहा गया जब उन्होंने टेनिस जगत में कदम रखा था तथा उस समय रोजर फेडरर और राफेल नडाल शीर्ष पर थे और अब जबकि सिनर और कार्लोस अल्काराज़ ने पिछले दो सत्र से उन्हें कोई भी ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने से रोक रखा है। जोकोविच ने सवालिया अंदाज में कहा मैं यानिक और कार्लोस का पीछा कर रहा हूं। किस अर्थ में। मैं हमेशा पीछा करने वाला खिलाड़ी ही रहा हूं। मेरा कभी पीछा नहीं किया जाता। उन्होंने कहा मुझे यह थोड़ा अपमानजनक लगता है कि आप उस दौर के बीच की घटनाओं को नजरअंदाज कर रहे हैं जब मैंने आपके अनुसार राफा और रोजर का पीछा करना शुरू किया था।

शॉट लगाते उत्तर प्रदेश के ध्रुव जुरेल। एजेंसी

जुरेल शतक से चूके यूपी ने बनाए 237 रन

नागपुर, एजेंसी

भारत के अंतरराष्ट्रीय स्टार ध्रुव जुरेल शतक से चार रन से चूक गए और उनकी टीम विदर्भ के खिलाफ रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए के आखिरी लीग मैच में 237 रन पर आउट हो गई। विदर्भ के लिये बायें हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे ने छह विकेट चटकाये। पहले दिन का खेल समाप्त होने पर विदर्भ ने बिना किसी नुकसान के 33 रन बना लिये थे। पहले बल्लेबाजी चुनने वाली उत्तर प्रदेश टीम के छह विकेट एक समय 109 रन पर गिर गए थे । इसके बाद जुरेल और शिवम मावी (47) ने सातवें विकेट के लिये 92 रन की साझेदारी की। जुरेल ने अपनी पारी में 11 चौके लगाए। विदर्भ के लिये दुबे ने 19 . 5 ओवर में 63 रन देकर छह विकेट लिए।

ग्रुप ए के एक अन्य मैच में सलेम में सुकीर्त पांडे के 222 गेंद में नाबाद 73 रन और निनाद राठवा के 112 गेंद में 66 रन की मदद से बड़ौदा ने तमिलनाडु के खिलाफ पांच विकेट पर 247 रन बनाए। दोनों ने पांचवें विकेट के लिये 85 रन की साझेदारी की । सुकीर्त ने अतीत सेठ (नाबाद 45) के साथ 90 रन जोड़े। सोविमा में एक अन्य मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज चेतन बिष्ट के नाबाद 160 रन की मदद से नगालैंड ने आंध्र के खिलाफ छह विकेट पर 322 रन बनाये । बिष्ट ने अपनी पारी में 23 चौके और एक छक्का लगाया और डेगा निश्छल (74) के साथ पांचवें विकेट के लिये 167 रन जोड़े। जमशेदपुर में ओडिशा ने झारखंड के खिलाफ छह विकेट पर 242 रन बनाए।

मुंबई ने दिल्ली को 221 रनों पर समेटा

मुंबई। सनत सांगवान के शानदार शतक के बावजूद दिल्ली की टीम मुंबई के खिलाफ रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मुकाबले के पहले दिन बृहस्पतिवार को यहां अपनी पहली पारी में 221 रन पर सिमट गई। मुंबई के लिए मोहित अवस्थी ने 62 रन पर पांच विकेट चटकाकर बेहतरीन प्रदर्शन किया। मुंबई ने दिन का खेल खत्म होने तक एक विकेट पर 13 रन बना लिये थे। सांगवान ने 118 रन की पारी के साथ एक छोर संभाले रखा लेकिन उन्हें दूसरे छोर से किसी बल्लेबाज का अच्छा साथ नहीं मिला। उन्होंने मौजूदा सत्र अपनी तीसरी शतकीय पारी के दौरान 218 गेंद में 11 चौके और दो छक्के जड़े। इस 25 साल के बल्लेबाज ने वैभव कांडपाल (32) के साथ दूसरे विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी की जिससे दिन की शुरुआत में दिल्ली की टीम मजबूत स्थिति में थी।

मुझे नहीं लगता कि बल्लेबाजों ने मेरी गेंदों को अच्छी तरह से समझ लिया : राशिद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और श्रीलंका में अगले महीने से होने वाले टी20 विश्व कप तैयारियों में लगी अफगानिस्तान टीम के कप्तान राशिद खान के बल्लेबाजों द्वारा उनकी गेंदों को अच्छी तरह से परखे जाने की अवधारणा को खारिज करते हुए कहा कि उनके लिए सफलता की कुंजी नये प्रयोग से ज्यादा सटीक गेंदबाजी करना है। पिछले एक दशक में टी20 क्रिकेट में लेग स्पिनरों की भूमिका को नया आयाम देने वाले राशिद को गुजरात टाइटंस के लिए पिछले दो आईपीएल सत्र में अपेक्षाकृत कम सफलता मिली। इसके बाद उनकी गेंदबाजी को बल्लेबाजों के द्वारा समझ लेने को लेकर चर्चा शुरू हुई। राशिद ने रेड बुल के सहयोग से ''पीटीआई-वीडियो'' से बातचीत में कहा मुझे नहीं लगता कि मुझे अपनी विविधता या लाइन-लेंथ बदलने की जरूरत है। राशिद आईपीएल के 2023 सत्र में 17 मैचों में 27 विकेट के साथ सबसे सफल गेंदबाज रहे थे। उन्होंने हालांकि इसके बाद 2024 में 12 मैचों में 10 और 2025 में 15 मैचों में सिर्फ नौ विकेट लिये। इस दौरान उनका इकॉनमी रेट नौ रन प्रति ओवर से ऊपर चला गया। राशिद ने कहा कि टी20 क्रिकेट में मामूली गलती करने का बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ता है। इस प्रारूप में लगातार सटीक गेंदबाजी करना ही सबसे अहम चीज है। कभी-कभी मेरी लाइन थोड़ी चूक जाती है, जिसमें मैं पहले काफी अच्छा था। चिंता की कोई बात नहीं है। जब भी मेरी लाइन-लेंथ सही नहीं रहती तब मेरे खिलाफ रन बनते हैं। राशिद ने कहा कि गेंदबाजों की पढ़े जाने की बात को अक्सर गलत तरीके से समझा जाता है। कोई गेंदबाज मिस्ट्री (अबूझ) से सफल नहीं होता, उसे सटीकता से सफलता मिलती है। सात फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान ग्रुप-डी में नेपाल, स्कॉटलैंड, वेस्टइंडीज और यूएई के साथ है। उन्होंने कहा कई गेंदबाज ऐसे हैं जिनके बारे में सबको पता होता है कि वे क्या करेंगे, फिर भी बल्लेबाज आउट हो जाते हैं। राशिद ने मिचेल स्टार्क का उदाहरण देते हुए कहा यह सबको पता होता है कि मिचेल स्टार्क नई गेंद से आमतौर पर इन-स्विंगर डालते हैं, फिर भी वह विकेट लेते हैं।

टी-20 विश्व कप
8 दिन शेष

पाकिस्तान के टी20 विश्व कप के बहिष्कार की संभावना कम

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपनी टी20 विश्व कप टीम के दो फरवरी की सुबह कोलंबो रवाना होने का कार्यक्रम तय कर दिया है जिससे टूर्नामेंट या 15 फरवरी को भारत के खिलाफ होने वाले अहम मुकाबले के बहिष्कार की किसी भी संभावना पर लगभग विराम लग गया है। बोर्ड से जुड़े सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पीसीबी ने विश्व कप टीम के दो फरवरी की सुबह कोलंबो रवाना होने के लिए पहले ही यात्रा की सभी तैयारियां कर ली हैं।

मनप्रीत भारतीय हॉकी टीम की सूची से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय हॉकी के सबसे जाने-माने खिलाड़ियों में से एक और मध्यपंक्ति के दिग्गज खिलाड़ी मनप्रीत सिंह का नाम आगामी एफआईएच प्रो लीग सत्र से पहले सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए चुने गए 33 संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल नहीं है। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को संभावित खिलाड़ियों की सूची घोषित की। प्रो लीग का सत्र अगले महीने राउरकेला में शुरू होगा।

कोच फुल्टोन ने कहा हॉकी इंडिया लीग के बाद हमें लगा कि टीम में बदलाव करने का यह सही समय है। हमने कुछ सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया है ताकि काम का बोझ संतुलित रहे, साथ ही उन खिलाड़ियों को भी मौका दिया है जिन्होंने अपनी मेहनत से यह मुकाम हासिल किया है। राउरकेला और होबार्ट में प्रो लीग के चरण चयन प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

संभावित टीम

गोलकीपर : पवन, सूरज करकेरा, मोहित शशिकुमार, प्रिंसदीप सिंह। **डिफेंडर :** अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, संजय, हरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, सुमित, पूवन्ना चंदूरा बॉबी, यशदीप सिवाच, नीलम संजीप ज़ेस, अमनदीप लाकड़ा। **मिडफील्डर :** राजिंदर सिंह, मनमीत सिंह, हार्दिक सिंह, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, विवेक सागर प्रसाद, विष्णु कांत सिंह, राज कुमार पाल, नीलकांता शर्मा, रोसन कुजूर। **फॉरवर्ड :** अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, मनदीप सिंह, अरजीत सिंह हुंदल, अंगद बीर सिंह, उत्तम सिंह, सेल्वम कार्थी, आदित्य अर्जुन, मनिंदर सिंह।

साक्षात्कार भारतीय हॉकी की दीवार कही जाने वाली सविता पूनिया ने कहा-परिवार के बलिदान नहीं गए बेकार

बारंबार अनदेखी के बाद पद्मश्री ने सारे मलाल मिटाए

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टीम में आने के बाद भी दस साल तक बेरोजगार रही, खेलरत्न के लिए बारंबार अनदेखी हुई लेकिन भारतीय हॉकी की दीवार कही जाने वाली सविता पूनिया ने हिम्मत नहीं हारी और अब पद्मश्री मिलने के बाद उन्हें खुशी है कि परिवार के बलिदान बेकार नहीं गए ।

तीन सौ से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली पहली महिला हॉकी गोलकीपर सविता ने कहा मेरे परिवार ने मेरा संघर्ष देखा है और मेरी सफलता भी देखी है तो उनकी ख्वाहिश थी कि मुझे सम्मान मिलते भी देखे। पद्मश्री के लिये चुने जाने पर अब मेरा पूरा सफर फ्लैशबैक में घूम रहा है कि कहां से शुरू किया और कहां उतार चढाव आए। उन्होंने बताया कि 2003 में सातवीं कक्षा में पढ़ने के दौरान गांव के सरकारी स्कूल के शिक्षक के सुझाव पर पहली बार उनके पापा महेंद्र सिंह पूनिया सिरसा ट्रायल के लिये ले गए थे जहां उनका हॉकी में चयन हुआ।

सविता ने कहा मेरी मम्मी को गठिया बाव बीमारी थी और वह पूरी तरह से बिस्तर पर थी। मैं रसोई संभालती थी और नौकरी के साथ उनका पूरा काम पापा ही करते थे। ऐसे हालात में उन्होंने मुझे हॉकी खेलने के लिये भेजा। उस समय समझ नहीं आया लेकिन आज याद करती हूं तो उनके बलिदान समझ में आते हैं। वह भी ऐसे समय में जब लड़के और लड़कियों में इतना भेदभाव होता था। अपनी मां की हालत की वजह से सविता का मन हॉस्टल में नहीं लगा और उसने हॉकी छोड़ने का मन बना लिया लेकिन तत्कालीन कोच सुंदर सिंह खरब ने उन्हें गोलकीपर बनाने का सुझाव दिया लेकिन कहा कि गोलकीपिंग किट की व्यवस्था करनी होगी क्योंकि उनके पास दो ही किट का बजट था जो वे दे चुके थे। उस समय मेरे पापा ने 18000 रुपये में गोलकीपिंग किट खरीदी जो उनकी दो महीने की तनख्वाह थी। मैं उस दिन बहुत रोई क्योंकि मुझे पता था कि उन पैसों की क्या कीमत थी। मैंने उस दिन सोचा कि अब अपने माता-पिता के लिए भारतीय टीम में जगह बनाना है। मैं पापा को रिटर्न गिफ्ट देना चाहती थी। इसके बाद गोलकीपिंग ट्रेनिंग शुरू की और 2008 में पहली बार भारतीय टीम में चुनी गई जिसने उनके दादाजी को अलग तरह से प्रेरित किया। सिरसा से भारतीय टीम में आने वाली मैं पहली लड़की थी। अखबार में छपा था कि रणजीत सिंह पूनिया की पोती भारतीय टीम में चुनी गई। दादाजी पढ़े लिखे नहीं थे लेकिन उन्होंने 67 साल की उम्र पढ़ना सीखा ताकि वह खबर खुद पढ सकें।

10 वर्ष तक रहीं बेरोजगार, टूटने लगी थी हिम्मत

सविता ने कहा मैं 2008 में टीम में आई और 2018 तक बेरोजगार थी। वाकई हालात बहुत खराब थे चूंकि खेल में चोट का डर रहता है, उपकरण महंगे आते हैं। मुझे आज भी याद है जब मैं टीम के साथ पहली बार विदेश जा रही थी तब हवाई अड्डे पर पापा ने 5000 रुपये दिये और भाई ने कोने में ले जाकर दो हजार रुपये दिए जो वह अपने दोस्त से उधार लाया था। वह मेरे लिए दो लाख रुपये से कम नहीं थे। फिर 2018 में अर्जुन पुरस्कार मिला तो मेरी मां का पहला सवाल था कि क्या अब नौकरी मिल जाएगी। रिश्तेदार पूछते थे कि इतने साल से भारतीय टीम में है और अभी तक नौकरी नहीं मिली तो खेलने का क्या फायदा। पर परिवार का साथ मेरी प्रेरणा बना और मैने ठान लिया था कि कुछ बड़ा करना है।

खेलरत्न मिलने की थी काफी उम्मीदें

पद्मश्री से पहले सविता को खेलरत्न पुरस्कार मिलने की काफी उम्मीदें थी पर इतनी उपलब्धियों के बावजूद इस बार भी सूची में नाम नहीं आने से उनका दिल टूट गया था। टोक्यो ओलंपिक के बाद से मैने तीन बार खेलरत्न के लिये आवेदन किया लेकिन मिला नहीं। मैं पुरस्कारों को लेकर उतना नहीं सोचती लेकिन जब मेरे समान उपलब्धियों पर दूसरों को मिलता है तो लगता है कि मुझे भी अपने परिवार को यह खुशी देनी है। इस साल बहुत उम्मीद थी पर जब नाम नहीं आया तो दिल टूट गया। मैं 300 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाली पहली महिला गोलकीपर बनी थी और लगातार तीन बार एफआईएच की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुनी गई। अब पद्मश्री मिलने के बाद दोनों परिवारों में खुशी का माहौल है। माता पिता को अर्जुन पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति भवन ले जाने वाली सविता अब ससुराल पक्ष को खुशी देना चाहती है।